WATCH GOD WATCHDOG
NBT नवभारत टाइम्स
एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesgroup.com पर जाएं।
नई दिल्ली > सोमवार, 27 मई 2024 > ज्येष्ठ 6, शक संवत 1946, ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्थी, विक्रम संवत 2081 | वर्ष 78, संख्या 126 > पेज 12 > मूल्य 5.00 या 10.00* रुपये द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित | www.nbt.in
*मासिक खरीद पर ही लागू

हिमाचल की मंडी सीट पर क्या है कंगना का विज़न
▸p9

जाह्नवी ने पंकज संग काम करने की मांगी थी दुआ
▸p6

NBT Lens समझिए खबरों के अंदर की बात

खबरों का पर्सपेक्टिव यानी NBT लेंस देखें पेज 2, 7 और 10

फटाफट खबरें

प्रचंड हुआ 'रेमल' तूफान, कोलकाता एयरपोर्ट बंद

बंगाल की खाड़ी में बने इस साल के पहले चक्रवाती तूफान 'रेमल' ने रविवार को प्रचंड रूप धर लिया। यह रवि-सोमवार की रात प. बंगाल और बांग्लादेश के बीच तट से टकराया। इस दौरान 135 किमी./घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। कोलकाता एयरपोर्ट सोमवार सुबह 9 बजे तक बंद है। निचले इलाकों से लोगों को सुरक्षित जगह भेजा गया है। ▸▸पेज 12

लेह जा रही उड़ान में बर्ड हिट, दिल्ली लौटी

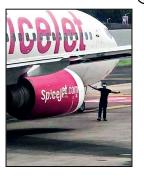

दिल्ली से रविवार सुबह लेह जा रहे स्पाइसजेट के विमान के इंजन से पक्षी टकरा गया। इसके बाद इंजन में कंपन आने लगा। फिर विमान को वापस सुरक्षित दिल्ली एयरपोर्ट पर उतारा गया। (पीटीआई)

हैपी मॉर्निंग

चिंटू: पिंटू एक नंबर का झूठा है। तुमसे क्या कह रहा था?
मिंटू: कह रहा था कि तुम बहुत अच्छे हो।

मौसम

अधिकतम	45.4 (+5)
न्यूनतम	27.0 (0)
सूर्यास्त सोमवार	7:12 बजे
सूर्योदय मंगलवार	5:25 बजे

कोलकाता 10 साल बाद फिर IPL किंग

हैदराबाद को 8 विकेट से मात
कोलकाता नाइट राइडर्स 10 साल बाद फिर IPL चैंपियन बना। चेन्नै के चेपक स्टेडियम में हुए फाइनल में कोलकाता ने सनराइजर्स हैदराबाद को 8 विकेट से हराया।

फाइनल में सबसे छोटा स्कोर
टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए हैदराबाद ने ऑलआउट होकर महज 113 रन बनाए, जो IPL फाइनल का सबसे छोटा स्कोर रहा। कोलकाता ने 57 गेंदें शेष रहते जीत हासिल की।

कोलकाता का तीसरा खिताब
कोलकाता इस सीजन में लीग स्टेज में भी टॉप पर रहा। इस टीम ने इससे पहले 2012 और 2014 में IPL खिताब जीता था। यह टीम 2021 में रनरअप रही थी। ▸▸पेज 10

आर्मी चीफ को एक महीने का सेवा विस्तार

■ **पीटीआई, नई दिल्ली:** सरकार ने सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे को रविवार को एक महीने का सेवा विस्तार दिया। वह 31 मई को रिटायर होने वाले थे लेकिन अब 30 जून को रिटायर होंगे। सूत्रों के अनुसार, नए आर्मी चीफ की नियुक्ति 4 जून के नतीजों के बाद बनने वाली सरकार करेगी। जनरल को सेवा विस्तार ऐसे समय में मिला है, जब उनके बाद के दो वरिष्ठ अधिकारी भी जून में ही रिटायर होने वाले हैं। कई दशकों में सरकार से किसी आर्मी चीफ को मिला यह पहला ऐसा सेवा विस्तार है। जनरल पांडे दिसंबर 1982 में 'कोर ऑफ इंजिनियर्स' (द बॉम्बे सैपर्स) में शामिल हुए थे। वह अप्रैल 2022 में सेना की बागडोर संभालने से पहले 'वाइस चीफ ऑफ द आर्मी स्टाफ' थे।

जनरल मनोज पांडे

'इंडी' गठबंधन के लिए पाकिस्तान से दुआ: मोदी

■ **पीटीआई, लखनऊ :** पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को देवरिया में I.N.D.I.A. गठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान में समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, इंडी गठबंधन के लिए दुआ पढ़ी जा रही है और सीमा पार से जेहादी इन्हें समर्थन दे रहे हैं। यहां SP, कांग्रेस वाले वोट जिहाद की अपील कर रहे हैं। इंडी वाले भारत के बहुसंख्यक समाज को दोयम दर्जे का नागरिक बनाना चाहते हैं।' ▸▸पेज 7

राहुल ने कहा, 5 जुलाई से खातों में आएगा ठका-ठक

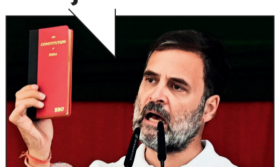

■ **पीटीआई, शिमला :** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि I.N.D.I.A. की सरकार बनते ही गरीबों की सूची बनेगी, हर गरीब परिवार की एक महिला के खाते में 5 जुलाई को 8500 रुपये दिए जाएंगे। यह जुलाई से अगस्त, फिर सितंबर, अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर और इसी तरह ठका-ठक, ठका-ठक चलता रहेगा...।...पीएम हिमाचल की आपदा के लिए 9000 करोड़ नहीं दे सके। ▸▸पेज 9

नई सरकार में UCC लागू करेंगे: शाह

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सत्ता के अगले कार्यकाल में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करेंगे। एक देश-एक चुनाव पर अमल होगा, J&K में 30 सितंबर से पहले असेंबली चुनाव होंगे।

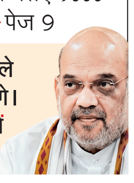

विवेक विहार के हॉस्पिटल में हादसा, मैजिस्ट्रेट जांच के आदेश

बच्चों के अस्पताल में आग, सात नवजात की गई जान

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

ईस्ट दिल्ली के विवेक विहार इलाके में शनिवार देर रात बच्चों के एक अस्पताल में आग लगने से 7 नवजात की मौत हो गई। सभी 15 से 25 दिन के थे। अधिकारियों ने बताया कि आग 'बेबी केयर न्यू बॉर्न हॉस्पिटल' में लगी। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मदद को आए। उन्होंने पुलिस और दमकल के साथ मिलकर अस्पताल के पीछे की खिड़कियां तोड़ीं और पहली मंजिल से एक-एक कर 12 नवजात को निकाला और उन्हें नजदीकी अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने 7 को मृत घोषित कर दिया। आग ने अस्पताल के बगल के बुटीक, बैंक के दरवाजे और सीलिंग, स्कूटी, हरियाणा नंबर की एंबुलेंस व अन्य चीजों को भी चपेट में लिया था। बीच-बीच में ऑक्सिजन सिलिंडर फटने से तेज धमाके भी हुए। मौके पर दमकल की 16 गाड़ियां पहुंचीं। करीब एक घंटे में आग पर काबू पा लिया गया।

अस्पताल मालिक गिरफ्तार, मुआवज़े का ऐलान

पुलिस ने अस्पताल के मालिक नवीन किची और ऑन ड्यूटी डॉक्टर को रविवार को गिरफ्तार किया। उन पर लापरवाही से मौत और दूसरों की जान खतरे में डालने जैसी धाराओं में केस दर्ज हुआ है। राष्ट्रपति और पीएम ने घटना पर दुख जताया। प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतक के परिजन को दो-दो लाख रुपये देने का ऐलान हुआ। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि लापरवाही के जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। मैजिस्ट्रेट जांच के आदेश हुए हैं। पता चला है कि अस्पताल चलाने का **लाइसेंस इसी मार्च में खत्म हो चुका था। फायर NOC नहीं थी।** ▸▸पेज 2

11:29pm शनिवार रात लगी अस्पताल में आग | **16** दमकल की गाड़ियों ने घंटेभर में बुझाई आग | **4:00am** रविवार सुबह तक कूलिंग का काम चला।

इमारत के पीछे की तरफ खिड़कियां तोड़कर एक-एक कर 12 नवजात निकाले गए।

विवेक विहार के 'बेबी केयर न्यू बॉर्न हॉस्पिटल' में लगी आग।
Agency

कृष्णा नगर में चार मंज़िला इमारत में आग, 3 की मौत

ईस्ट दिल्ली के कृष्णा नगर में शनिवार-रविवार की रात ढाई बजे चार मंजिला इमारत में पार्किंग से भड़की आग ने तीन की जान ले ली। मृतकों में बुजुर्ग महिला भी हैं। इनके अलावा इमारत के 10 अन्य लोग भी आग और धुएं की चपेट में आए, जिन्हें अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। घायलों में एक की हालत गंभीर है। पुलिस और दमकल ने शुरुआती जांच पर अंदेशा जताया कि आग पार्किंग में शॉर्ट सर्किट से लगी थी, जो फैलते हुए बाकी फ्लोर पर जा पहुंची। (विस) ▸▸पेज 3

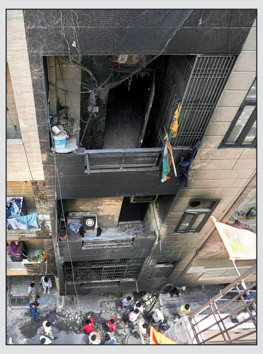

मैन-मेड डिजास्टर है राजकोट हादसा: HC

गुजरात के राजकोट में शनिवार शाम गेम जोन में आग लगने से 28 लोगों की मौत हुई। गुजरात हाई कोर्ट ने घटना को मैन-मेड डिजास्टर बताया। कोर्ट ने कहा कि ऐसे गेम जोन जरूरी मंजूरी लिए बिना बनाए गए हैं। हाई कोर्ट ने राजकोट समेत अहम नगर निगमों को निर्देश दिया कि वे बताएं कि कानून के किन प्रावधानों से इन्हें स्थापित किया गया है या जारी रखा गया। गेम जोन के 6 साझीदारों में से दो गिरफ्तार हुए। इनमें एक मैनेजर है। ▸▸पेज 7

अधिक जानकारी के लिए

NFO अवधि:
17 मई - 31 मई, 2024

SBI MUTUAL FUND
A PARTNER FOR LIFE

एसबीआई ऑटोमोटिव अपॉर्चुनिटीज़ फ़ंड
जब आप गाड़ी चलाते हैं, तब भारत आगे बढ़ता है
भारत के बढ़ते ऑटोमोटिव पारिस्थितिकी तंत्र से लाभ

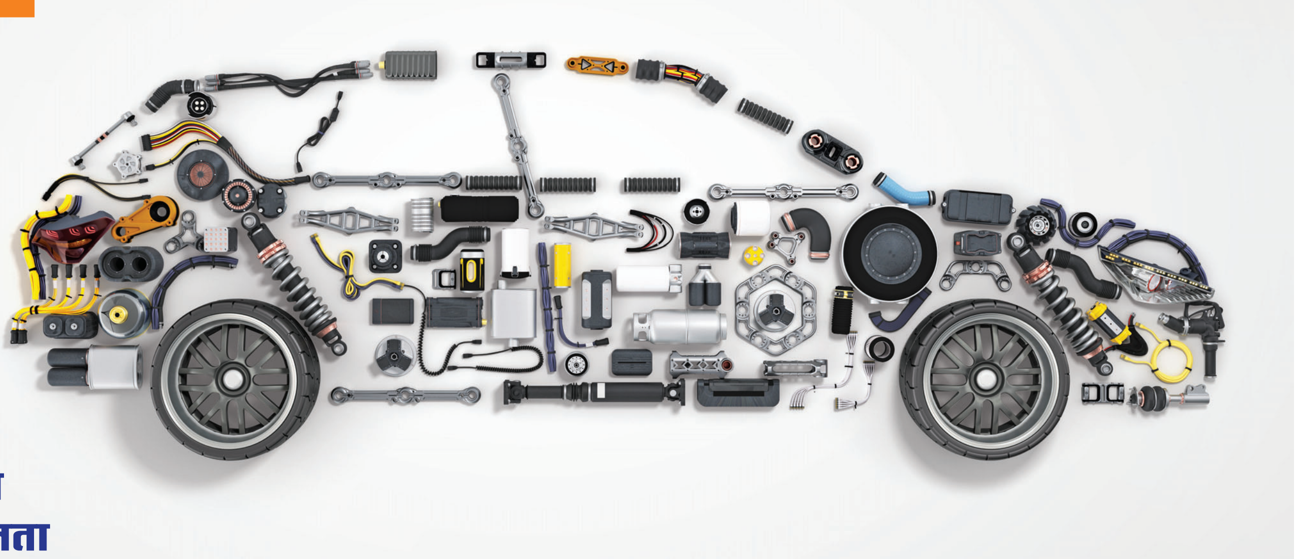

मूल उपकरण निर्माता (OEMs) | ऑटो एनसीलरीज़ | ऑटो निर्यात | विद्युत गतिशीलता

ऑटोमोटिव और संबंद्ध व्यावसायिक गतिविधियों की थीम का पालन करने वाली कंपनियों का वर्गीकरण, काफी हद तक AMFI उद्योग वर्गीकरण के मार्गदर्शन से होगी। अधिक जानकारी के लिए, योजना के सूचना दस्तावेज़ देखें।

SBI AUTOMOTIVE OPPORTUNITIES FUND
An open-ended equity scheme following automotive & allied business activities theme

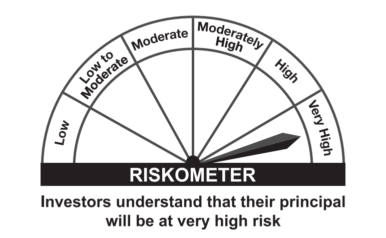

Investors understand that their principal will be at very high risk

This product is suitable for investors who are seeking^:
- Long - term capital appreciation.
- Investment in equity and equity related instruments of companies engaged in and/or expected to benefit from the growth in automotive & its allied business activities theme.

^Investors should consult their financial advisers if in doubt about whether the product is suitable for them.

Scheme First Tier Benchmark Name: Nifty Auto TRI

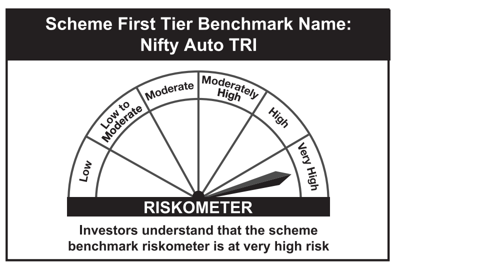

Investors understand that the scheme benchmark riskometer is at very high risk

टोल-फ्री: 1800 209 3333 | अधिक जानकारी के लिए अपने MFD/RIA से संपर्क करें | विज़िट करें: www.sbimf.com | हमें फ़ॉलो करें:

म्युच्युअल फंड निवेश बाजार के जोख़िमों के अधीन हैं, योजना से जुड़े सभी दस्तावेज़ ध्यान से पढ़ें.

मोती नगर जंक्शन पर बने तीन लेन चौड़े फ्लाईओवर का उद्घाटन मार्च में हुआ था। इसके हिस्से पंजाबी बाग फ्लाईओवर का काम जुलाई तक कंप्लीट करना है, पर हालात देखकर ऐसा नहीं लगता। | 4

55.14%

रहा साउथ दिल्ली में वोटिंग प्रतिशत इस बार। यह दिल्ली की सातों सीटों के मुकाबले सबसे कम रहा।

दिल्ली : महानगर

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली। सोमवार, 27 मई 2024

Cannes फिल्म फेस्टिवल के आखिरी दिन गूंजी 'पायल' की झंकार | 6

190

रहा दिल्ली का AQI लेवल रविवार को। वही आनंद विहार मे यह 220 दर्ज किया गया

www.delhi.nbt.in

अब हेमकुंट साहिब में भी रील्स और विडियोग्राफी पर प्रतिबंध रहेगा। हेमकुंट साहिब के कपाट शनिवार को अरदास के बाद श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए | 11

अग्निकांड की जांच में मिलीं खामियां, नहीं था इमरजेंसी गेट

बेबी केयर सेंटर में लगी आग में 7 की मौत, 5 की हालत गंभीर

■ विशेष संवाददाता, विवेक विहार

विवेक विहार के बेबी केयर न्यू बॉर्न चाइल्ड हॉस्पिटल में आग के बाद जांच में रविवार शाम कई खामियों का खुलासा हुआ। जिसके आधार पर पुलिस ने इस मामले में गैर इरादतन हत्या आईपीसी की धारा 304 और आईपीसी की धारा 308 को इस केस में जोड़ हॉस्पिटल मालिक आरोपी डॉ. नवीन खिची और ऑन ड्यूटी डॉक्टर आकाश को गिरफ्तार कर लिया है। डॉ. आकाश चरखी निवासी दादरी उम्र-26 वर्ष बीएएमएस हैं।

- आग बुझाने के बाद छानबीन में वहां फटे हुए ऑक्सिजन सिलिंडर मिले।
- सभी नवजात बच्चों की उम्र 15 से 25 दिन की थी
- पुलिस ने 336/304 ए/34 के तहत मामला दर्ज किया
- एंट्री एग्जिट उचित नहीं थे, इमरजेंसी एग्जिट गेट भी नहीं था

पुलिस को जांच के दौरान यह भी पता चला 'बेबी केयर न्यू बॉर्न चाइल्ड हॉस्पिटल' की चार ब्रांच हैं। ये विवेक विहार, पंजाबी बाग, फरीदाबाद और गुड़गांव में हैं। इस अस्पताल के मालिक डॉ. नवीन खिची पश्चिम विहार से हैं। वह बाल चिकित्सा में एमडी हैं। वह और उनकी पत्नी डॉ. जागृति (डेंटिस्ट) इस अस्पताल को चला रहे हैं। मौके पर फायर टेंडर, क्राइम टीम और एफएसएल टीम पहुंची। आग लगने का अभी संभावित कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। मामले में पुलिस की जांच अभी जारी है।

शाहदरा जिले के विवेक विहार इलाके में शनिवार देर रात बेबी केयर न्यू बॉर्न हॉस्पिटल में अचानक फैली आग की चपेट में आने से 7 नवजात बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। इन सात बच्चों में एक नवजात हादसे से कुछ ही समय पहले दम तोड़ चुका था। आग लगने के दौरान बेबी केयर सेंटर से बारह नवजात बच्चों को रेस्क्यू कराकर नजदीकी अस्पताल भेजा गया जहां डॉक्टरों ने सात को मृत घोषित कर दिया। आग लगते ही हड़कंप मच गया। शोर-शराबे के बीच स्थानीय लोग मदद के लिए आगे आए। देखते ही देखते आग ने ग्राउंड फ्लोर से लेकर बाकी मंजिल को अपनी चपेट में ले लिया।

आसपास के लोगों ने पुलिस और दमकल विभाग के साथ मिलकर इमारत के पीछे की ओर की खिड़कियां तोड़ीं और किसी तरह वहां से नवजात बच्चों को एक-एक कर निकाला। करीब 120 वर्ग गज में बने बेबी केयर सेंटर में नवजात बच्चों का रिकॉर्ड अभी नहीं मिला है। आग ने सिर्फ इस अस्पताल को ही नहीं बल्कि बगल के बुटीक, इंडसइंड बैंक, एक स्कूटी, हरियाणा नंबर की एंबुलेंस और अन्य चीजों को भी अपनी चपेट में ले लिया।

सबसे भारी होता है बच्चे का शव : कोई बच्चा दो दिन का, कोई पांच दिन का... अब बची हैं तो सिर्फ उनके दवाइयों वाले ये जले हुए कागज। अस्पताल का मालिक तो अरेस्ट हो गया लेकिन पीछे रह गए कई सवाल। ऐसी लापरवाहियों ने कई परिवारों की खुशी को मातम में बदल दिया है।

बिलखते रहे परिजन: आंखों में आंसू लिए माता-पिता अपने बच्चों की पहचान के लिए जीटीबी अस्पताल के मोर्चरी में भटकते रहे।

इतनी खामियों के बावजूद चल रहा था अस्पताल

- दिल्ली सरकार की तरफ से अस्पताल को लाइसेंस जारी किया गया। इसकी समयसीमा 31/03/2024 को समाप्त हो चुकी है।
- समाप्त हो चुके लाइसेंस के हिसाब से केवल 5 बेड की अनुमति थी, लेकिन घटना के समय 12 नवजात भर्ती थे।
- यहां के डॉक्टर्स नवजात बच्चों की देखभाल/ इलाज के लिए योग्य नहीं हैं, क्योंकि वे केवल बीएएमएस डिग्री धारक हैं।
- आग लगने की स्थिति में आपातकालीन स्थिति के लिए उक्त अस्पताल में कोई अग्निशामक यंत्र स्थापित नहीं।
- किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में न्यू बोर्न चाइल्ड अस्पताल में कोई आपातकालीन निकास भी नहीं था।

कब क्या-क्या हुआ

- **11.30 PM** बजे बेबी केयर न्यू बॉर्न अस्पताल में लगी आग
- **11.35 PM** बजे आसपास के लोग इकट्ठा हुए, इसी बीच एक के बाद एक करीब आठ सिलेंडर ब्लास्ट हुए
- **11.40 PM** बजे स्थानीय लोगों ने चेन बनाकर अस्पताल के पीछे की खिड़की को तोड़ा और बच्चों को बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया
- **11.42 PM** बजे अस्पताल के पड़ोस वाली बिल्डिंग में आग लगी, परिवार के लोगों ने भाग कर अपनी जान बचाई
- **10.00AM** बजे क्राइम टीम के अलावा एफएसएल, बीएसईएस और दमकल विभाग की टीम ने अस्पताल परिसर का मुआयना किया
- **10.00AM** बजे जीटीबी अस्पताल में परिजन और पुलिस पहुंची
- **10.30AM** बजे पोस्टमॉर्टम करने के लिए पहुंची मेडिकल टीम
- **11.28AM** बजे विवेक विहार स्थित बेबी केयर न्यू बॉर्न अस्पताल में नेताओं का आना शुरू हुआ
- **12.00AM** बजे जीटीबी अस्पताल में परिजनों को बच्चों के शव दिखा पहचान करवाई

Photos: Jatin Kumar, Surender Kumar, PTI, AFP

कौन है हादसे का ज़िम्मेदार?

NBT Lens — समझिए खबरों के अंदर की बात

इस हादसे ने एक बार फिर एजेंसियों की नाकामी को उजागर करके रख दिया है। पूरी दिल्ली में रिहायशी बिल्डिंगों में इस तरह की छोटी-छोटी नर्सरियां, अस्पताल, मेडिकल सेंटर चल रहे हैं, लेकिन उनमें नियमों का पालन हो रहा है कि नहीं, इसकी याद प्रशासन को तभी आती है, जब कोई हादसा हो जाता है। हर साल गर्मियों के दौरान ऐसी बड़ी घटनाएं सामने आती हैं, लेकिन उन्हें रोकने और नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया जाता है। नतीजा ऐसे हादसों के रूप में बार-बार सामने आता है और उसके बाद एजेंसियां एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़ती दिखाई देती हैं। इस मामले में भी ऐसा ही कुछ देखने को मिल रहा है। फायर एनओसी को लेकर भी एजेंसियों के अलग-अलग दावे सामने आ रहे हैं। एक चश्मदीद का तो यह भी दावा है कि हादसे के बाद बच्चों को अंदर ही छोड़कर स्टाफ के लोग बाहर निकल आए। ऐसे लोगों के हवाले नवजात बच्चों को छोड़ा गया था। अब मजिस्ट्रेट जांच कराई जा रही है, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह हादसा रोका जा सकता था और पहले कार्रवाई करने की जिम्मेदारी किसकी थी?

बिना फायर एनओसी चल रहा था विवेक विहार का बेबी केयर सेंटर

■ एनबीटी न्यूज, विवेक विहार

हादसे के वक्त अस्पताल में 12 नवजात भर्ती थे। आग लगने पर पुलिस, दमकल विभाग, अस्पताल स्टाफ और पब्लिक ने बिल्डिंग के पिछले हिस्से में मौजूद खिड़की को तोड़कर 12 बच्चों को निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां सात मासूमों को मृत घोषित कर दिया गया। पांच बच्चों का ईस्ट दिल्ली के एडवांस एनआईसीयू अस्पताल में इलाज चल रहा है। इनमें एक नवजात की हालत गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों का दावा है कि अस्पताल के ग्राउंड फ्लोर पर अवैध रूप से ऑक्सिजन के छोटे सिलिंडर की रीफिलिंग की जा रही थी। यहीं आग लगी जो देखते ही देखते ऊपर अस्पताल में पहुंच गई। पड़ोस की दो और बिल्डिंग को भी आग ने चपेट में ले लिया। आग के दौरान अस्पताल के ग्राउंड फ्लोर पर रखे ऑक्सिजन सिलिंडर फटने लगे। जिससे अफरा-तफरी और भगदड़ मच गई। स्थानीय लोगों के अनुसार सात से आठ सिलिंडर ब्लास्ट हुए, जिनका मलबा करीब 100 मीटर दूर आईटीआई तक पहुंचा।

डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि हादसे का शिकार हुए सात में से एक बच्चे की मौत शनिवार शाम खुद ही हो गई थी। आग की वजह से छह ही बच्चों की जान गई है। रविवार दोपहर क्राइम टीम के अलावा एफएसएल, बीएसईएस और दमकल विभाग की टीम ने अस्पताल परिसर का मुआयना किया।

फायर सेफ्टी के भी कोई इंतजाम नहीं थे

विवेक विहार का बेबी केयर सेंटर नियम-कानून को ताक पर रखकर चलाया जा रहा था। यह बेबी केयर सेंटर बिना नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) के पिछले साढ़े चार साल से चल रहा था। अस्पताल में फायर सेफ्टी के भी कोई इंतजाम नहीं थे। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उन्होंने कई बार अस्पताल की पुलिस प्रशासन से शिकायत की। लेकिन कोई एक्शन नहीं हुआ।

अस्पताल में मौजूद था स्टाफ : डीसीपी के अनुसार विवेक विहार सी-54 में बेबी केयर न्यू बॉर्न हॉस्पिटल है। करीब 120 गज की बिल्डिंग की पहली मंजिल पर तीन कमरों में 12 ही बच्चों को भर्ती करने की व्यवस्था थी। जन्म के बाद जिन बच्चों को समस्याएं होती हैं, उनको दूसरे अस्पतालों से यहां भेज दिया जाता है। शनिवार रात करीब 11:32 बजे जब आग लगी तो यहां दो डॉक्टरों के अलावा छह नर्स और एक गार्ड मौजूद था। आग लगने पर इन लोगों ने किसी तरह अपनी जान बचाई। पड़ोसियों का कहना है कि अस्पताल की नर्सों ने भी बच्चों को पिछले हिस्से से निकालने में मदद की। आग की चपेट में पड़ोसी ललित की चश्मे की दुकान के अलावा उनकी पहली और दूसरी मंजिल भी आ गई। बता दें कि तीन साल पहले भी यह बेबी केयर सेंटर विवादों में रहा था। सूत्रों के मुताबिक साल 2021 में इस बेबी सेंटर की एक नर्स ने 2 महीने के नवजात के साथ मारपीट की थी। नवजात के पिता ने केस दर्ज कराया, जिसके बाद नर्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

पीड़ित परिवारों ने हॉस्पिटल के डॉक्टर के साथ धक्का-मुक्की की

मातम — इन परिवारों ने खो दिए अपने बच्चे

- **भजनपुरा निवासी** मसी आलम और इनकी पत्नी सितारा के यहां दिलशाद गार्डन के अस्पताल में बुधवार को बेटे ने जन्म लिया था। जन्म के बाद से ही बच्चे की छाती और ब्लड में इन्फेक्शन था। वहां से बच्चे को बेबी केयर न्यू अस्पताल में रेफर किया गया था। महंगा होने के बावजूद मजदूरी करने वाले मसी आलम बेटे का यहां इलाज करवा रहे थे। इनकी तीन साल की एक बेटी भी है।
- **विवेक विहार** के ज्वाला नगर निवासी विनोद और ज्योति के यहां शनिवार तड़के बेटे ने जन्म लिया था। जन्म के बाद से उसे सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। परिवार ने उसे बेबी केयर अस्पताल में भर्ती कराया था। विनोद का 6 साल का एक बेटा भी है। इनका ऑनलाइन सामान बेचने का काम है। परिवार को आग लगने की सूचना सुबह टीवी से मिली थी।
- **बुलंदशहर निवासी** रितिक और निकिता के यहां 17 मई को बुलंदशहर के अस्पताल में बेटे ने जन्म लिया था। उसे भी सांस लेने में दिक्कत थी। इसी कारण अपने जानकार डॉक्टर के कहने पर उसे बेबी केयर अस्पताल में भर्ती कराया था। रितिक को भी अस्पताल में आग लगने की सूचना टीवी से ही मिली।
- **बागपत यूपी** के रहने वाले पवन और इनकी पत्नी भारती के यहां 18 मई को बेटी ने जन्म लिया था। उसके पेट में संक्रमण था। उसे बेबी केयर अस्पताल रेफर किया गया था। पवन यूपी पुलिस में सिपाही हैं। उनको आग लगने की सूचना एक रिश्तेदार ने दी। दो साल पहले ही पवन और भारती की शादी हुई थी।
- **गाजियाबाद निवासी** राजकुमार और उमा की 17 दिन की बेटी थी। उसे लगातार बुखार और संक्रमण था। दो दिन पहले ही उसे एडमिट किया गया था। राजकुमार माली का काम करते हैं। बेटी की मौत के बाद से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।
- **कृष्णा नगर** के कांति नगर निवासी अंजार और नूरजहां के यहां 15 मई को बेटी ने जन्म लिया था। जन्म के समय उसके पेट में गंदा पानी चला गया था। इसकी वजह से उसे इन्फेक्शन हो गया था। हादसे में अंजार की बेटी की भी मौत हो गई।
- **गाजियाबाद निवासी** नवीन और कुसुम के यहां शालीमार गार्डन के एक अस्पताल में गुरुवार को बेटे ने जन्म लिया था। सांस लेने में दिक्कत के बाद उसे बेबी केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आग लगने से पहले ही शनिवार को 10:30 बजे नवजात की बीमारी से मौत हो गई। परिजन रात होने की वजह से शव लेकर नहीं गए। इस बीच रात में हादसा हुआ तो नवीन के बेटे का शव भी झुलस गया।

जीटीबी अस्पताल की मॉर्च्युरी में भटकते रहे घरवाले, सही जानकारी नहीं देने का लगाया आरोप

माता-पिता रोते-रोते कर रहे थे बच्चों की पहचान

■ कृष्ण कुणाल सिंह, नई दिल्ली

आंखों में आंसू लिए माता-पिता अपने बच्चों की पहचान के लिए जीटीबी अस्पताल के मोर्चरी में भटकते रहे। पहले न तो अस्पताल वाले उन्हें कुछ बता रहे थे न ही पुलिस वाले। पुलिसकर्मी भी काफी देर से मोर्चरी में पहुंचे। काफी देर तक उन्हें पुलिसवाले का इंतजार करना पड़ा। बाद में उन्हें बारी-बारी से पहचान के लिए भेजा गया। नवजातों में न केवल दिल्ली बल्कि यूपी के रहने वाले परिवार के भी बच्चे हैं।

ज्यादातर बच्चों को सांस लेने में तकलीफ थी। इसके अलावा कुछ नवजात पेट में इंफेक्शन और बुखार से पीड़ित थे। पीड़ित परिवारों का कहना है कि वह लोग गरीब परिवार से हैं। फिर भी इलाज के लिए एक-एक पैसे जोड़कर हर दिन 10 से 15 हजार रुपये दे रहे थे। लेकिन अस्पताल प्रशासन की लापरवाही के चलते उनके बच्चों की मौत हो गई। ज्यादातर परिवार का आरोप था कि उन्हें सूचना भी नहीं थी कि अस्पताल में आग लगने के चलते अपने बच्चे को खो दिया है। चैनल पर आग लगने की सूचना के बाद वह लोग अस्पताल गए। फिर वहां से जीटीबी अस्पताल के मोर्चरी पहुंचे। लेकिन यहां भी पुलिसवाले उनकी मदद नहीं कर रहे थे। ज्यादातर पुलिसवाले दस बजे के बाद ही वहां पर पहुंचे। उसके बाद आगे की कार्रवाई शुरू की गई।

मां को मौत की नहीं है सूचना

पवन कसाना बागपत, यूपी के रहने वाले हैं। वह यूपी पुलिस में कॉन्स्टेबल हैं। उन्होंने बताया कि छह दिन पहले ही उन्हें पहला बच्चा हुआ था। अब तक उनकी पत्नी को पता नहीं है कि बेटे की मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि उन्हें चैनल और रिश्तेदारों से आग लगने के बारे में सूचना मिली। तब वह दिल्ली पहुंचे। अब तक इलाज के नाम पर 80 हजार रुपये खर्च हो चुके हैं लेकिन अस्पताल प्रशासन की तरफ से कोई सूचना भी नहीं दी गई।

मासूमों को अभी ठीक से देखा भी नहीं था... पीड़ित परिवारों ने कहा, वह गरीब परिवार से हैं, फिर भी इलाज के लिए हर दिन 10 से 15 हजार रुपये दे रहे थे।

एक साल पहले भी हुई थी एक बेटे की मौत

विनोद शर्मा (37) परिवार के साथ ज्वाला नगर इलाके में रहते हैं। विनोद के भाई अमित शर्मा ने बताया कि शनिवार सुबह ही 5:00 बजे उन्होंने अपने भतीजे को भर्ती कराया था। लेकिन सुबह 7:00 बजे पता चला कि अस्पताल में आग लगने से भतीजे की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि परिवारवाले दूसरे बेटे के आने से काफी खुश थे। पहले भी एक बार उनका अबॉर्शन हो गया था। उसके बाद एक बेटा हुआ। लेकिन एक साल पहले ही उसकी भी मौत हो गई।

इन्फेक्शन के चलते पोते को कराया भर्ती

नेहरू विहार की रहने वाली सितारा खातून ने बताया कि बुधवार को उनके पोते का जन्म हुआ था। सभी बहुत खुश थे। लेकिन पता चला कि बच्चे के पेट में इंफेक्शन है। वह रो भी नहीं रहा था। उसका वजन हालांकि 3 किलो से अधिक था। लेकिन इंफेक्शन के कारण बच्चे को भर्ती कराया। उन्होंने बताया कि वह लोग गरीब हैं लेकिन बच्चे की इलाज में 60 से 70 हजार रुपये अस्पताल को दे चुके थे। अस्पताल वाले बच्चे को देखने भी नहीं दे रहे थे। बस बता देते थे कि बच्चा ठीक है। आग लगने के बाद भी अस्पताल प्रशासन ने उन्हें सूचना नहीं दी। न्यूज चैनल से आग लगने का पता चला। तब वह अस्पताल पहुंचीं। फिर वहां से मोर्चरी आई हैं। उन्हें दोपहर तक बच्चे को दिखाया भी नहीं गया। उन्होंने अस्पताल प्रशासन के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

बुलंदशहर से इलाज कराने आए

बुलंदशहर, यूपी के रहने वाले रितिक चौधरी ने बताया कि 17 मई को उनके बेटे का जन्म हुआ था। लेकिन उसे सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। तब वहां के अस्पतालवालों के कहने पर इस अस्पताल में बेटे को 20 मई को भर्ती कराया। वह पेशे से किसान हैं। अस्पताल हर दिन दस हजार से अधिक इलाज के लिए ले रहा था। किसी तरह जमा पूंजी बेटे के इलाज में खर्च कर रहे थे। आग शनिवार रात को लगी थी। लेकिन उन्हें अस्पताल प्रशासन की तरफ से सूचना नहीं दी गई। जो अस्पताल से नंबर मिला था उसे भी कोई नहीं उठा रहा था। वह करावल नगर में अपने रिश्तेदार के यहां रुके हुए थे। आग लगने की खबर देखने के बाद वह अस्पताल पहुंचे।

आग लगने से पहले ही हो गई थी मौत

सेवा राम यूपी, लोनी के जावली के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि तीन दिन पहले उनके बेटे नवीन को बेटा हुआ था। उसे सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। तब उसे इलाज के लिए इस अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि आग से चंद घंटा पहले ही बच्चे की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि नवीन किसान हैं। बच्चा ऑपरेशन से हुआ था।

DNA टेस्ट का परिवार कर रहा है इंतजार

राजकुमार साहिबाबाद के रहने वाले हैं। उनका नर्सरी का काम है। उनके चाचा अरुण गुप्ता ने बताया कि 17 दिन पहले राजकुमार की बेटी का नॉर्मल जन्म हुआ था। बच्ची को दो दिन पहले ही फीवर होने पर इस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रविवार सुबह आग लगने का पता चलने के बाद वह लोग यहां पहुंचे। यहां पता चला कि एक बच्ची को गुप्ता आर्थो अस्पताल में रखा गया है जो उनकी भतीजी जैसी लग रही है। उन्होंने बताया कि अस्पतालवालों के कहने पर वह जीटीबी के मोर्चरी में आए हैं। यहां पर भी उन बच्चों को देखने आए जिनका शव यहां पर लाया गया है। उन्होंने बताया कि डॉक्टर राजकुमार के DNA टेस्ट कराने की बात कह रहे हैं। उधर, जो बच्ची गुप्ता ऑर्थो अस्पताल में भर्ती है, उसे कोई लेने भी नहीं आया है। उन्होंने बताया कि अभी इस बात की जानकारी उनकी भाभी को भी नहीं दी गई है। बच्ची को बृज विहार स्थित एक प्राइवेट अस्पताल से रेफर किया गया था। उन्होंने बताया कि पहले से उनका एक भतीजा है। लेकिन बेटी के आने के बाद घर में लोग काफी खुश थे। फिलहाल परिवार अपनी बेटी की पहचान करने का इंतजार कर रहा है।

दिल्ली में इस साल आग की बड़ी घटनाएं

- **18 जनवरी, 2024:** पीतमपुरा इलाके में घर में आग, छह लोगों की मौत, सात झुलसे
- **26 जनवरी, 2024:** शाहदरा की एक वाइपर फैक्ट्री में आग, चार की मौत
- **27 जनवरी, 2024:** शाहदरा इलाके में एक बिल्डिंग में आग, छह को बचाया, जिनमें से चार की मौत
- **6 फरवरी, 2024:** शाहदरा में चार मंजिला बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर लगी आग, एक बुजुर्ग की मौत
- **15 फरवरी, 2024:** अलीपुर में एक पेंट फैक्ट्री में आग, 11 की मौत, चार को बचाया
- **31 मार्च, 2024:** बुराड़ी स्थित प्रदीप विहार-इब्राहिमपुर इलाके में नाले की खुदाई के दौरान पाइपलाइन में लगी आग, दो मजदूर आए चपेट में, एक की मौत
- **2 अप्रैल, 2024:** सदर बाजार इलाके में एक घर में आग, दो बच्चियों की दम घुटने से मौत
- **14 मई, 2024:** आईटीओ स्थित सीआर बिल्डिंग में आग, एक की मौत, छह को बचाया
- **16 मई, 2024:** पूर्वी दिल्ली के शकरपुर इलाके में अवैध पेपर गोदाम में आग, एक की मौत
- **20 मई, 2024:** ज्योति नगर स्थित दुर्गापुरी एक्सटेंशन में चार मंजिला इमारत में आग, एक की मौत, दो परिवारों को बचाया
- **9 जून 2023 :** जनकपुरी की वैशाली कॉलोनी में भी एक न्यू बॉर्न बेबी अस्पताल में आग लगने की घटना सामने आई थी। घटना के वक्त अस्पताल में 20 नवजात शिशु भर्ती थे, जिन्हें बचा लिया गया था

अस्पताल के ग्राउंड फ्लोर पर अवैध रूप से ऑक्सिजन सिलिंडरों में भरते थे गैस

Photos : PTI, Jatin Kumar

दर्दनाक: घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि शनिवार रात करीब 11:30 बजे ब्लास्ट होने की आवाज आने लगी और इसके बाद दमकल और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस अफसर ने कहा कि आग लगने की वजह का पता लगाया जा रहा है

लोगों का आरोप, प्रशासन से की गई थी शिकायत, लेकिन नहीं हुआ एक्शन

■ एनबीटी न्यूज, विवेक विहार

जिस बेबी केयर अस्पताल में आग लगने से सात नवजात शिशुओं की जान गई, वहां ग्राउंड फ्लोर पर ऑक्सिजन सिलिंडर का रीफिलिंग सेंटर अवैध रूप से चलाया जा रहा था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अस्पताल प्रशासन ने इसके लिए कोई परमिशन नहीं ली थी। स्थानीय लोग लगातार पुलिस और एमसीडी प्रशासन से इसकी शिकायत करते रहे। लेकिन उन्होंने कोई एक्शन नहीं लिया। अस्पताल के पास रहने वाले बृजेश कुमार ने बताया कि सी-54 में चल रहा यह अस्पताल अतिक्रमण करके बनाया गया था, जिसकी शिकायत सी-55 में रहने वाले एसएस गुप्ता ने सात से आठ बार की थी। बृजेश के अनुसार, दिल्ली नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग और इससे संबंधित बाकी विभागों को अस्पताल के अतिक्रमण और अवैध रूप से चलाए जा रहे रीफिलिंग की शिकायत उन्होंने की है। लेकिन प्रशासन ने कोई एक्शन नहीं लिया और न ही एक बार आकर यहां देखा। उन्होंने बताया कि कई बार वह दिल्ली पुलिस के बीट अधिकारी को भी अवैध रूप से चल रहे रीफिलिंग सेंटर की जानकारी दे चुके हैं। हादसे में बच्चों को बचाने के दौरान उनके हाथ में भी चोट आई है।

> पुलिस सूत्रों के अनुसार कोई परमीशन नहीं ली गई थी

> अतिक्रमण कर अस्पताल बनाने का लगाया गया है आरोप

बड़े से छोटे सिलिंडर में भरते थे ऑक्सिजन!

घटना की जांच की निगरानी कर रहे पुलिस अफसर ने कहा कि आग लगने की वजह का पता लगाया जा रहा है। ऐसी जानकारी स्थानीय स्तर से संज्ञान में आई है कि यहां बड़े से छोटे सिलिंडर में ऑक्सिजन भरने का काम होता था। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है। अगर ऐसा है तो इस दिशा में जांच और लापरवाह लोगों की पहचान की जाएगी। यह भी पता लगा रहे हैं कि बेबी केयर सेंटर में कितने सिलिंडरों को रखने की परमिशन थी। जांच आगे बढ़ने और नए तथ्य सामने आने पर इस मामले में गैर इरादतन हत्या की धारा को भी शामिल किया जा सकता है।

निकलने के लिए नहीं था कोई रास्ता

लोगों के अनुसार, बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर से नीचे आने और ऊपर जाने का एक ही रास्ता बना हुआ था। वह रास्ता भी बिल्डिंग के अंदर से बना था। ऐसे में जब आग लगी तो बच्चों को बचाने के लिए जाने वाले लोग सीढ़ियों तक पहुंच ही नहीं पाए। वहीं बिल्डिंग के बीच अतिक्रमण कर एक लोहे की सीढ़ी बनाई हुई है।

हादसे की मैजिस्ट्रेट जांच के आदेश

लिया एक्शन : दमकल विभाग की टीम ने करीब एक घंटे की मशक्कत कर आग पर काबू पाया। कूलिंग प्रोसेस सुबह तक चलता रहा

■ **विस, नई दिल्ली:** बेबी केयर सेंटर में हुए हादसे की मैजिस्ट्रेट जांच के आदेश जारी किए गए हैं। चीफ सेक्रेटरी को दिए गए एलजी के निर्देश के बाद रविवार की शाम को दिल्ली के डिविजनल कमिश्नर और राजस्व विभाग के अडिशनल चीफ सेक्रेटरी अश्विनी कुमार ने इस हादसे की मैजिस्ट्रेट जांच का आदेश जारी कर दिया। शाहदरा की जिला मैजिस्ट्रेट रिशिता गुप्ता को निर्देश दिया गया है कि वह हादसे की जांच करके यह पता लगाएं कि आग किस वजह से लगी, इस घटना के लिए कौन जिम्मेदार है और भविष्य में इस तरह के हादसों को रोकने के लिए क्या कदम उठाने की जरूरत है। डीएम को जल्द से जल्द जांच पूरी करके रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है। इस बीच डीएम ने भी पुलिस और दमकल विभाग से मिली जानकारियों के आधार पर रविवार को इस हादसे के पूरे घटनाक्रम की एक फैक्चुअल रिपोर्ट डिविजनल कमिश्नर को भेजी है। इसमें बताया गया है कि बिल्डिंग से निकाले गए 12 बच्चों में से 7 बच्चों की मौत हो गई। उनकी उम्र 15 से 25 दिन के बीच थी और उनमें 4 मेल और 3 फीमेल बच्चे थे।

> एलजी ने इस मामले में CS को दिए निर्देश

दोषियों को सख्त सजा दिलाने का दिया आश्वासन

आग से नवजात बच्चों की मौत पर LG-CM ने जताया दुख

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

विवेक विहार के बेबी केयर सेंटर में लगी आग में नवजात बच्चों की मौत पर दिल्ली सरकार ने भी संज्ञान लिया है। LG, CM और स्वास्थ्य मंत्री ने हादसे पर दुख और शोक प्रकट करते हुए पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने और दोषियों को सख्त सजा दिलाने का आश्वासन भी दिया है। LG वी.के. सक्सेना ने भी हादसे पर अपनी संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि उन्होंने मुख्य सचिव से बच्चों के अस्पताल में आग की दुखद घटना की जांच कराने के लिए कहा है। साथ ही पुलिस कमिश्नर को भी निर्देश दिया है कि वह भी इस मामले में सभी आवश्यक कदम उठाएं। LG ने सभी पीड़ित परिवारों को आश्वासन दिया कि उन्हें हर प्रकार की सहायता मुहैया कराई जाएगी और वह सुनिश्चित करेंगे कि इस मामले में दोषियों को सजा मिले। आम आदमी पार्टी के ईस्ट दिल्ली के उम्मीदवार कुलदीप कुमार और दिल्ली विधानसभा के स्पीकर रामनिवास गोयल भी घटनास्थल पर स्थिति का जायजा लेने पहुंचे।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी हादसे पर शोक प्रकट करते हुए लिखा कि बच्चों के असपाल में आग की ये घटना हृदय विदारक है। इस हादसे में जिन्होंने अपने मासूम बच्चों को खोया है, हम सब उनके साथ खड़े हैं। घटनास्थल पर सरकार और प्रशासन के अधिकारी घायलों को इलाज मुहैया कराने में लगे हुए हैं। घटना के कारणों की जांच की जा रही है और जो भी इस लापरवाही का जिम्मेदार होगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने भी घटनास्थल का दौरा करके स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई है। मैंने स्वास्थ्य सचिव से ताजा हालात की जानकारी मांगी है। इस मामले की पूरी जांच की जाएगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। हम सुनिश्चित करेंगे कि जिन्होंने भी लापरवाही की है या किसी गलत काम में लिप्त रहे हैं, उन्हें सख्त सजा मिले। इस दुख की घड़ी में सहानुभूति के सारे शब्द कम हैं।

बाद में सौरभ ने दिल्ली के मुख्य सचिव और स्वास्थ्य सचिव को एक नोट भी लिखा। सौरभ ने लिखा कि विवेक विहार स्थित बेबी केयर सेंटर में आग लगने की घटना 25 मई की रात 11:30 बजे के आस-पास की थी, लेकिन मुझे उसके बारे में अगले दिन सुबह मीडिया के माध्यम से पता चला। मैंने जानकारी लेने के लिए स्वास्थ्य सचिव को कई बार फोन करने की कोशिश की और उन्हें कई वट्सएप मैसेज भी किए, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया, जिसके बाद मैंने अकेले ही जाकर घटनास्थल का दौरा किया। चूंकि मैं स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव के साथ संपर्क नहीं कर पा रहा हूं, इसलिए मैं इस नोट की एक कॉपी मुख्य सचिव को भी भेज रहा हूं, ताकि इस मामले में त्वरित जांच शुरू की जा सके। मैं ऑन रिकॉर्ड कह रहा हूं कि रात 9 बजे तक मुझे स्वास्थ्य सचिव या स्वास्थ्य विभाग के उनके किसी अधीनस्थ अधिकारी की तरफ से कोई प्रतिक्रिया या अपडेट नहीं मिला है। स्वास्थ्य मंत्री ने चीफ सेक्रेटरी को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि घटना की शीघ्र जांच हो। फरिश्ते स्कीम के तहत बचाए गए बच्चों का बेस्ट प्राइवेट अस्पतालों में मुफ्त इलाज सुनिश्चित करें। मृतकों और घायलों के परिवारों को जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाए और जो लोग इस सेंटर को चला रहे थे, उनकी गिरफ्तारी में तेजी लाएं।

> स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने घटनास्थल का दौरा किया

> LG ने पुलिस कमिश्नर को जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए

'किसी बच्चे को लगी थी सिरिंज, कोई ऑक्सिजन सपोर्ट पर था'

■ एनबीटी न्यूज, विवेक विहार

बेबी केयर सेंटर में आग लगने के बाद मौके पर पहुंचे रवि कुमार ने बताया कि जब वह आए तो पूरी बिल्डिंग में आग की लपटें उठ रही थीं। इसी बीच अस्पताल के बाहर खड़ी एक एंबुलेंस में ब्लास्ट हुआ। एंबुलेंस के पास ही बिजली का पोल था। ब्लास्ट के बाद आग और तेजी से फैली। इस बीच लोगों से उन्हें पता चला कि बिल्डिंग में नवजात बच्चे हैं, लेकिन धुएं और आग के चलते वह अंदर नहीं जा पाए। जिसके बाद बिल्डिंग के पिछले हिस्से में बनी खिड़की पर लगे शीशे को तोड़कर दमकल के कर्मचारियों के साथ रवि, विनय नारंग, जितेंद्र सिंह शंटी और अन्य लोगों ने खिड़की से मासूमों को बाहर निकालना शुरू किया। पहले कमरे में पांच बच्चे मौजूद थे। जबकि दूसरे कमरे में छह और तीसरे कमरे में एक बच्चा मौजूद था। रवि ने बताया कि बच्चों को जिस मशीन में रखा गया था, जब वह उससे उन्हें निकाल रहे थे तो उन्हें डर लग रहा था क्योंकि किसी बच्चे के हाथ में सिरिंज लगी थी तो किसी को ऑक्सिजन सपोर्ट पर रखा गया था। ऐसे में उन्हें बिना किसी मेडिकल स्टाफ के निकालना काफी खतरनाक हो सकता था।

> पीछे के रास्ते सीढ़ी लगाकर शीशे तोड़ बच्चों को निकाला गया, मदद करने वाले लोगों ने बताया अस्पताल के अंदर का हाल

रोज़ का 7 से 16 हजार रुपये था हॉस्पिटल का चार्ज हादसे की सूचना मिलने के बाद साहिबाबाद से अस्पताल पहुंचे राजकुमार ने बताया कि 18 दिन पहले उनके घर में बच्ची का जन्म हुआ था। जन्म के कुछ दिन बाद ही उसकी तबीयत खराब हो गई। जिसके चलते उनके डॉक्टर ने इस बेबी केयर सेंटर में भर्ती करने के लिए कहा था। बच्ची ठीक होकर घर लौटती, इससे पहले यह हादसा हो गया। वहीं एक अन्य पीड़ित योगेश ने बताया कि अस्पताल में मरीजों से 7 हजार रुपये से लेकर 16 हजार रुपये प्रतिदिन का चार्ज लिया जाता था। जिसमें आईसीयू के खर्च से लेकर बच्चों की देखरेख का खर्च शामिल होता है। दवाई भी इसी अस्पताल से लेनी पड़ती थी।

दिखाई हिम्मत: आसपास के लोगों ने एक-एक कर बच्चों को बाहर निकाला

शंटी ने 5 बच्चों की बचाई जान : दर्शहीद भगत सिंह सेवा दल के संस्थापक जितेंद्र सिंह शंटी ने अपनी जान पर खेलकर लोगों की मदद से पांच बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। बिल्डिंग के अंदर धुएं की चपेट में आने से उन्हें खुद भी अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। शंटी ने बताया कि रात 11 बजे के करीब उन्होंने तेज धमकाने से आवाज सुनी। उन्हें लगा कि वोटिंग खत्म होने के बाद लोग जश्न मना रहे हैं। कुछ देर बाद उन्होंने एक और धमाका सुना। इसके बाद लोगों के फोन आने शुरू हो गए। वह अपने बेटे जोतजीत के साथ अपनी दो एंबुलेंस लेकर घटनास्थल पर पुहंचे। लोग उन्हें पीछे की तरफ लेकर गए। सीढ़ी लगाकर पहली मंजिल पर बनी खिड़की के शीशे तोड़कर वह अंदर घुसे। उस समय अस्पताल में न कोई डॉक्टर था और न ही कोई नर्स। सभी बच्चों को जान बचाकर वहां से भाग खड़े हुए। आसपास के लोगों ने अपने घरों से 20 चादर लगाकर दी। ह्यूमन चेन की मदद से एक-एक करके 12 बच्चों को बाहर निकालकर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने सात बच्चों को मृत घोषित कर दिया। पांच की जान बच गई।

दिल्ली के सभी नर्सिंग होम्स का तुरंत सर्वे ज़रूरी: DMC

■ **विस, नई दिल्ली :** विवेक विहार में बेबी केयर सेंटर में लगी आग में 7 नवजात बच्चों की मौत के मामले से नर्सिंग सेंटर्स की सेफ्टी पर सवाल उठ रहे हैं। दिल्ली में पहले भी नर्सिंग होम में आग लगने के मामले सामने आ चुके हैं। मेडिकल कम्युनिटी ने इस घटना को बहुत गंभीर मामला बताया है और चेक सिस्टम को सख्ती से लागू करने की बात की है।

दिल्ली मेडिकल काउंसिल के प्रेजिडेंट डॉ.अरुण गुप्ता कहते हैं, नर्सिंग होम खोलने, उनके काम करने के क्या नियम हैं, इसके लिए दिल्ली नर्सिंग होम रजिस्ट्रेशन एक्ट में गाइडलाइंस दी गई हैं। इसमें कई पैरामीटर है, जिन्हें फॉलो करने पर ही नर्सिंग सेंटर खोला जा सकता है। दिल्ली नर्सिंग होम रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत रजिस्टर होना भी जरूरी है।

विवेक विहार में लगी आग की घटना पर उन्होंने कहा, इस मामले में देखा जाना चाहिए कि क्या यह सेंटर रजिस्टर्ड था। कानूनी रूप से चल रहा था या नहीं? अगर नहीं तो ओनर के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दूसरा, अगर इसका रजिस्ट्रेशन था मगर फायर सेफ्टी जैसी सुविधाएं नहीं, तो ओनर ही नहीं, जिसने लाइसेंस दिया, उस पर ही एक्शन होना चाहिए। हेल्थ डिपार्टमेंट इसके लिए लाइसेंस देती है।

शाहदरा DM मॉर्च्युरी पर पहुंची थीं

सेफ्टी चेक करना ज़रूरी

बच्चों के एक सरकारी अस्पताल में बाल चिकित्सक बताती हैं, बच्चों को प्राइवेट अस्पताल के नियो नेटल सेंटर में रखने का खर्चा बहुत ज्यादा होता है। ऐसे में कई बार पैरंट्स कुछ दिन प्राइवेट अस्पताल में रखकर या तो सरकारी अस्पताल में शिफ्ट कर देते हैं या किसी छोटे प्राइवेट सेंटर में, जहां खर्चा कुछ कम होता है। ये सेंटर्स किस तरह से चल रहे हैं, कितने सेफ हैं, यह चेक होते रहना चाहिए। वह बताती हैं, नियो नेटल केयर सेंटर में वो बच्चे रखे जाते हैं, जो प्री मैच्योर हैं, वजन बहुत कम है या जिन्हें जॉन्डिस है, जिन्हें लाइट की जरूरत होती है। ऐसे सेंटर में आईसीयू, वेंटिलेटर, सक्शन डिवाइस, बेड वगैरह की सुविधा होती है।

लपटों में घिरी चार मंज़िला इमारत, 3 की मौत, 10 ज़ख्मी

कृष्णा नगर इलाके में शनिवार रात हुआ हादसा

मृतकों में मां और 18 वर्षीय बेटा भी शामिल

पसरा मातम

हादसे में पीड़ित परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल रहा, इलाके में माहौल रहा गमगीन

■ विशेष संवाददाता, कृष्णा नगर

कृष्णा नगर इलाके में आधी रात चार मंजिला बिल्डिंग की पार्किंग से भड़की आग में एक बुजुर्ग महिला समेत तीन की दर्दनाक मौत हो गई। आग और उसके धुएं की चपेट में 10 लोग आ गए। पुलिस और दमकल विभाग ने शुरुआती तफ्तीश के आधार पर अंदेशा जताया है कि आग पार्किंग में शॉर्ट सर्किट से लगी थी। कृष्णा नगर थाने की पुलिस ने इस बाबत 285/304A के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, शनिवार आधी रात 2:35 बजे पुलिस को सूचना मिली कि मकान नंबर 219, गली नंबर 1, सी वेस्ट आजाद नगर में भीषण आग लगी है। दमकल कर्मियों ने बड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाने के बाद 13 घायल लोगों को एंबुलेंस और PCR वैन की मदद से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टर ने एक बुजुर्ग महिला समेत तीन को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान पहली मंजिल पर रहने वाली 66 वर्षीय प्रोमिला साध और चौथी मंजिल पर रही रही 39 वर्षीय अंजू शर्मा और इनका बेटा 18 वर्षीय केशव शर्मा के रूप में हुई।

तीनों शव को पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए नजदीकी अस्पताल भेज दिया। वहीं अन्य घायलों में पहली मंजिल निवासी 25 वर्षीय सोनम साध, दूसरी मंजिल निवासी 57 वर्षीय करन राज भल्ला, इनकी पत्नी 54 वर्षीय सीमा भल्ला, 33 वर्षीय बेटा राहुल भल्ला, 30 वर्षीय रोहित भल्ला, 25 वर्षीय मनीष भल्ला के तौर पर हुई। छानबीन में पता चला कि तीसरी मंजिल खाली है जबकि चौथी मंजिल पर रहने वाले 45 वर्षीय देवेन्द्र शर्मा भी घायल हुए हैं। वहीं इस बिल्डिंग के पीछे की तरफ चौथी मंजिल पर रहने वाले 41 वर्षीय गौरव शर्मा, उनकी पत्नी 38 वर्षीय रुचिका शर्मा और इनका बेटा 6 वर्षीय दिव्यांश भी घायल हैं। इन सभी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। बिल्डिंग के बैक साइड में पहली, दूसरी और तीसरी मंजिल पर रहने वाले लोग खुद ही बाहर निकल आए थे। पार्किंग में खड़े 14 टूवीलर जलकर राख हो गए।

शुरुआती तफ्तीश में शॉर्ट सर्किट से आग लगने का अंदेशा

पीड़ित परिवारों ने घटना को लेकर जताई नाराजगी

दिल्ली पुलिस में जाना चाहता था भांजा

■ **एनबीटी न्यूज, नई दिल्ली:** मकान नंबर-219 में चौथी मंजिल पर रहने वाले देवेंद्र शर्मा (45) का मैक्स अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस हादसे में उनकी पत्नी अंजू शर्मा (39) और बेटे केशव शर्मा (18) की मौत हो गई। देवेंद्र शर्मा कर्मशल फार्म में काम करते हैं। उनके साले सचिन शर्मा ने बताया कि अभी उनके भांजे ने 10वीं पास की थी। वह पढ़ने में बहुत होशियार था। वह दिल्ली पुलिस में जाना चाहता था। उनकी बहन अंजू अच्छे से चल नहीं पाती थीं। उनका आरोप है कि 100 गज में 10 फ्लैट्स बने हैं। आग लगने के बाद वहां से निकलने की भी जगह नहीं थी। ग्रेटर नोएडा में रहने वाले प्रोमिला साध के रिश्तेदार अनीश साध ने बताया कि प्रोमिला बेटी (24) सोनम के साथ पहली मंजिल पर रहती थीं। उनकी बेटी तो किसी तरह आग से बाहर निकलने में सफल रहीं, लेकिन प्रोमिला बाहर नहीं आ सकीं और उनकी मौत हो गई।

'दीवार तोड़ दूसरी छत पर बच्चों को निकाला'

पांचवें फ्लोर पर रहने वाली राखी(बाएं) के परिवार की बाल-बाल बची जान, हाथ में चोट लगी

■ **इसी बिल्डिंग** के पांचवें फ्लोर पर रहने वाली राखी का कहना है वह काफी समय से बिल्डर से अपने रुपये मांग रही हैं, लेकिन बिल्डर रुपये नहीं दे रहा है। वह इस मकान में पिछले पांच साल से सिक्योरिटी मनी देकर रह रही हैं। उनके दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। शनिवार रात को उनका परिवार सो रहा था। तभी अचानक उन्हें धुआं महसूस हुआ। वह दरवाजा खोलकर जैसे ही बाहर निकलीं, तो देखा लोग चीख रहे हैं। बचाव-बचाव की आवाज लगा रहे हैं। पार्किंग में लगी आग की तपिश और धुआं ऊपर तक तेजी से फैलने लगा। उनके दोनों बच्चे रोने लगे। बच्चों को बचाने के लिए उन्होंने पड़ोस की दीवार के कुछ हिस्से को तोड़कर बच्चों को दूसरी छत पर उतारा। इस बीच उनके हाथ में चोट भी लग गई। इस आग में उनका घर जल गया। बहुत मुश्किल से पाई-पाई करके सामान जोड़ा था। उन्होंने अपने रुपये और मुआवजे की मांग की है।

महानगर में आज

समागम आर्ट फेस्ट

इंडिया हैबिटेट सेंटर में समागम आर्ट फेस्टिवल, विजुअल आर्ट गैलरी, लोदी रोड, सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक। कैनवर्स आर्ट्स की ओर से ग्रुप पेंटिंग एग्जिबिशन में श्याम शर्मा, करुणा जैन, शोविन भट्टाचार्य, मेघांश , मनोज अग्रवाल, मीनाक्षी अग्रवाल के आर्टवर्क देखे जा सकते हैं।

परछाई

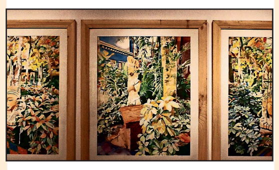

त्रिवेणी कला संगम में आर्ट एग्जिबिशन 'रिफ्लेक्शंस/रिफ्रेक्शंस', तानसेन रोड, सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक। विजुअल आर्टिस्ट डॉलो ढिल्लों की इस एग्जिबिशन में कई खूबसूरतें वॉटरकलर, प्रिंट्स, इंस्टॉलेशंस देखे जा सकते हैं।

जेजू हेन्यो

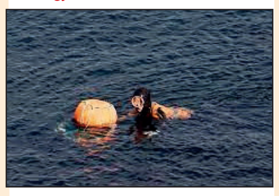

कोरियन कल्चर सेंटर इंडिया में आर्ट एग्जिबिशन 'जेजू हेन्यो स्पेशल एग्जिबिशन', रिंग रोड, लाजपत नगर, सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक। कोरिया की इस परंपरा के साथ इस देश के खूबसूरत कल्चर को जानने का मौका दर्शकों को मिलेगा, जिसकी पहचान को यूनेस्को ने भी सम्मानित किया है। कोरिया की महिला डाइवर्स की जिंदगी के इस आयाम को यहां जानने का मौका मिलेगा।

सिटी में हो रहे इवेंट्स की जानकारी हमें भेजें nbtreader@timesgroup.com पर

संडे रहा सीज़न का सबसे गर्म दिन

लू का दूसरा स्पेल हुआ शुरू, 29 मई तक गर्मी और लू का रेड अलर्ट जारी

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

IANS

रविवार को अधिकतम तापमान 45.4 और तापमान 27 डिग्री रहा। अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री अधिक है

कुछ दिनों की राहत के बाद राजधानी एक बार फिर भट्टी सी तपने लगी है। आईएमडी के अनुसार मई में लू का यह दूसरा स्पैल शुरू हो गया है। 29 मई तक गर्मी और लू का रेड अलर्ट जारी किया गया है। मंगेशपुर और नजफगढ़ में तापमान 48 डिग्री से अधिक रहा। इससे पूर्व 2022 में राजधानी की कुछ जगहों का तापमान 49 डिग्री के स्तर पर पहुंच गया था।

मौसम विभाग के अनुसार रविवार को अधिकतम तापमान 45.4 डिग्री रहा। यह सामान्य से पांच डिग्री अधिक है। सफदरजंग दिल्ली का बेस स्टेशन है। यहां सीजन में पहली बार लू चली। वहीं, न्यूनतम तापमान 27 डिग्री रहा। यह सामान्य है। मंगेशपुर सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान सामान्य से 8 डिग्री अधिक 48.9 डिग्री रहा। नजफगढ़ का अधिकतम तापमान सामान्य से 7 डिग्री अधिक 48.1 डिग्री और नरेला का अधिकतम तापमान सामान्य से सात डिग्री अधिक 47.8 डिग्री रहा।

मंगेशपुर और नजफगढ़ में तापमान 48 डिग्री से अधिक

अब 29 मई, बुधवार तक राजधानी दिल्ली में लू और गर्मी का रेड अलर्ट जारी किया गया है। पूर्वानुमान के अनुसार सोमवार को आसमान साफ रहेगा लेकिन गर्मी और बढ़ेगी। कुछ जगहों पर गंभीर लू की स्थिति रह सकती है। गर्म और शुष्क हवाएं 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी। अधिकतम तापमान 46 और न्यूनतम तापमान 28 से 29 डिग्री तक जा सकता है। इसके बाद 28 से 29 मई तक तेज गर्म और शुष्क हवाएं चलेंगी। इनकी स्पीड 25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहेगी। अधिकतम तापमान 45 और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री रह सकता है। 30 मई को गर्मी के थोड़ा कम होने की संभावना है। इस दिन ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

अधिकतम तापमान 44 और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री रह सकता है। 31 मई को आंशिक रूप से बादल छाएं रहेंगे। हल्की बारिश की संभावना है। 20 से 30 किलोमीटर की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी। अधिकतम तापमान 43 और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री तक रह सकता है। इसके बाद जून की शुरुआत भी गर्म रहेगी। उमस भरी गर्मी से सामना करना पड़ सकता है। एक जून को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, अधिकतम तापमान 43 और न्यूनतम तापमान 31 डिग्री रह सकता है।

पंजाबी बाग फ्लाईओवर का काम जुलाई तक पूरा होना है मुश्किल

Sudama.Yadav@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली :** मोती नगर जंक्शन पर बने तीन लेन चौड़े फ्लाईओवर का उद्घाटन मार्च में किया गया। इसी प्रोजेक्ट का हिस्सा पंजाबी बाग फ्लाईओवर का काम भी जुलाई तक कंप्लीट करना था, लेकिन मौके पर जो हालात हैं, उसे देखकर ऐसा नहीं लगता। फ्लाईओवर प्रोजेक्ट्स में अभी कुछ जगहों पर स्लैब रखने के लिए गार्डर भी नहीं बनाए गए हैं। बीच-बीच में कुछ जगहों पर स्लैब लगाना भी बाकी है।

इस साल जुलाई तक काम करना है पूरा

पंजाबी बाग फ्लाईओवर निर्माण का मकसद धौलाकुआं से आजादपुर की ओर आनेजाने वाले ट्रैफिक को स्मूद करना है। फ्लाईओवर का निर्माण दो हिस्सों में करना था। पहला हिस्सा तो मोती नगर जंक्शन पर बनाया गया है, जो तीन लेन का है। इस हिस्से का उद्घाटन इसी साल मार्च में किया गया। दूसरा हिस्सा भारत दर्शन पार्क से बसई दारापुर गांव तक बनाया जा रहा है। पंजाबी बाग फ्लाईओवर का यह हिस्सा करीब 1.12 किमी है। फ्लाईओवर निर्माण के लिए 21 पिलर बनाए गए हैं। इसमें से तीन-चार पिलर ऐसे हैं, जिनके ऊपर से ही बीएसईएस व टाटा पावर (डीडीएल) की ओवरहेड हाईटेंशन लाइनें (66 व 33 केवी) गुजर रही हैं, जिससे पिलर कैप लगाना मुश्किल हो रहा है। जबतक इन लाइनों को पूरी तरह से पिलर के ऊपर से शिफ्ट नहीं किया जाता, तबतक उन पर पिलर कैप ही नहीं डाला जा सकता। पिलर कैप न डलने से स्लैब भी लगाना मुश्किल होगा।

पंजाबी बाग श्मशान घाट के ठीक सामने फ्लाईओवर के बीच में स्लैब नहीं डाला गया है। इससे आगे का हिस्सा कंप्लीट है। ड्रेन से आगे का हिस्सा भी पूरा नहीं है। मेजर काम ड्रेन से आगे के हिस्से में ही बचा है। इस हिस्से में कई जगहों पर पिलर पर गार्डर भी नहीं लगाए गए हैं। गार्डर पर ही स्लैब रखा जाता है। बसई दारापुरर गांव तक अभी गार्डर बनाना है और उस पर स्लैब रखना है।

इस फ्लाईओवर से धौलाकुआं से आजादपुर तक ट्रैफिक लगभग सिग्नल फ्री होगा

करीब 17-18 किमी लंबा स्ट्रेच सिग्नल फ्री

पीडब्ल्यूडी अफसरों के अनुसार, पंजाबी बाग फ्लाईओवर बनने के बाद धौलाकुआं से आजादपुर तक रिंग रोड का करीब 17-18 किमी लंबा स्ट्रेच सिग्नल फ्री हो जाएगा। धौलाकुआं से आगे नारायणा फ्लाईओवर, फिर मायापुरी, इसके बाद राजा गार्डन, पंजाबी बाग, मोती नगर, चौधरी ब्रह्म सिंह और शालीमार बाग फ्लाई हैं। जिससे यह स्ट्रेच लगभग सिग्नल फ्री हो जाएगा।

भारती ने चुनाव आयोग पर लगाया भेदभाव का आरोप

■ **विस, नई दिल्ली:** आम आदमी पार्टी ने चुनाव आयोग पर शनिवार को दिल्ली की सातों लोकसभा सीटों पर हुए मतदान के दौरान भेदभावपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाया। नई दिल्ली से आप के प्रत्याशी सोमनाथ भारती ने रविवार को पार्टी दफ्तर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके इसको लेकर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने बताया कि वोटिंग के दौरान अपने लोकसभा क्षेत्र में जब वो दौरे पर निकले हुए थे, तब उन्होंने पाया कि नई दिल्ली के तमाम मतदान केंद्रों पर आचार संहिता के नियमों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा था। लेकिन, इसके बावजूद चुनाव आयोग के अधिकारी और दिल्ली पुलिस मौन थी।

भारती ने कहा कि शनिवार को मतदान के दौरान चुनाव आयोग के रवैये को देखकर ऐसा लगा कि अब वो मोदी आयोग बन गया है। मतदान के दौरान बीजेपी ने सरेआम नियमों की धज्जियां उड़ाई, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने दावा किया कि निरीक्षण के दौरान मालवीय नगर के बूथ नंबर 134, 135 और 137 पर बीजेपी के बूथ प्रभारी खुलेआम अपनी टेबल पर प्रधानमंत्री और प्रत्याशी की फोटो वाले पंफलेट लेकर बैठे थे। उन्होंने एक पुलिस अधिकारी से इसकी शिकायत भी की, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की। सोमनाथ ने दावा किया कि इसके उलट जब उनके एक साथी की गाड़ी में दो पंफलेट मिल गए तो पुलिसवालों ने उन्हें सीज कर लिया।

BJP का पलटवार, कहा अपनों ने नहीं दिया भारती का साथ

भारती के आरोप पर पलटवार करते हुए BJP के प्रदेश प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने आरोप को बेबुनियाद बताया। कपूर ने कहा कि उनका यह आरोप नई दिल्ली सीट से हार की हताशा का प्रमाण है। वह BJP प्रत्याशी बांसुरी स्वराज के सामने पहले ही हथियार डाल चुके हैं और अब इसका प्रमाण भी दे रहे हैं। इस सीट पर चुनाव प्रचार में वह पूरी तरह से अलग-थलग थे। उनके पार्टी के बड़े नेताओं ने भी उनका साथ नहीं दिया। कपूर ने कहा कि सोमनाथ भारती किसी भी रूप में BJP प्रत्याशी का मुकाबला नहीं कर पाए। चुनाव में उन्हें अपनी हार स्पष्ट दिखाई दे रही है। इससे हताश होकर वह आरोप लगा रहे हैं।

फ्लैट में मिला भेल की डिप्टी मैनेजर का शव, IRS अरेस्ट

■ **वस, नोएडा:** सेक्टर-100 स्थित लोटस बुलेवर्ड सोसायटी में इंडियन रेवेन्यू सर्विस (IRS) ऑफिसर के फ्लैट में भेल (बीएचईएल) की डिप्टी मैनेजर एचआर का शव शनिवार को फंदे से लटकता हुआ मिला। आईआरएस ऑफिसर भी उस वक्त फ्लैट में मौजूद था। जानकारी के मुताबिक, डिप्टी मैनेजर एचआर और आईआरएस तीन साल से रिलेशनशिप में थे। महिला के पिता ने पुलिस को शिकायत देकर बेटी की हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने सेक्टर-39 थाने में हत्या की धारा में केस दर्ज कर आईआरएस को गिरफ्तार कर लिया है। इस हाई प्रोफाइल केस में पुलिस के साथ फरेंसिक व अन्य टीमें जांच में लगी हुई हैं। शुरुआती जांच में आरोपी आईआरएस ने पुलिस को जानकारी दी है कि उनकी महिला मित्र ने दूसरे कमरे में खुद को बंद कर आत्महत्या की है। सोसायटी की सिक्यॉरिटी ने कमरे का दरवाजा तोड़ा तब उन्हें जानकारी हुई। पुलिस का कहना है कि सभी तथ्यों पर जांच की जा रही है।

2016 बैच के आईआरएस सौरभ मीणा लोटस बुलेवर्ड सोसायटी के टावर नंबर-8 के एक फ्लैट में रहते हैं। शनिवार शाम करीब 4 बजे उस फ्लैट में एक महिला के आत्महत्या करने की सूचना मिली। मौके पर टीम पहुंची तो फ्लैट के एक कमरे में शव कपड़े से बने फंदे से लटकता हुआ मिला। इनकी पहचान शिल्पा गौतम (37) के रूप में हुई। शिल्पा भेल में डिप्टी मैनेजर एचआर के पद पर थीं। पुलिस को शुरुआती जांच में यह जानकारी हुई कि शिल्पा ने आत्महत्या की है। इसका कारण यह सामने आया कि शिल्पा और सौरभ के बीच तीन साल से रिश्ता था। शिल्पा अब शादी करना चाह रही थी। इसी बात पर शनिवार को दोनों में झगड़ा हुआ था। शिल्पा के पिता ओपी गौतम ने पुलिस को दी गई शिकायत में बेटी की हत्या का आरोप लगाया है। ओपी गौतम ने पुलिस को बताया है कि उनकी बेटी और सौरभ एक-दूसरे को तीन साल से जानते थे। आरोप है कि सौरभ ने शादी का झांसा देकर शिल्पा को भरोसे में ले रखा था। वह शिल्पा से मारपीट और अभद्र व्यवहार करता था।

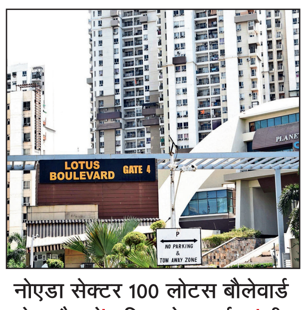

नोएडा सेक्टर 100 लोटस बौलेवार्ड के फ्लैट में महिला ने लगाई फांसी

नाबालिग लड़की को अगवा कर रेप, दंपती गिरफ्तार

AI Image

■ **एनबीटी न्यूज, कापसहेड़ा:** नाबालिग लड़की को अगवा कर दुष्कर्म करने वाले दंपती को सूरत, गुजरात से पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से नाबालिग लड़की को सकुशल बरामद कर लिया है। आरोपी दंपती लड़की के पड़ोस में रहते थे और उसे अपनी बातों से प्रभावित कर सूरत ले गए थे। पुलिस आरोपी दंपती से पूछताछ कर जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, नाबालिग अपने परिवार के साथ कापसहेड़ा इलाके में रहती है। 10 मई को परिवार ने थाने में लड़की के गायब होने की शिकायत दी। पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस को पता चला कि लड़की का इलाके में रहने वाले एक दंपती से दोस्ती थी। पता चला कि दंपती भी उसी दिन से गायब है। दंपती की पहचान राशिद और रिम्पा के रूप में हुई। पुलिस ने राशिद के मोबाइल नंबर का पता लगाया और फिर उसे सर्विलांस पर लेकर दबोच लिया।

बिना हेलमेट के फर्राटा भरने वालों की कसी जा रही नकेल

AI Image

■ **विस, नई दिल्ली:** दिल्ली की सड़कों पर जानलेवा हादसों में कमी लाने और रोड सेफ्टी को बढ़ावा देने के लिए ट्रैफिक पुलिस अब बिना हेलमेट पहने ड्राइव करने वालों के खिलाफ सख्ती से पेश आ रही है। बिना हेलमेट पहने गाड़ी चला रहे लोगों के अलावा अगर पीछे बैठे व्यक्ति ने भी हेलमेट नहीं पहना है, तो ऐसे लोगों के खिलाफ भी ट्रैफिक पुलिस ऐक्शन ले रही है। इसके चलते विदाउट हेलमेट ड्राइविंग या राइडिंग करने वालों के चालानों में इस साल काफी इजाफा हुआ है।

ट्रैफिक पुलिस से मिले आंकड़ों के अनुसार, इस साल 1 जनवरी से 15 मई तक बिना हेलमेट पहने टू वीलर सवार 1,04,028 लोगों के चालान काटे जा चुके हैं। वहीं, पिछले साल इसी समय सीमा के दौरान केवल 72,313 लोगों के चालान काटे गए थे। ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि इस साल जनवरी से ही बिना हेलमेट पहने ड्राइविंग या राइडिंग कर रहे लोगों के खिलाफ सख्ती शुरू कर दी गई थी, जिसका अब अच्छा नतीजा देखने को मिल रहा है और हेलमेट संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई में करीब 44 प्रतिशत की प्रभावी बढ़त देखने को मिली है।

हेलमेट पहनने के नियम का उल्लंघन करने के सबसे ज्यादा मामले रोहिणी सर्कल से सामने आए हैं, जहां 5,288 लोगों के चालान काटे गए। मॉडल टाउन सर्कल दूसरे नंबर पर रहा, जहां 4346 चालान काटे गए। अमन विहार और अशोक विहार सर्कल में भी 4 हजार से अधिक चालान कटे, जबकि नंद नगरी, भजनपुरा, बदरपुर, नरेला, खजूरी खास और समयपुर बादली सर्कल में भी 3 से 4 हजार तक चालान काटे गए हैं। हालांकि, ये आंकड़े इस बात को भी दर्शा रहे हैं कि दिल्ली में लोग हेलमेट पहनने के नियम का पालन करने के प्रति गंभीर नहीं है। यही वजह है कि अब ऐसे लोगों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस को कड़ी कार्रवाई करनी पड़ रही है, ताकि वो ट्रैफिक नियमों को गंभीरता से लें।

कार्यकाल के 2 साल चुनौतीपूर्ण बीते: LG

■ **विस, नई दिल्ली:** दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को पदभार ग्रहण किए रविवार को दो साल पूरे हो गए। इस अवसर पर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में अपने पिछले दो सालों के कार्यकाल को काफी चुनौतीपूर्ण बताया।

सक्सेना ने लिखा, 'जबसे मैंने LG का पद संभाला है, तबसे पिछले दो साल चुनौतीपूर्ण रहे हैं। विभिन्न कारणों से पीछे की ओर जा रहे शहर में करने के लिए बहुत कुछ ऐसे काम थे जो रुके हुए थे जबकि हम स्पष्ट रूप से बहुत कुछ हासिल कर सकते थे।'

TIMES TRIBUTE
PAYING HOMAGE TO THE DEPARTED SOUL
To book your ad
Logon to: ads.timesgroup.com or Call: 18001205474 (Toll Free)
Scan QR Code

शोक सन्देश

जन्मदिवस स्मृति

JAI GURUDEV
Happy Birth Anniversary

Sh. SUBHASH JAISWAL
Always Loved
Never Forgotten
Forever Missed.
Promila Jaiswal (Wife)
Kanav, Rohaan, Ridaan, Deera
SCJ Industries
Jaiswal Worldwide Industries
RJ Enterprises
M: 9810574424
SCJ PLUS

स्मृति सन्देश

In Loving Memory of

HEM RAJ MAHAJAN
(1926 - 1988)
You may have passed from this world but you can never pass from our hearts...
Love you forever
Thanks for being such a legend 'Dadu'
Devi, Aditya and Gauri
ASHWANI KUMAR & CO. PVT. LTD. Rajouri Garden New Delhi

IN LOVING MEMORY OF OUR DEAR PAPA
You were our shining & guiding light.

SH. BHUSHAN DEV SETH
It has been 3 years now Papa. Not a single day goes by when we do not miss you. Your teachings and way of life is only guiding light which keeps us going. Words cannot describe how much we miss and Love you. Keep blessing us always Papa.
BINDU SETH
POOJA SETH
SARIKA SETH
DIVYANSHI SETH
MANISH SETH

To place an Obituary announcement or Remembrance ad
Call - Vinod : 99589 92088
Scan QR Code

TIMES TRIBUTES
RATE CARD

Publications	Rates per sq. cms
TOID Capital + NBT (Delhi+NCR)	1295
TOID Full Run ## + NBT (Delhi+NCR)	1360
THE TIMES OF INDIA (Delhi+NCR)	780
THE TIMES OF INDIA (Delhi) Full Run##	900
NAVBHARAT TIMES (Delhi+NCR)	595
THE ECONOMIC TIMES (Delhi+NCR)	715
SANDHYA TIMES (Delhi)	100

Rates effective 5th June 2019

▸ *Placement on specified obit pages only. ▸ This rate benefit is extended up till the size of 320 sq. cm only. ▸ ## Full run includes Delhi City + NCR (Including Gurgaon + Noida) + Chandigarh + Western U.P. + Uttarakhand ▸ TOI Capital (Delhi & NCR) Includes TOI Gurgaon & TOI Noida.

To place an Obituary announcement or Remembrance message please call
Vinod: 9958992088
Pankaj : 8130604727

"HONOUR. COURAGE. BRAVERY. Three words that you taught us. Three words that help us cope with your loss".

The silent joy of remembering a loved one.
The moments you shared together.
Little moments that make life beautiful.
Share them. With Friends. Relatives. Neighbours. Colleagues. With all those whose lives the departed Soul has touched. Because while life goes on, when you share memories, they stay on forever.

Publications	Total Outlay
The Times of India Delhi/NCR	5,600
TOI+NBT (Delhi/NCR)	8,800
TOI+ET (Delhi/NCR)	6,600

Maximum 10 lines

REMEMBRANCE
SHARING MEMORIES
For any information call
Vinod : 9958992088
Pankaj : 8130604727

MBA स्टूडेंट की हत्या करके फरार था आरोपी दोस्त, अरेस्ट

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

AI Image

मालवीय नगर इलाके में पिछले महीने फ्लैट में एमबीए छात्र की हत्या का कारण नशे में हुआ झगड़ा था। क्राइम ब्रांच ने यह दावा मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उससे हुई पूछताछ में खुलासे के हवाले से किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान वीरेंद्र उर्फ मोटा के रूप में हुई है।

डीसीपी राकेश पावरिया के मुताबिक, 13 अप्रैल को सुबह खिड़की एक्सटेंशन के एक फ्लैट में एक युवक का शव मिला था। उसकी गला घोंटकर हत्या की गई थी। उसके रूममेट ने दावा किया कि वह गुरुग्राम में अपनी नाइट शिफ्ट की जॉब से लौटा था, उसने कमरे में उसे मृत देखा तो पीसीआर कॉल की। मृतक की पहचान गन्नौर, सोनीपत, हरियाणा निवासी के रूप में हुई। पुलिस ने मृतक का पोस्टमॉर्टम कराया। मालवीय नगर थाने में हत्या का केस दर्ज कर तफ्तीश के लिए लोकल पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच को भी लगाया गया। चूंकि मामले में एक आरोपी मोहित को लोकल पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी थी। मुख्य आरोपी वीरेंद्र उर्फ मोटा फरार था। उसके संभावित ठिकानों पर देहरादून, हरिद्वार, दिल्ली और गुरुग्राम में रेड की गई।

फरारी के दौरान गुरुद्वारों, मंदिरों में खाता था भंडारा

21 मई को एएसआई अशोक दहिया को फरार आरोपी वीरेंद्र उर्फ मोटा के बारे में इनपुट मिला कि वह अपने सहयोगी से मिलने के लिए शाम को गुरुग्राम के राजेंद्र नगर इलाके में आएगा। एसीपी नरेश सोलंकी की निगरानी में इंस्पेक्टर सुशील, एएसआई सोनू, नरेंद्र, कुलदीप, हवलदार प्रमोद, सूर्य देव, योगेश और रेनू ने ट्रैप लगाकर आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में पता चला कि आरोपी वीरेंद्र भी सोनीपत के गन्नौर का है। चचेरे भाई मोहित के साथ 'रैपिडो' के लिए काम कर रहा था। यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी के मृतक की मां से रिलेशन थे। इसलिए मृतक शुरू में आरोपी को मारना चाहता था। लेकिन समय के साथ वे दोस्त बन गए। चूंकि पीड़ित समलैंगिक था, आरोपी के साथ भी संबंध थे।

घटना के दिन 11 अप्रैल को मृतक ने आरोपी को अपने फ्लैट पर बीयर पार्टी के लिए बुलाया। आरोपी वीरेंद्र, मोहित के साथ फ्लैट पर पहुंचा। इस बीच नशे की हालत में मृतक ने आरोपी की खिल्ली उड़ा दी थी। जिससे वह आग बबूला हो गया और मृतक की गला दबाकर हत्या कर दी। क्राइम ब्रांच के मुताबिक, पीड़ित एमबीए का छात्र था और नौकरी की तलाश में दोस्त के साथ मालवीय नगर में रहता था। आरोपी ने क्राइम सीन को स्यूसाइड की शक्ल देने की भी कोशिश की। इसने मृतक का मोबाइल फोन रोहिणी में फेंक दिया। हालांकि, वह और उसका सहयोगी सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गए थे। वारदात के बाद आरोपी देहरादून, हरिद्वार और गुरुग्राम समेत एनसीआर इलाके में छिपा रहा। वह गिरफ्तारी से बचने के लिए मोबाइल यूज नहीं कर रहा था। फरारी के दौरान बिना टिकट ट्रेन में सफर करता और गुरुद्वारों, मंदिरों में भंडारा खाता था।

पुरानी रंजिश में नाबालिग ने ले ली पड़ोसी की जान

■ **विशेष संवाददाता, अशोक विहार:** अशोक विहार इलाके में शनिवार रात रिक्शा चालक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। आरोप पड़ोस के नाबालिग पर है। आपसी रंजिश में हुई इस हत्या की सूचना मिलने पर लोकल पुलिस पहुंची। मृतक की पहचान 60 वर्षीय राजू सरोज के रूप में हुई है। आरोपी मौके से फरार मिला। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर देर रात ही आरोपी नाबालिग को पकड़ लिया।

AI Image

पुलिस के मुताबिक, राजू सरोज परिवार के साथ अशोक विहार के जेलर वाला बाग इलाके में रहते थे। जांच में पता चला कि उनका अपने घर के सामने रहने वाले पड़ोसी से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। पुलिस ने बताया कि शनिवार रात सूचना मिली कि जेलर वाला बाग में एक शख्स पर चाकू से हमला किया गया है। घटनास्थल पर पुलिस को पता चला कि घायल राजू सरोज को परिवार वाले पास के अस्पताल लेकर गए हैं। वहां पहुंचने पर पुलिस को पता चला कि डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। जांच में पता चला कि नाबालिग का पिता इलाके में मुर्गा बेचता है। राजू सरोज के साले का बेटा उनके साथ ही रहता था। साल 2022 में साले का बेटा आरोपी की बहन को भगाकर ले गया था। आरोपी परिवार ने इसकी शिकायत अशोक विहार थाने में की थी। उसके बाद से ही दोनों परिवार के बीच रंजिश चल रही थी। शनिवार रात इसी बात को लेकर विवाद होने पर नाबालिग ने घटना को अंजाम दिया। पुलिस नाबालिग के पिता से भी पूछताछ कर रही है।

चाकू घोंपकर मौत के घाट उतारा

CUET: 29 मई के एग्ज़ाम के लिए एडमिट कार्ड किए गए जारी

AI Image

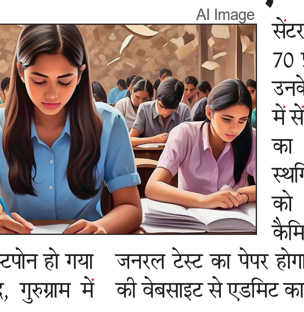

■ **विस, नई दिल्ली:** नैशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने दिल्ली के स्टूडेंट्स के लिए 29 मई को होने वाले कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (CUET-UG) के लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं। NTA ने करीब 1.58 लाख यूनीक कैंडिडेट्स के एडमिट कार्ड जारी किए हैं, ये वे स्टूडेंट्स हैं, जिनका 15 मई को होने वाला ऑफलाइन एग्जाम पोस्टपोन हो गया था। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम में सेंटर होंगे। NTA का कहना है कि 70 प्रतिशत से ज्यादा कैंडिडेट्स को उनके घर के पास दिल्ली-एनसीआर में सेंटर दिए जा रहे हैं। CUET-UG का 15 मई को दिल्ली में एग्जाम स्थगित कर दिया गया था। 29 मई को दिल्ली के स्टूडेंट्स के लिए कैमिस्ट्री, बायोलॉजी, इंग्लिश और जनरल टेस्ट का पेपर होगा और ऑफलाइन होगा। NTA की वेबसाइट से एडमिट कार्ड डाउनलोड किए जा सकते हैं।

नैतिक शिक्षण शिविर का दूसरे चरण शुरू

■ **नप्र, नई दिल्ली:** दिगंबर जैन नैतिक शिक्षा समिति के तत्वावधान में दूसरे चरण के बच्चों के साप्ताहिक नैतिक शिक्षण शिविर दि. जैन मंदिर ज्योति कॉलोनी, पश्चिम विहार, गंगा विहार, इंदिरापुरम, भोलानाथ नगर, त्रिनगर, बल्लभगढ़, पहाड़ी धीरज, बिहारी कालोनी, डबुआ कालोनी, सीपी ब्लॉक पीतमपुरा, राधेपुरी व राजगढ़ कॉलोनी में ध्वजारोहण व सामूहिक प्रार्थना के साथ शुरू हुए। महामंत्री मनोज जैन के अनुसार इन शिविरों में दो हजार से भी अधिक बच्चे नैतिक शिक्षा प्राप्त करेंगे। गौरीशंकर मंदिर, चांदनी चौक में पंडित तेज प्रकाश शर्मा ने कहा कि जो स्वार्थ रहित होकर दूसरों का उपकार करता है, वही सच्चा परोपकार होता है।

किसी ने ली लंबी नींद तो किसी ने बच्चों संग बिताया वक्त

लोकसभा चुनाव की व्यस्तता के बीच शनिवार को दिल्ली में वोटिंग हो गई। ऐसे में रविवार का दिन उम्मीदवारों ने परिवार के साथ बिताया। कोई देर से सोकर उठा तो किसी ने कई दिनों बाद घर पर दोपहर का खाना खाया और पोते-पोतियों संग वक्त बिताया। वहीं बीजेपी प्रत्याशी मनोज तिवारी अगले चरण की वोटिंग के प्रचार के लिए वाराणसी निकल गए। तो वहीं दूसरे प्रत्याशियों ने भी कुछ इसी तरह अपना दिन बिताया :

योगेंद्र चंदोलिया
काफी अहम रहा रविवार का दिन

नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली सीट से बीजेपी प्रत्याशी योगेंद्र चंदोलिया के लिए भी रविवार का दिन काफी अहम रहा। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रचार के बाद पहली बार परिवार के सभी सदस्यों के साथ नाश्ता किया। अब रिजल्ट का इंतजार है। उन्होंने कहा कि वह इस बात से बिल्कुल बेफिक्र हैं कि चुनाव परिणाम क्या होगा। उन्हें पता है कि वह एक बड़े बहुमत के साथ जीतने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज सुबह से मैं परिवार के साथ ही हूं। शाम को कार्यकर्ताओं और बूथ वर्कर्स के साथ बैठक करूंगा। रिजल्ट से पहले मैं सालासर बालाजी जाऊंगा और आशीर्वाद लूंगा।

रामवीर सिंह बिधूड़ी
नींद पूरी की, पोते-पोती से मिले

साउथ दिल्ली के बीजेपी प्रत्याशी रामवीर सिंह बिधूड़ी ने चुनाव के बाद अपनी नींद पूरी की। उन्होंने कहा कि चुनाव के कई दिन बाद रात को 11 बजे सोया। सुबह 6:30 बजे उठा, तो लगा नींद पूरी हुई। फिर पार्क में चहलकदमी की। दोपहर के खाने में टिंडे की सब्जी, तोरी की सब्जी, चावल, रोटी और खरबूजा खाया। बिधूड़ी ने कहा, दिनभर कार्यकर्ता आते रहे, उनसे मुलाकात हुई, बातचीत हुई, आरामदायक दिन रहा। रविवार को जसोला विहार में अपने परिवार के पास पहुंच गया, जहां पोते-पोती से मिला।

डॉ. उदित राज
परिवार के साथ बिताया पूरा दिन

नॉर्थ वेस्ट दिल्ली सीट से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. उदित राज रविवार के दिन अपने परिवार के साथ रहे। उन्होंने बताया कि देर से सोकर उठा। परिवार के साथ नाश्ता किया। घर पर मौजूद दो पालतू कुत्ते भी उनका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। सुबह की चाय के दौरान भी वह उनके साथ ही रहे। उदित राज ने बताया कि वह चुनाव परिणाम से बेफिक्र हैं, क्योंकि उन्हें विश्वास है कि उनकी जीत 3 से 5 लाख वोटों से होने वाली है। उन्होंने कहा कि 2014 में इतना अधिक लोड मेरे ऊपर नहीं था, जितना इस चुनाव में रहा।

महाबल मिश्रा
कई दिनों बाद घर पर किया लंच

वेस्ट दिल्ली सीट से आप प्रत्याशी महाबल मिश्रा वोटिंग के बाद रिलेक्स नजर आए। उन्होंने रविवार को सुबह का समय पोते पोतियों के साथ बिताया। उन्होंने बताया कि कई दिनों बाद उनकी सुबह इतनी रिलैक्सिंग रही है। पूरे दिन लोग उन्हें बधाइयां देने आते रहे। पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ उन्होंने वोटिंग की समीक्षा भी की। उन्होंने कई दिनों बाद दोपहर को पत्नी व बेटी के साथ लंच किया। लंच में उन्होंने अपना पसंदीदा दाल-चावल खाया। उन्होंने बताया कि वह कहीं बाहर नहीं जा रहे हैं।

कमलजीत सहरावत
कई दिनों बाद घर पर समय बिताया

पश्चिमी दिल्ली की बीजेपी प्रत्याशी कमलजीत सहरावत ने वोटिंग के बाद काफी दिनों बाद इतना समय घर पर बिताया। कैंपेनिंग के दौरान पैर में चोट लगी थी, जिसका इलाज करवाया। परिवार के साथ सुबह नाश्ता किया। इस दौरान घर पर कई लोग आए, उन्होंने बधाइयां भी दीं। दोपहर की नींद के बाद वह शाम को परिवार के साथ बैठकर बातचीत की। इस दौरान पार्टी के कुछ कार्यकर्ता और रिश्तेदार भी उनके घर पहुंचे। उन्होंने कहा कि वह अभी कहीं घूमने का प्लान नहीं कर रही हैं। पैर में चोट है इसलिए वह कुछ दिन आराम करेंगी।

बांसुरी स्वराज
संडे को मिला आराम, पापा से की बात

नई दिल्ली से बीजेपी प्रत्याशी बांसुरी स्वराज ने बताया कि वह करीब दो महीने से चुनावी प्रचार में व्यस्त थीं। शनिवार को मतदान खत्म होने के बाद रविवार को घर पर आराम मिला। अपने पिता जी से लंबी बातचीत की। सुबह का नाश्ता और दोपहर का लंच भी उनके साथ ही किया। इसके बाद अपने पेट लड्डू के साथ पूरे दिन खेला। चुनाव प्रचार के दौरान लड्डू को काफी मिस किया। समय ही नहीं मिल पा रहा था कि उसके साथ कुछ पल बिताया जा सके।

मनोज तिवारी
यूपी में चुनाव प्रचार के लिए निकले

नॉर्थ-ईस्ट संसदीय सीट से बीजेपी प्रत्याशी मनोज तिवारी ने बताया कि मैं समझता हूं मेरे क्षेत्र की जनता ने दिल खोलकर आशीर्वाद दिया है। आखिरी चरण में यूपी की कई सीटों पर चुनाव होना बाकी है। पार्टी ने मुझे बनारस जाकर चुनाव प्रचार करने के लिए कहा। इसलिए मैं चुनाव प्रचार के लिए निकल पड़ा। पत्नी-बेटी को साथ लेकर एयरपोर्ट तक आईं तो बेटी गले से लिपट गई। सुबह थोड़ा समय बेटी के साथ बिताया। वहीं प्रचार में व्यस्तता के कारण पत्नी सुरभि तिवारी के साथ भी ज्यादा समय नहीं बिता पाया।

सोमनाथ भारती
बेटे संग बिताया वक्त, आउटिंग भी की

नई दिल्ली सीट से आप के उम्मीदवार सोमनाथ भारती ने बताया कि संडे को उन्होंने सुबह उठकर सबसे दो घंटा मेडिटेशन किया। उसके बाद सीरी फोर्ट जाकर वॉक किया और अपने कुछ करीब दोस्तों के साथ समय बिताया। उन्होंने आगे बताया कि उसके बाद घर आकर नहाया और फिर काउंटिंग के लिए किस प्रकार की व्यवस्था करनी है, उसके लिए टीमें बनाने का काम शुरू किया। पार्टी ऑफिस जाकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। सोमवार को मेरे बेटे का जन्मदिन है और मैंने बहुत दिनों से उसके साथ समय नहीं बताया है, तो शाम को पत्नी के साथ मिलकर जन्मदिन की तैयारी की और परिवार के साथ थोड़ी आउटिंग पर गया।

हर्ष मल्होत्रा
परिवार के साथ बैठकर किया नाश्ता

'बहुत दिनों बाद सुबह थोड़ा देर से सो कर उठा। कृष्णा नगर में एक जगह अमृतसरी छोले कुलचे मिलते हैं, घरवालों ने वहां से नाश्ते के लिए छोले कुलचे मंगाए थे। पूरे परिवार ने साथ बैठकर नाश्ता किया।' यह कहना है पूर्वी दिल्ली से बीजेपी के प्रत्याशी हर्ष मल्होत्रा का। उन्होंने बताया कि उनकी कोशिश थी कि दिन का ज्यादातर समय घर पर ही बिताऊं। हालांकि, ईस्ट दिल्ली में दो जगह आग लगने के हादसे हो गए हैं, तो वहां भी होकर आया। वोटिंग के अगले दिन कोई मीटिंग नहीं रखी।

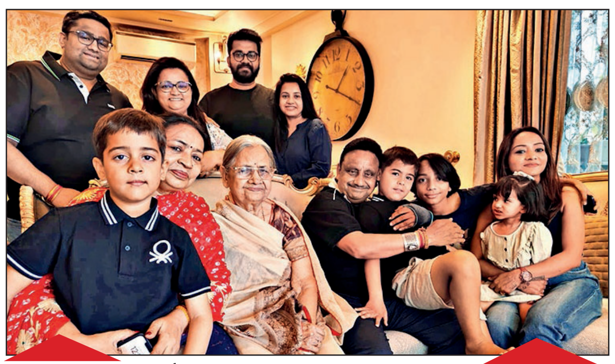

प्रवीण खंडेलवाल
परिवार के लिए सुबह बनाई चाय

चांदनी चौक से बीजेपी प्रत्याशी प्रवीण खंडेलवाल ने रविवार को अपने परिवार के साथ समय बिताया। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह उठने के बाद मैंने चाय बनाई और अपने परिवार वालों के साथ बैठकर चाय की चुस्की ली। इसके बाद बेटियां व उनके बच्चों के साथ नाश्ता किया। मेरी तीनों बेटियां घर पर आई हैं। उनके बच्चों के साथ दिनभर बिताया और उनके साथ खेला भी। इसके बाद कुछ लोगों से बात की और चुनाव के स्थिति के बारे में जाना।

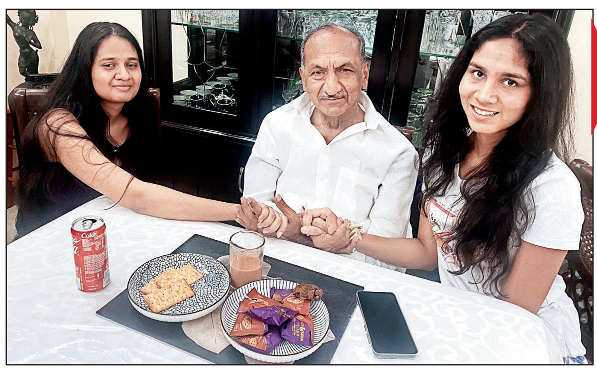

जेपी अग्रवाल
पोतियों के साथ बिताए फुर्सत के पल

कई दिनों तक चुनाव प्रचार में सुबह से शाम तक व्यस्त होने के बाद रविवार को चांदनी चौक से कांग्रेस प्रत्याशी जेपी अग्रवाल ने अपने परिवार के साथ समय बिताया। उनका कहना है कि चुनाव प्रचार में हर दिन सुबह से देर रात तक इतनी फुर्सत ही नहीं थी कि परिवार के लोगों के साथ कुछ पल बिताया जा सके। रविवार को वह पहले की तरह जल्दी उठे और घर के लोगों के साथ चाय पी और नाश्ता किया। इसके बाद अपने पोतियों केशवी और रिया के साथ वक्त बिताया। इसके बाद कुछ पार्टी वर्करों के साथ मतदान को लेकर बातचीत की। उन्होंने कहा कि वह 40 दिनों बाद आज ही ठीक से सो पाए।

सही राम पहलवान
गोशाला में बिताया वक्त

साउथ दिल्ली से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी सही राम पहलवान ने चुनाव के बाद का अपना दिन अपने शौक को दिया। उन्होंने बताया कि गायों के साथ वक्त बिताना, उनकी सेवा मेरा शौक है। तीन महीने बाद आज उनके बीच गया, खुशी हुई। मेरे पास 6 गाय हैं। इसके अलावा चुनाव के बीच घर के बच्चों को समय नहीं दे पा रहा था, तो आज उन्हें वक्त दिया। बाकी घर पर आए कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव पर चर्चा की। दिन में सादा खाना खाया, आराम भी किया। चुनाव की थकान दूर होने में एक हफ्ता लगेगा, उसके बाद वर्जिश की बारी आएगी।

(प्रशांत सोनी, कात्यायनी उप्रेती, पूनम गौड़, सुदामा यादव, राजेश सरोहा)

साउथ दिल्ली में वोटिंग सबसे कम, नॉर्थ-ईस्ट सबसे आगे

इस बार सबसे पीछे महरौली विधानसभा रही

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के लिए साउथ दिल्ली में वोटिंग पर्सेंटेज सबसे कम रहा। सातों संसदीय क्षेत्र में साउथ दिल्ली सबसे पीछे 55.14% रहा। नई दिल्ली 55.24% भी साउथ दिल्ली से ऊपर रहा। 2019 के चुनाव में साउथ दिल्ली में 58.75%, जबकि नई दिल्ली में 56.91% वोटिंग के लिए घरों से निकले थे।

25 मई को दिल्ली में वोटिंग पर्सेंटेज 58.7% रही। सबसे आगे नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली 62.84% का है। संसदीय क्षेत्र में विधानसभाएं में 10 विधानसभाएं हैं - बिजवासन, पालम, महरौली, छतरपुर, देवली, आंबेडकर नगर, संगम विहार, कालकाजी, तुगलकाबाद और बदरपुर। साउथ दिल्ली के लोग हमेशा से ही वोट देने में कुछ पीछे ही रहते हैं। हालांकि इस बार वोटिंग पर्सेंटेज घटने के साथ साउथ दिल्ली का वोटिंग पर्सेंटेज भी घटा है, मगर इस बार वो नई दिल्ली से भी पीछे रही। मतदान में सबसे आगे पालम विधानसभा के लोग रहे, जहां वोटिंग पर्सेंटेज 60.01% रहा। पिछले बार यह दूसरे नंबर पर 62.16% के साथ था, जबकि पहले नंबर पर आंबेडकर नगर विधानसभा के लोग थे, जिन्होंने वोटिंग पर्सेंटेज को 63.42% पर पहुंचाया था। मगर इस बार आंबेडकर नगर के लोग कुछ पीछे रहे, यहां 58.60% ने वोट दिया।

नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली, में वोटिंग पर्सेंटेज 62.84%

25 मई को दिल्ली में वोटिंग पर्सेंटेज 58.7% रहा

साउथ दिल्ली में वोटिंग पर्सेंटेज कम रहने का इतिहास है। हालांकि, निर्वाचन आयोग ने कम वोटिंग पर्सेंटेज वाली संसदीय क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए थे मगर वोटिंग कम ही रही। वोटर्स इसकी वजह गर्मी तो बताते हैं ही हैं, साथ ही पिछले कुछ सालों से विधानसभाओं में पानी की किल्लत, अनऑथराइज्ड कॉलोनियों, जाम, पार्किंग को लेकर ना के बराबर हुए काम को भी मानते हैं। संगम विहार, तुगलकाबाद, देवली जैसी विधानसभाओं में लोग पानी की दिक्कत से जूझ रहे हैं, तो कालकाजी, महरौली जैसी विधानसभाओं में एनक्रोचमेंट, जाम, पार्किंग का मुद्दा अहम है। आंकड़े बताते हैं कि जेजे क्लस्टर, ग्रामीण इलाकों ने भी वोटिंग में ज्यादा रुचि नहीं दिखाई।

वोटिंग में सबसे पीछे महरौली विधानसभा रही, जहां सिर्फ 51% लोगों ने ईवीएम का बटन दबाया, पिछले दफा यह 56.07% था। इसके बाद तुगलकाबाद 52.38% के साथ रही। इस बार देवली विधानसभा में वोटिंग पर्सेंटेज 53.96% रहा, जबकि पिछले बार यह 60.27% था। संगम विहार भी पीछे रहा।

बाबरपुर, मुस्तफाबाद और सीलमपुर में पिछली बार से अधिक वोटिंग

Sudama.Yadav@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली:** दिल्ली में हुए मतदान का प्रतिशत पिछली बार से करीब 2 प्रतिशत कम रहा। इसके बाद भी कुछ लोकसभा के विधानसभा क्षेत्रों में वोटिंग 2019 की तुलना में अधिक हुआ है। ऐसे विधानसभाओं में नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली के बाबरपुर, मुस्तफाबाद और सीलमपुर विधानसभा हैं। इनमें सीलमपुर विधानसभा में तो करीब 70 प्रतिशत के आसपास वोटिंग हुई। जिन विधानसभाओं में अनधिकृत कॉलोनियां और मुस्लिम बहुल इलाके अधिक हैं, उनमें वोटिंग प्रतिशत हमेशा की तरह इस बार भी 60 प्रतिशत से अधिक है।

सीलमपुर में रेकॉर्ड 70 प्रतिशत के आसपास मतदान

दिल्ली की सातों सीटों के 70 विधानसभाओं में मतदान प्रतिशत 55 से 56 प्रतिशत के आसपास रहा। लेकिन, कुछ ऐसे विधानसभा हैं जहां वोटिंग प्रतिशत 65 या इससे अधिक है। चांदनी चौक सीट के 40 प्रतिशत विधानसभाओं में वोटिंग 60 प्रतिशत से अधिक हुआ। इनमें बल्लीमारन, मटिया महल, शकूर बस्ती और त्रीनगर विधानसभा हैं। मटिया महल

विधानसभा में वोटिंग तो 2019 लोकसभा चुनाव से भी अधिक हुआ। पिछली बार की तुलना में इस बार मटिया महल में 0.06 प्रतिशत अधिक मतदान हुआ है। नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के 10 विधानसभाओं में करीब पांच में वोटिंग 65 प्रतिशत से अधिक हुआ। बाबरपुर, मुस्तफाबाद और सीलमपुर में मतदान पिछली बार से भी अधिक हैं। बाबरपुर में पिछली बार 62 तो इस बार 66 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ है। मुस्तफाबाद में पिछली बार 65.2 प्रतिशत तो इस बार 66.8 प्रतिशत मतदतान हुआ है। सीलमपुर में रेकॉर्ड 70 प्रतिशत के आसपास इस बार मतदान हुआ जो पिछली बार की तुलना में करीब 1.76 प्रतिशत अधिक है।

58.28% वोटिंग हुई | सिख बाहुल्य और पूर्वांचली इलाकों में भी वोटरों में नहीं दिखा कुछ खास उत्साह

वेस्ट दिल्ली में हुई कम वोटिंग ने मुकाबले को बनाया रोचक

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

वेस्ट दिल्ली में बीजेपी प्रत्याशी कमलजीत सहरावत और आप प्रत्याशी महाबल मिश्रा के बीच शुरुआत से ही टक्कर दिख रही थी। अब कम वोटिंग के चलते मुकाबले के रोचक होने की संभावना बढ़ गई है। इस संसदीय क्षेत्र में 58.28 प्रतिशत वोटिंग हुई है। दिल्ली के लिहाज से देखें तो सबसे कम मतदान के मामले में यह संसदीय क्षेत्र तीसरे स्थान पर है। यहां पर सबसे कम वोटिंग द्वारका, हरि नगर, तिलक नगर और राजौरी गार्डन विधानसभा क्षेत्र में हुई। 2019 की तुलना में इस संसदीय क्षेत्र में 2.42 प्रतिशत के करीब कम वोटिंग हुई है।

द्वारका, हरि नगर, तिलक नगर और राजौरी गार्डन में सबसे कम वोटिंग

वहीं 2019 की तुलना में सबसे कम वोट जनकपुरी, द्वारका और तिलक नगर में पड़े हैं। दोनों जगहों पर 4 प्रतिशत से अधिक का वोटिंग अंतर रहा। मिली जानकारी के अनुसार सुबह के समय वोटिंग काफी तेजी से हुई, लेकिन दो बजे के बाद इसमें कमी आई। वहीं शाम चार बजे के बाद इसमें थोड़ी सी तेजी आई, लेकिन यह अनुमान से कम रही। द्वारका के कई बूथों पर सुबह के समय लाइनें लगी रहीं। स्कूलों में बने पोलिंग स्टेशन के बाहर तक लाइनें थीं, जबकि धूप से बचने और कूलर आदि का इंतजाम नहीं था। इसकी वजह से काफी लोग वोट दिए बिना ही वापस चले गए। इसके बाद अव्यवस्थाओं की वजह से भीषण गर्मी में वह दोबारा वोट करने घर से नहीं निकले। साथ ही 23, 25 और 26 मई की छुट्टी होने की वजह से काफी वोटर घूमने भी निकल गए। विकासपुरी में वोटिंग पिछले साल जैसी ही रही। यहां पर वोटिंग के प्रति रुझान में महज 0.3 प्रतिशत की कमी आई। इस क्षेत्र के सिख बाहुल्य इलाकों हरि नगर, तिलक नगर में वोटिंग 2019 के मुकाबले साढ़े तीन से साढ़े चार प्रतिशत तक कम हुई। लेकिन अन्य सिख बाहुल्य एरिया विकासपुरी और राजौरी गार्डन में वोटिंग प्रतिशत में 2019 के मुकाबले अधिक अंतर नहीं पड़ा। वहीं पूर्वांचली बाहुल्य क्षेत्रों में उत्तम नगर, द्वारका में कम वोटिंग होने से समीकरण बिगड़ते दिख रहे हैं। दूसरी तरफ पूर्वांचलियों का सबसे बड़ा विधानसभा क्षेत्र मटियाला में वोटिंग प्रतिशत में कुछ खास अंतर नहीं पड़ा। 2019 की तुलना में यहां महज 0.37 प्रतिशत वोटिंग कम हुई।

सबसे कम मतदान के मामले में यह संसदीय क्षेत्र तीसरे स्थान पर

AAP मेरी पार्टी है, 6 साल सांसद बनी रहूंगी : स्वाति मालीवाल

Katyayani.Upreti
@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली:** 'उस मारपीट के बाद मैं अब कुछ संभल पाई हूं। पहले सीएम हाउस में मारपीट हुई, शिकायत की, तो मेरी ही पार्टी ने मेरे खिलाफ चरित्र हरण की मुहिम शुरू कर दी। यह बहुत बड़ा ट्रॉमा है।' दिल्ली के सीएम आवास में हुई घटना को याद करते हुए राज्यसभा सांसद और दिल्ली महिला आयोग की पूर्व चेयरपर्सन स्वाति मालीवाल कहती हैं, सरकार को मेरे साथ खड़ा होना चाहिए था। क्या विक्टिम शेमिंग सही है? उन्होंने कहा, मैं पार्टी में ही रहूंगी। यह मेरे भी खून-पसीने से बनी है। अगले 6 साल तक मैं आप की राज्यसभा सांसद रहूंगी। मैं उन्हें दिखाना चाहती हूं कि जब एक महिला संसद में आती है, तो तो कैसे आदर्श सांसद साबित होती है।

क्या अंदाजा है क्यों मारा, इस पर स्वाति कहती हैं, यह जो 'क्यों' है, उसकी दिल्ली पुलिस जांच करेगी। मुझे जो लग रहा है मैं दिल्ली पुलिस को बताऊंगी। अभी मैं कुछ नहीं कह सकती, लीगल मामला है।

13 मई की घटना को याद करते हुए स्वाति कहती हैं कि सुबह 9 बजे मैं केजरीवाल से मिलने उनके घर गई। वो तिहाड़ जेल से वापस आए थे, मैं उनका हाल-चाल और आगे क्या काम करना, यह पूछने गई थी। मुझे ड्रॉइंग रूम में ले जाया गया और कहा कि अरविंद घर पर हैं, अभी मिलने आ रहे हैं। इतने में बिभव कुमार आए, गुस्से में चीखते हुए। उन्होंने कहा, तेरी औकात क्या है, नीच औरत, तुझे हम सबक सिखाएंगे। मैं शॉक में थी, क्या-क्यूं बोला तो स्पीड से उन्होंने 7-8 थप्पड़ मार दिए। शर्ट खींची, मैंने पैरों से उन्हें धकेलना चाहा तो पैर खींचकर नीचे गिरा दिया। फिर उन्होंने मुझे लातें मारनी शुरू कर दी, बार-बार कहने के बावजूद कि मेरे पीरियड्स चल रहे हैं, वो मारते रहे। मैंने पुलिस को कॉल किया, तो उन्होंने सिक्योरिटी बुला ली और बाहर जाने को कहा। जब मैं बहस कर के हार गई तो खुद चली गई। पुलिस स्टेशन जाकर एसएचओ को रोते हुए सारी घटना बताई।

राज्यसभा सांसद और दिल्ली महिला आयोग की पूर्व चेयरपर्सन स्वाति मालीवाल

'सुनीता और अरविंद मेरे लिए एक ही'

स्वाति ने कई अटकलों को भी खारिज किया। सुनीता केजरीवाल को आगे बढ़ाने पर हुए विवाद की अटकलों पर उन्होंने कहा, वो तो वैसे ही उन्हें आगे ला ही रहे हैं, उससे मेरा क्या लेना सुनीता केजरीवाल आगे बढ़ती हैं, तो इससे मुझे कोई दिक्कत नहीं। ना ही मेरा उनके साथ कॉम्पिटिशन है, ना ही कोई लिंक है। मेरे लिए अरविंद केजरीवाल और सुनीता केजरीवाल एक ही हैं। और अगर वो किसी के लिए भी सीट छोड़ने को कहते हैं चाहे सुनीता, चाहे मनु सिंघवी, जिनकी अटकलें चल रही हैं, मैं अरविंद केजरीवाल के कहने पर छोड़ देती। मगर जिस तरीके से मुझे पीटकर निकाला, विक्टिम शेमिंग की, अब दुनिया की कोई शक्ति आ जाए, मैं बिल्कुल भी राज्यसभा की सीट नहीं छोड़ूंगी।

स्वाति ने कहा, बिभव से पूरी पार्टी डरती है। वो केजरीवाल के बहुत बड़े राजदार हैं। क्या उस दिन सीएम के परिवार का कोई सदस्य नहीं दिखा, इस पर स्वाति ने कहा, यह जांच का विषय है। इसपर कमेंट नहीं करना चाहूंगी। हां! अरविंद को मैंने वहां नहीं देखा। उन्होंने कहा, मैं कभी भी केजरीवाल के घर में अपॉइंटमेंट लेकर नहीं गई, वो बिना अपॉइंटमेंट मिलते रहे हैं।

स्वाति ने बताया कि केजरीवाल ने उनसे कोई संपर्क नहीं किया। वह कहती हैं, ना कॉल, ना मुझसे मिले, मुझसे कुछ नहीं पूछा। सिर्फ संजय सिंह के जरिए वो ऑपरेट कर रहे थे। चुनाव के बीच यूएस जाने पर पार्टी से किनारा करने की अटकलों पर उन्होंने कहा, यूएस मैं अरविंद को बताकर गई थी। और मेरे यूएस जाने की वजह से मनमुटाव हुआ है, तो दूसरे सांसद (राघव चड्ढा) जो लंदन में बैठे हैं, वो तो अब आए हैं। उनको रेड कारपेट ट्रीटमेंट दिया जाएगा और हमें मारा-पीटा जाएगा! ये तो बहुत गलत है।

'पार्टी ने किया आगाह': तीन दिन बार एफआईआर दर्ज करवाने पर स्वाति ने कहा, इस घटना से मैं शॉक में थी। संजय सिंह उसी दिन शाम को मुझसे मिलने आए थे और मुझे बताया भी था कि अरविंद केजरीवाल से बात हुई है, एक्शन लिया जाएगा। जिस दिन मैंने शिकायत दर्ज की, उस सुबह मेरे दिमाग में यही आया कि जब मेरे साथ क्राइम हुआ तो कैसे मैं क्रिमिनल कंप्लेंट फाइल नहीं कर रही। मैंने हजारों औरतों को कंप्लेंट फाइल करने के लिए हिम्मत दी है। स्वाति ने दावा किया कि संजय सिंह ने मुझे पार्टी का मेसेज दिया था। उन्होंने कहा था कि तुम्हें तो पता ही है कि पार्टी की मशीनरी कैसे चलती है। तुम्हें बीजेपी का एजेंट बना देंगे, झूठा साबित कर देंगे, तुम्हे अलग कर दिया जाएगा। उन्हें मेरे लिए सहानुभूति थी मगर उन्होंने कहा कि मैं पार्टी का मेसेज बता रहा हूं।

हनी सिंह से सुलह चाहते हैं रैपर बादशाह

हनी सिंह से 15 साल लंबे विवाद के बाद अब बादशाह ने एक इवेंट में कहा है कि मेरी लाइफ में एक ऐसा दौर था जब मेरे मन में एक के प्रति द्वेष था और अब, मैं इसे खत्म करना चाहता हूं और उस नफरत को पीछे छोड़ना चाहता हूं। और वो हैं हनी सिंह।

Cannes फिल्म फेस्टिवल के आखिरी दिन गूंजी 'पायल' की झंकार

ग्रांड प्रीक्स पुरस्कार जीतकर फिल्ममेकर पायल कपाड़िया ने रचा इतिहास

Gaurav.Khare@timesgroup.com

दुनिया भर में पिछले कुछ दिनों से Cannes फिल्म फेस्टिवल काफी सुर्खियों में है। भारत के लिए इस बार का Cannes गर्व महसूस कराने वाला रहा है। कई फिल्म स्टार्स और फिल्ममेकर्स ने इस प्लैटफॉर्म पर देश का नाम रोशन किया है। लेकिन अब फिल्म डायरेक्टर और राइटर पायल कपाड़िया ने भी अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया है। खबर है कि Cannes में फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' के लिए पायल कपाड़िया को प्रतिष्ठित ग्रांड प्रीक्स (Grand Prix) के खिताब से नवाजा गया है। सबसे खास बात ये है कि वह इस अवॉर्ड को पाने वाली पहली भारतीय फिल्ममेकर हैं।

30 साल बाद देर तक सुनीं तालियों की गड़गड़ाहट

साल 1994 में Cannes फिल्म फेस्टिवल में भारतीय फिल्ममेकर शाजी नीलकंठन करुण की मलयालम ड्रामा फिल्म 'स्वाहम' को स्क्रीनिंग का मौका मिला था। 30 साल बाद पायल कपाड़िया की फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' ने Cannes के कॉम्पिटिशन श्रेणी में पहुंचकर इस लंबे इंतजार को खत्म कर दिया और इतिहास में अपनी जगह बना ली। सबसे खास बात ये रही कि जब इस फिल्म की स्क्रीनिंग हुई, तब फिल्म को देखने के बाद वहां मौजूद लोगों ने करीब 8 मिनट तक खड़े होकर लगातार तालियां बजाईं। बताया जा रहा था कि Cannes फिल्म फेस्टिवल के 77वें संस्करण में ये किसी फिल्म को मिला सबसे लंबा स्टैंडिंग ओवेशन था। इसके बाद से ही इस फिल्म को लेकर उम्मीदें बढ़ गई थीं।

पाल्म डोर के लिए हुई थी नॉमिनेट

ऑल वी इमेजिन एज लाइट ने ग्रांड प्रीक्स अवॉर्ड जीता है लेकिन ये फिल्म इस अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट नहीं की गई थी। दरअसल, पहले इस फिल्म का पाल्म डोर (Palme d'or) के लिए नॉमिनेट किया गया था, लेकिन वह इस सम्मान को नहीं पा सकी। तब पायल को इस फिल्म के लिए Cannes के दूसरे सबसे बड़े अवॉर्ड ग्रांड प्रीक्स से नवाजा गया।

क्या खास है 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' में?

ये फिल्म मुंबई में रहने वाली दो नर्स प्रभा, रूममेट अनु और पार्वती की कहानी है। प्रभा और अनु अपने रिलेशनशिप में मुश्किलों से जूझ रही हैं। तीनों बड़े शहर के अंधेरों में खुद लिए उजाला ढूंढने की कोशिश करती रहती हैं। प्रभा अपने पति से लंबे समय से अलग रह रही है। फिर एक दिन उसे अपने पति की तरफ से एक गिफ्ट मिलता है, जो उसकी जिंदगी में उथल-पुथल मचा देता है। एक दिन प्रभा रूममेट अनु के साथ रोड ट्रिप पर निकलती है, जहां एक रहस्यमयी जगह पर उनके सपनों को नया आयाम मिलता है। फिल्म की कई समीक्षकों ने तारीफ की है।

PTI

(बाएं से दाएं) अभिनेत्री कनी कुसरुति, छाया कदम, डायरेक्टर पायल कपाड़िया और ऐक्ट्रेस दिव्य प्रभा।

Getty Images

पायल का Cannes से पुराना नाता

ये पहला मौका नहीं है जब पायल Cannes में नजर आई हैं। इससे पहले साल 2017 में उनकी शॉर्ट फिल्म 'आफ्टरनून क्लाउड्स' भी इकलौती भारतीय फिल्म थी जिसे Cannes के 70वें एडिशन में सिनेफोंडेशन सेगमेंट में चुना गया था। साल 2021 में उनकी डॉक्यूमेंट्री 'अ नाइट ऑफ नोइंग नथिंग' डायरेक्टर्स फोर्टनाइट कैटेगरी में चुनी गई थी और उसे बेस्ट डॉक्यूमेंट्री का गोल्डन आई अवॉर्ड मिला था।

हमारी फिल्म यहां दिखाने के लिए Cannes फिल्म महोत्सव का शुक्रिया। कृपया किसी और भारतीय फिल्म के लिए 30 साल तक इंतजार मत करना।
-पायल कपाड़िया (फिल्ममेकर और लेखक)

पायल कपाड़िया को Cannes फिल्म फेस्टिवल के 77वें संस्करण में उनकी फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' के लिए ग्रांड प्रीक्स पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं। इसी के साथ भारत ने ये पहला ग्रांड प्रीक्स जीता है।
- अनुराग ठाकुर (केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री)

संतोष सिवन ने भी रचा इतिहास

पायल कपाड़िया के अलावा सिनेमटोग्राफर संतोष सिवन ने भी इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा लिया है। दरअसल, संतोष सिवन को Cannes में सिनेमटोग्राफी में प्रतिष्ठित पियरे एंजनीक्स एक्सेलेंस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। सिवन भी यह पुरस्कार पाने वाले पहले एशियाई बन गए हैं।

Getty Images

जाह्नवी ने मांगी थी पंकज संग काम करने की दुआ

बॉलिवुड अदाकारा जाह्नवी कपूर, पंकज त्रिपाठी की बड़ी फैन हैं। यही वजह है कि उन्होंने 'गुंजन सक्सेनाः द करगिल गर्ल' में उनके साथ काम करने के लिए मन्नत मांगी थी।

एक साक्षात्कार में जाह्नवी कपूर ने अपने पसंदीदा अभिनेता के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि आखिर कैसे पंकज त्रिपाठी गुंजन सक्सेनाः द करगिल गर्ल फिल्म में शामिल हुए थे। जाह्नवी कपूर ने बताया, 'सेट पर सबको पता था कि मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं। मैं वहां पागलों की तरह बर्ताव करती थी। मैं कहती रहती थी कि वह इस फिल्म के लिए बस हां कह दें, इसके लिए मैंने मन्नत भी मांगी थी। सिर्फ इतना ही नहीं, मैंने उनके लिए तो 10-12 दिनों तक नॉनवेज खाना भी छोड़ दिया था। मुझे जब पता चला कि पंकज जी ने फिल्म के लिए हां कर दी तो मैं काफी खुश हुई थी।' साल 2020 में आई फिल्म में जाह्नवी कपूर एक पायलट की भूमिका में दिखी थीं। इसमें पंकज त्रिपाठी ने उनके पिता का किरदार निभाया था। जाह्नवी इन दिनों फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह राजकुमार राव के साथ नजर आएंगी।

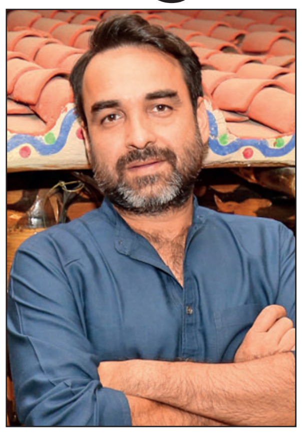

'गॉड फादर' जैसी लगी रणबीर की फिल्मः महेश

पिछले साल आई रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म एनिमल ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की थी। कई दर्शकों को फिल्म पसंद आई तो कई लोगों ने फिल्म में दिखाई गई अश्लीलता और हिंसा को लेकर आलोचना भी की थी। संदीप रेड्डी वांगा की इस फिल्म का आम लोगों से लेकर कई मशहूर हस्तियों तक ने रिव्यू शेयर किया था। अब इस लिस्ट में ऐक्टर-डायरेक्टर महेश मांजरेकर का नाम भी शामिल हो गया है। महेश ने फिल्म देखने के बाद अपना रिव्यू साझा किया है।

हाल ही में एक बातचीत में महेश मांजरेकर ने 'एनिमल' को मिली आलोचनाओं पर हैरानी जताई है। उन्होंने कहा कि फिल्म की स्टोरी हॉलिवुड मूवी गॉडफादर के जैसी है लेकिन बहुत मनोरंजक है। यह फिल्म काफी लंबी है लेकिन इसके बावजूद मैं मूवी को देखते हुए बोर नहीं हुआ। महेश मांजरेकर ने संदीप की तारीफ की कि फिल्म को अपने हिसाब से बनाने की उनकी सोच मुझे पसंद आई। मुझे यह शानदार लगी। मैं इसके सीक्वल का इंतजार कर रहा हूं। बहुत से लोग हैं, जो राय देते हैं कि फिल्म किस तरह बनाई जानी चाहिए, लेकिन ऐसे लोगों की सुननी ही क्यों चाहिए।

शर्मिन ने कई बार ऑडिशन दिए थेः संजय लीला भंसाली

संजय लीला भंसाली इन दिनों वेब सीरीज हीरामंडी को लेकर चर्चा में हैं। सीरीज में आलमजेब का किरदार निभाने वाली ऐक्ट्रेस शर्मिन, संजय लीला की भांजी हैं। इस वजह से लोग नेपोटिज़्म को लेकर शर्मिन और संजय लीला भंसाली को ट्रोल कर रहे हैं। एक साक्षात्कार के दौरान संजय लीला भंसाली ने अब इस पर बात की है। उन्होंने कहा कि शर्मिन के पास आलमजेब के रोल के लिए परफेक्ट चेहरा था, जो मैंने देखा था। आपने आलमजेब का रोल अगर देखा होगा तो उसमें यही दिखाया गया है कि वो तवायफ नहीं बनना चाहती। मैं इसके लिए फ्रेश चेहरा खोज रहा था, जिसके चेहरे पर मासूमियत हो, जो तवायफ की तरह बात न करती हो और कविताओं में दिलचस्पी रखती हो। ये सब चीजें दिमाग में रखते हुए मुझे शर्मिन परफेक्ट लगीं। शर्मिन की ट्रोलिंग पर बात करते हुए संजय ने कहा कि जब मैंने तय किया था कि मैं शर्मिन को कास्ट करूंगा तो उनसे कहा था कि आपको टेस्ट देने होंगे। आपको आलमजेब के किरदार की सही पकड़ रखनी होगी। दरअसल, ये वो दुनिया है, जहां आपने आज से पहले कभी कदम नहीं रखा। आपने कभी ऐक्टिंग नहीं की। मैंने उन्हें इसलिए कास्ट नहीं किया क्योंकि वो मेरी भांजी हैं। उन्होंने इस रोल के लिए कई बार ऑडिशन दिया। इस दौरान वो कई टेस्ट से गुजरी हैं।

TIMES interact
Connecting People, Connecting Needs.
To book your ad | Logon to: ads.timesgroup.com or Call: 18001205474 (Toll Free) | Scan QR Code

भर्ती
भर्ती-रिक्त पदों की स्थिति
तकनीकी
सामान्य

CCTV Camera, EPABX Co. Req. Experienced Technician for INSTALLATION & SERVICE, Helper cum Peon. F-409,Lado Sarai # 9810566600

व्यक्तिगत
नाम परिवर्तन

I, KM Roopa Rani Arya W/o Rajeev Kumar R/o H.No. 006, Street No.1, J-Block, Mohan Nagar, Gurgaon-122102 have changed my name to Roopa Kumari for all purposes

सेवाएं
चिकित्सा सेवाएं

CABINS / Space Available for Doctors, Nutritionist, Physiotherapist & Labs at PRIME Location in Sohna at a very reasonable rate. Pls call 7011899939

TIMES interact
To advertise in Classifieds, please Call
Amit : 98117 90649 for Recruitment Ads
Sunil : 9999499496 for Property ads
Aman : 9312633518 for Business Ads
Scan QR Code

HEALTH & WELLNESS

To place an ad in TIMES interact
For Change of name, Lost & Found ads
Call Pankaj : 8130604727

tender & notices

JAYPEE INFRATECH
TENDER NOTICE
RCC SHOULDER & CHUTE DRAIN
AT YAMUNA EXPRESSWAY

Jaypee Infratech Limited ("JIL") is inviting sealed tenders from experienced parties as per the following details:

- **Name of Work :** Construction of RCC Shoulder & Chute Drain at various locations from km 0.000 to km 165.000 along Yamuna Expressway.
- **Tender Fee (Free of Cost):** Bidders shall download from JIL's website (http://jaypeeinfratech.com/tender.html). **Download starts on 27.05.2024 from 3.00 PM onwards.**
- **EMD:** Rs. 56,000/- (in the form DD / BG)
- **Eligibility Criteria:** Shall be as per tender documents.
- **Last date for receipt of bids :** 10.06.2024 (refer tender document).
- **For all other details:** Please refer tender documents.
- **Address for Bid submission :** Contracts Division, J-Block, Jaypee Infratech Limited, Sector-128, Noida, 201304, U.P.
  Or, through email at *tendering@jilindia.in.*
  Phone: 0120-4609495/4609482

THE TIMES GROUP
Readers are recommended to make appropriate enquires and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

TIMES interact
TO ADVERTISE IN CLASSIFIEDS PLEASE CALL:
TENDER / PUBLIC NOTICE: 9312633518
CHANGE OF NAME / LOST & FOUND: 8130604727
PROPERTY: 9999499496
RECRUITMENT & EDUCATION: 9811790649
MATRIMONIAL: 9310298131
SHOPPING: 9312633518
BUSINESS: 9312633518
SERVICES / VEHICLES & TRAVEL: 9999499496

मेरी कॉलोनी : दिल्ली : मेरा शहर

नांगली विहार : 'गर्मी और तपती धूप में करना पड़ता है टैंकर का इंतज़ार'

■ नवीन निश्चल, नांगली विहार

लोगों का आरोप, पाइपलाइन होने पर भी नहीं मिलता साफ पानी, प्रेशर भी कम

राजधानी दिल्ली में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच दिल्ली के कई इलाकों में अलग-अलग कॉलोनियों से जहां पीने के पानी का संकट बना हुआ है। वहीं पश्चिमी दिल्ली के विकासपुरी विधानसभा के नांगली विहार एक्सटेंशन के अलग-अलग ब्लॉक के लोग भी पीने के पानी को तरस रहे हैं। कई जगह पानी की पाइपलाइन तो है, लेकिन ना तो पानी का प्रेशर ठीक होता है, ना पानी समय पर आता है। जिसके कारण लोग पानी के लिए टैंकर का घंटों इंतजार करते हैं। कई बार तो दो-दो दिन तक इंतजार करना पड़ता है।

स्थानीय निवासी मंजू ने कहा कि सप्ताह में वैसे तो टैंकर दो से तीन बार आना तय है, लेकिन कभी-कभी दो बार आता है, कभी एक बार ही आता है। जो टैंकर आता है, उससे जो पानी ड्रम में भरकर लोग रखते हैं। उसी से गुजारा करना पड़ता है। पानी खत्म होने पर मजबूरी में पानी खरीदना पड़ता है। इसके अलावा सप्लाई का पानी समय पर आता नहीं है। कभी गंदा पानी आता है तो कभी प्रेशर ही नहीं रहता है। भीषण गर्मी में लोग मजबूरन टैंकर का इंतजार करते हैं। आपस में बहसबाजी ना हो झगड़ा ना हो इसके लिए लाइन में लगाकर ड्रम को रख देते हैं। जब टैंकर आता है, तो उसी हिसाब से फिर एक-एक करके पानी भरते हैं। नांगली विहार के सी ब्लॉक की रहने वाली महिला प्रीति ने बताया कि आसपास की कई गलियों में यही हालत है। लोगों की मांग है कि संबंधित विभाग को पीने के पानी की मूलभूत सुविधाओं को सही करने पर ध्यान देना चाहिए।

लोगों की मांग है कि संबंधित विभाग मूलभूत सुविधाओं को ठीक करे

कई बार दो-दो दिनों तक नहीं आता टैंकर, खरीदना पड़ता है पानी

सप्ताह में दो से तीन बार टैंकर का आना तय किया गया है

नंद नगरी में कूड़ाघर बंद, गंदगी से राहत नहीं

■ **एनबीटी न्यूज, नंद नगरी :** कूड़ाघर बंद होने के बाद भी लोगों को गंदगी से राहत नहीं मिली है। लोगों का कहना है कि कूड़ा डालने के लिए नई जगह निर्धारित कर दी गई है, लेकिन व्यवस्था ठीक नहीं होने से अभी भी गंदगी का आलम है। लोगों का आरोप है कि एमसीडी की लापरवाही की वजह से अवैध रूप से चल रही कई डेयरियों की गायों का नए कूड़ाघर पर जमघट लगा रहता है।

नंद नगरी एनबीटी सुरक्षा कवच ग्रुप से जुड़े ओमवीर सिंह ने बताया कि पिछले साल पुराने कूड़ाघर को बंद करके एमसीडी ने A4 ब्लॉक के 60 फुटा रोड पर ट्रांसफॉर्मर के पास कूड़ा डालने के लिए तीन कंटेनर रखवाए थे, लेकिन रोज कूड़ा नहीं उठने से कूड़ा कंटेनर के बाहर सड़क पर ही पड़ा रहता है। ऐसे में अवैध डेयरियों की गाय खाने की तलाश मे आकर कूड़े और गंदगी को सड़क पर फैला देती हैं।

नई जगह तय की, लेकिन व्यवस्था ठीक नहीं हुई

NBT सुरक्षा कवच
मिलकर बनाएं दिल्ली को ज्यादा सेफ

विकास मार्ग पर नाला निर्माण में गड़बड़ी का लगा आरोप

■ राम त्रिपाठी, लक्ष्मी नगर

शकरपुर में लाखों रुपये की लागत से नाले का निर्माण ईंटों से हो रहा है। जबकि PWD ने इस नाले का निर्माण आरसीसी से करने का आदेश दिया हुआ है। करीब 2 साल पहले PWD ने इस नाले की ईंटों से हुई रिपेयरिंग तक को गलत ठहराया था।

लक्ष्मी नगर क्रॉसिंग से मधुबन चौक तक सड़क के दोनों तरफ ईंटों से बना हुआ नाला करीब 3 साल पहले कई जगह से टूट गया था। इस संबंध में लोगों ने PWD से शिकायत की थी। 2022 में विकास मार्ग के सौंदर्यीकरण का काम शुरू होने के दौरान इस नाले को आरसीसी से बनाने का आदेश जारी हुआ था। PWD के एग्जिक्यूटिव इंजीनियर ने 22/10/2021 को सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर को काम की जानकारी देते हुए लिखे पत्र में इस नाले को आरसीसी से बनाने के प्रावधान का उल्लेख किया था।

इसके बावजूद शकरपुर यू ब्लॉक बिजली ट्रांसफार्मर के सामने से निकल रहे इस नाले का बड़ा भाग ईंटों से बनाया जा रहा है। जबकि नाले का काफी हिस्सा आरसीसी से बना हुआ है। वहां रहने वाले लोग इस स्थिति से काफी नाराज हैं। उन्होंने बताया कि नाला ईंटों से बना होने के कारण समस्या आई थी, जिससे नाला ढह गया था। शकरपुर निवासी गोपाल चौहान ने बताया कि निर्माण में गड़बड़ी साफ तौर पर दिखाई दे रही है। लोगों की शिकायत पर सड़क के दोनों तरफ के नालों का निर्माण आरसीसी से होना था, जो थोड़ा हुआ भी है। मगर शकरपुर यू ब्लॉक की तरफ ईंटों से नाला बनवाया जा रहा है। जबकि धनराशि आरसीसी के खर्चे की मिलेगी। यह भ्रष्टाचार का मामला है।

PWD के एग्जिक्यूटिव इंजीनियर आशुतोष ने एनबीटी को बताया कि नाला आरसीसी से ही बन रहा है। अगर कहीं कोई गड़बड़ी है या नाला ईंटों से बन रहा है, तो उसका पता करते हैं।

आरोपः PWD अपने ही नियमों की अनदेखी कर रहा है, अब अधिकारी मामले की लेंगे जानकारी

नरेला : अवैध डंपिंग ग्राउंड में पड़े कूड़े में लगाई जा रही आग

■ **एनबीटी न्यूज, नरेला :** नरेला बी-4 सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल के चौराहे के पास पिछले लंबे समय से अवैध डंपिंग ग्राउंड बना हुआ है। कई बार इसके निपटारे के लिए इसमें आग लगा दी जाती है, जिससे काला धुआं फैल जाता है।

लोगों का कहना है कि कई बार हालात इतने गंभीर हो जाते हैं कि लोगों का सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है। यहां पर पास में ही सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल है। ऐसे में अस्पताल आने वाले या फिर अस्पतालों में रहने वाले मरीजों को भी इस धुएं से परेशानी हो सकती है। लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायत की है, लेकिन कुछ नहीं हुआ। एनबीटी नरेला सुरक्षा कवच ग्रुप के सदस्य सुशील कुमार ने बताया की यहां पर कमर्शल गाड़ियों में जैसे टेंपो व ट्रक से फैक्ट्री से निकलने वाले कूड़े को लाया जाता है और रात में डंप कर दिया जाता है और आग लगा दी जाती है।

हरिश्चंद्र अस्पताल चौराहे के पास का मामला

NBT सुरक्षा कवच
मिलकर बनाएं दिल्ली को ज्यादा सेफ

SP, कांग्रेस के परिवारवाद ने पूर्वांचल को बनाया माफिया का क्षेत्र: PM मोदी

■ भाषा, मऊ

PTI

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मऊ में चुनावी रैली के दौरान कार्यकर्ताओं के साथ मुलाकात की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को जिले के रतनपुरा स्थित भुड़सुरी मेवाडी कला में उम्मीदवारों के समर्थन में एक संयुक्त चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि एसपी और कांग्रेस के परिवारवाद ने पूर्वांचल को माफिया, अभाव, गरीबी और लाचारी का क्षेत्र बना दिया था लेकिन 10 साल से पूर्वांचल देश का प्रधानमंत्री चुन रहा है। सात साल से उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री चुन रहा है और इसलिए पूर्वांचल सबसे खास है। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि I.N.D.I.A. गठबंधन के लोगों ने जमीनों पर कब्जा किया और यहां दंगाइयों को ताकत दी। उन्होंने कहा कि जो माफिया के लिए आंसू बहाते हैं, ऐसे लोगों को पूर्वांचल में पैर नहीं रखने देना है।

मोदी ने कहा, 'एक जून को मतदान से पहले हमारा पूर्वांचल मन बना चुका है कि बीजेपी को जिताना है, एनडीए को जिताना है। पूर्वांचल के गरीब बेटे को ताकत देना जो आपकी सेवा में दिन रात एक कर रहा है। पूर्वांचल उसे ताकत नहीं देगा जो आपको गरीब बनाए रखना चाहते हैं।' उन्होंने कहा, 'आज मैं पूर्वांचल को, घोसी के लोगों को I.N.D.I.A. गठबंधन की बड़ी साजिश से सतर्क करने आया हूं।'

उन्होंने दावा किया, 'ये तीन बड़ी साजिशों को पूरा करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। एक तो I.N.D.I.A. गठबंधन वाले संविधान बदलकर उसमें नए सिरे से लिख देंगे कि भारत में धर्म के आधार पर आरक्षण दिया जाए। दूसरा ये एससी, एसटी और ओबीसी को मिलने वाला आरक्षण खत्म कर देंगे और तीसरा पूरा का पूरा आरक्षण धर्म के आधार पर मुसलमानों को दे देंगे।'

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का जिक्र करते हुए पीएम ने आरोप लगाया, 'अयोध्या में भव्य राम मंदिर बना और लेकिन और एसपी-कांग्रेस के लोगों ने रामलला प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को ठोकर मार दी।' मोदी ने दावा किया, 'ये चुनाव के समय मंदिरों में जाने का दिखावा करते हैं।

BJP सरकार में माफिया डर से कांपता है: पीएम

■ भाषा, मिर्जापुरः मोदी ने रविवार को यहां एसपी पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने मिर्जापुर को बदनाम किया और यूपी और पूर्वांचल को माफिया के लिए 'पनाहगाह' बना दिया है। उन्होंने कहा कि एसपी की सरकार में लोग डर से कांपते थे लेकिन बीजेपी की सरकार में माफिया डर से कांपता है।

यह चुनाव जनता बनाम नरेंद्र मोदी है: खरगे

■ भाषा, सासारामः कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि यह चुनाव जनता बनाम मोदी है, राहुल बनाम मोदी नहीं। वहीं, 'मुजरा' टिप्पणी रविवार को कहा कि मोदी ने यह टिप्पणी करके 'बिहार का अपमान' किया। सासाराम लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस नेता और महागठबंधन के उम्मीदवार मनोज कुमार के पक्ष में एक चुनावी रैली को खरगे ने संबोधित किया।

जल्द खत्म होगा नक्सलवाद: शाह

■ भाषा, नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि बीजेपी के सत्ता में आने पर सभी पक्षों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद अगले पांच वर्ष के अंदर पूरे देश के लिए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की जाएगी। शाह ने कहा है कि देश में नक्सलवाद की समस्या अगले दो-तीन साल में समाप्त हो जाएगी। उन्होंने दावा किया कि छत्तीसगढ़ के एक छोटे से क्षेत्र को छोड़कर समूचा देश इस खतरे से मुक्त हो चुका है। शाह ने कहा कि पशुपतिनाथ से तिरुपति तक तथाकथित नक्सल गलियारे में माओवादियों की कोई मौजूदगी नहीं है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक इंटरव्यू में किया दावा

'अब तीसरी बार मोदी सरकार'

■ एनबीटी, वाराणसी: विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर रविवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी पहुंचे। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में एक बार फिर से एनडीए की सरकार बनने जा रही है। एनडीए इस बार 400 से अधिक सीटें लेकर आ रही है। मुझे वाराणसी को कोई संदेश देने की जरूरत नहीं है, वाराणसी मेसेज दे रहा है कि 4 जून को प्रचंड बहुमत के साथ तीसरी बार मोदी सरकार बनेगी और एनडीए गठबंधन 400 प्लस सीटें ला रही है।

डॉ. एस. जयशंकर

फर्जी कॉल्स पर प्रतिबंध लगाएं कंपनियां: DOT

■ भाषा, नई दिल्ली: सरकार ने दूरसंचार कंपनियों को फर्जी इंटरनेशनल कॉल्स पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए हैं। डिस्प्ले पर भारतीय मोबाइल नंबर दिखाने वाले सभी फर्जी इंटरनेशनल कॉल्स पर ये प्रतिबंध लागू होगा। दूरसंचार विभाग (DOT) ने रविवार को बताया कि जालसाज भारतीय मोबाइल नंबर डिस्प्ले कर कॉल करके साइबर क्राइम और वित्तीय धोखाधड़ी कर रहे हैं। शुरुआत में लोगों को लगता है कि ये कॉल अपने देश से ही आ रही हैं, लेकिन विदेश में बैठे साइबर अपराधी कॉलिंग लाइन आइडेंटिटी (CLI) में हेरफेर कर फर्जीवाड़ा करते हैं। डिजिटल अरेस्टिंग, पुलिस अफसर बनकर बात करना या ट्राई से बताकर नंबर को बंद करने की धमकी देते हैं।

'प्रज्वल रेवन्ना के पासपोर्ट केस में नहीं मिला जवाब'

■ भाषा, बेंगलुरुः सेक्स स्कैंडल के आरोपी प्रज्वल रेवन्ना के डिप्लोमैटिक पासपोर्ट को रद्द करने के लिए कर्नाटक के होम मिनिस्टर जी. परमेश्वर ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया था। परमेश्वर ने कहा, हमने एक मई को पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पासपोर्ट रद्द करने की मांग की थी। केंद्र सरकार ने अभी कोई जवाब नहीं दिया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर कह रहे हैं कि उन्हें कर्नाटक सरकार का पत्र 21 मई को मिला, ऐसे में हम पूछना चाहते हैं कि पहले वाला पत्र कहां गया? कर्नाटक के सीएम सिद्धरमैया ने 22 मई को दूसरा पत्र लिखकर हासन से सांसद प्रज्वल का पासपोर्ट रद्द करने का आग्रह किया था। 33 साल के प्रज्वल जनता दल सेक्युलर से सांसद हैं। वह पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते हैं। सेक्स स्कैंडल में नाम आने के बाद 27 अप्रैल को वह जर्मनी रवाना हो गए थे।

राजकोट गेम जोन में आग लगने के मामले में मालिक और मैनेजर अरेस्ट

27 लोगों की मौत, 6 पार्टनर्स के खिलाफ FIR

PTI

गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल ने रविवार को घटनास्थल का निरीक्षण किया

■ पीटीआई, राजकोटः गुजरात के राजकोट शहर में एक गेम जोन में आग लगने से 27 लोगों की मौत के मामले में पुलिस ने 6 पार्टनर्स के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बताया कि 'गेम जोन' के मालिक और प्रबंधक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस कमिश्नर राजू भार्गव ने बताया कि नवंबर 2023 को स्थानीय पुलिस ने गेम जोन को बुकिंग लाइसेंस दिया था, जिसे 1 जनवरी से 31 दिसंबर, 2024 तक के लिए रिन्यू किया गया था। भार्गव ने बताया कि गेम जोन को सड़क और इमारत विभाग से परमिशन मिली थी। आग से बचाव के उपकरणों का सर्टिफिकेट भी दिया था, जिसकी NOC प्रक्रिया में थी और अभी पूरी नहीं हुई थी। उन्होंने बताया कि गेम जोन में आग से बचाव के उपकरण थे, लेकिन आग को काबू करने के लिए पर्याप्त कार्रवाई नहीं की गई।

राजकोट के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (क्राइम) पार्थराज सिंह गोहिल ने बताया कि रेसवे एंटरप्राइज के पार्टनर युवराज सिंह सोलंकी और ट्रिप गेम जोन के मैनेजर नितिन जैन को गिरफ्तार किया गया है। राजकोट तालुका पुलिस ने रविवार को जिन छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया, उनमें धवल कॉरपोरेशन के मालिक धवल ठक्कर, रेसवे एंटरप्राइज के पार्टनर- अशोक सिंह जडेजा, किरीट सिंह जडेजा, प्रकाशचंद हिरन, युवराज सिंह सोलंकी और राहुल राठौड़ शामिल हैं। शवों की पहचान DNA जांच के बाद की जाएगी।

BSF ने पकड़े 16 किलो सोने के 89 बिस्किट

Maneesh.Aggarwal
@timesgroup.com

■ नई दिल्ली : भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर तैनात BSF ने इस साल अब तक की सबसे बड़ी सोने की खेप पकड़ी है। जब्त सोने की कीमत 12 करोड़ रुपये है। गोल्ड स्मगलर 25 मई को लोकसभा चुनाव के छठे चरण के दौरान बांग्लादेश से भारत की तरफ पश्चिम बंगाल में इसे लाने में कामयाब हो गए थे। BSF ने भनक लगते ही एक आरोपी के घर से इसे बरामद किया। BSF प्रवक्ता व दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के DIG ए. के. आर्य ने बताया कि इस जब्ती में 16 किलो से ज्यादा वजन के सोने के 89 बिस्किट मिले। मामले में आलोक पॉल (बदला हुआ नाम) आरोपी को भी पकड़ा गया है। सोना उत्तर 24 परगना जिले के सीमा से सटे गांव हलदरपाड़ा में आलोक के घर से मिला। जैसे ही BSF को इनपुट मिला वैसे ही जवानों ने 25 मई की दोपहर विशेष अभियान चलाते हुए आलोक के घर की तलाशी ली गई थी।

बॉर्डर पर बांग्लादेश से सोना तस्करी की इस साल की सबसे बड़ी जब्ती

NBT Lens
समझिए खबरों के अंदर की बात

क्या है तस्करी का पूरा खेल?

भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर अभी भी ऐसे कितने ही गांव हैं जहां के खेत BSF फेंसिंग से आगे बांग्लादेश की तरफ हैं। वहां भारतीय किसान BSF की चौकी पर लगे गेटों से जांच कराकर खेती करने जाते हैं। फेंसिंग पार इन खेतों में सोना तस्करी का खेल चल रहा है। कई बार सोने के बिस्किटों को फेंसिंग से भारत की तरफ फेंक दिया जाता है। खेतों में काम करने वालों में कुछ लोग इन्हें उठाकर अपने घर में छिपा लेते हैं। तस्करी का यह खेल लोकसभा चुनावों के दौरान ज्यादा हो रहा था।

PUBLIC NOTICE
LAND/PROPERTY IN VILLAGE BIJWASAN, NEW DELHI.
"Be it known to all that my client has agreed to purchase land measuring 22 Bighas and 7 Biswas, bearing Mustatil No. 88, Killa Nos. 21/1 Min (2-10), Mustatil No. 105, Killa Nos. 1 Min (4-3), 10/1 Min (4-1), 10/ 2 (0-8), 11/1 Min (0-19), 11/2 Min (3-10), 20 (4-9), 21/1 (0-10) and 21/2 (1-12), 26 (0-5), with boundary wall, tube-well, electric connection, together with built-up residential house thereupon, situated at Village Bijwasan, Tehsil Kapashera, New Delhi, [say **'said property'**] from **Mrs. Renuka Chawla** W/o Shri Rahul Chawla and **Mrs. Ritika Chawla** W/o Shri Hemant Chawla [say **'owners'**] who have represented themselves to be the absolute and exclusive owners of the **said property** and have further represented that **said property** is free from all disputes, litigations, charges, liens and other encumbrance(s) whatsoever.
That previous original documents viz. **(1)** Sale Deed dated 24.11.1994, duly registered as document no. 4092, in addl. book no. I, volume no. 8728, on pages 1 to 6 on 15.05.1995, with Sub-Registrar, New Delhi, duly executed in favour of Shri Ajay Khanna S/o Late Shri Jagdish Khanna, and **(2)** Rectification Deed dated 29.08.1995, duly registered as document no. 7862, in addl. book no. I, volume no. 8877, on pages 132 to 134, on 18.09.1995, with Sub-Registrar, New Delhi, duly executed in favour of Shri Ajay Khanna S/o Late Shri Jagdish Khanna, are reported as missing/lost.
Any other person(s) having any claim against, into or upon **said property** or any part thereof by virtue of sale, inheritance, agreement, contract, mortgage, lien, charge, or on the basis of the aforesaid misplaced/ lost documents, or otherwise howsoever and of whatsoever nature is hereby required to notify the same in writing along with supporting documentary evidence to the undersigned within 15 (fifteen) days, from the date of publication of this notice, failing which my client shall conclude the sale and any claim and/or objection if any shall be considered as waived and abandoned and shall not be binding upon my client.
AMIT GUPTA (Advocate)
C-13, Pamposh Enclave, New Delhi-48.Tel: 26284741, 26284569

आयुष इलाज में इंश्योरेंस क्लेम पर आज बन सकती है बात

जनरल इंश्योरेंस कंपनियों और आयुष अस्पताल मालिकों को एक मंच पर लाया जाएगा

Bhupender.Sharma
@timesgroup.com

AI Image

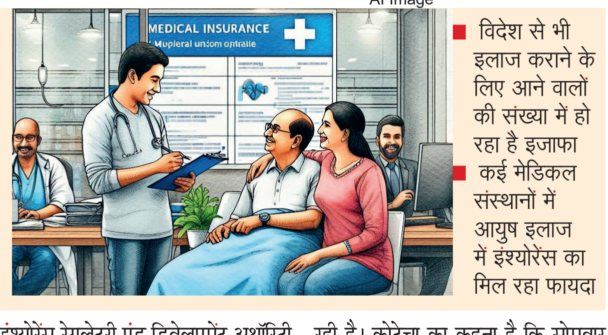

■ विदेश से भी इलाज कराने के लिए आने वालों की संख्या में हो रहा है इजाफा
■ कई मेडिकल संस्थानों में आयुष इलाज में इंश्योरेंस का मिल रहा फायदा

■ नई दिल्ली : भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए आयुष मंत्रालय ने एक बड़ी पहल शुरू की है। अब आयुष इलाज करवाने वाले ज्यादा से ज्यादा लोगों को इंश्योरेंस क्लेम मिल सके, इसके लिए सोमवार को जनरल इंश्योरेंस कंपनियों और आयुष अस्पतालों के मालिकों को एक मंच पर लाया जा रहा है। सोमवार को एम्स, नई दिल्ली में इसे लेकर एक मीटिंग होने वाली है। दरअसल, देश के कई बड़े प्राइवेट अस्पतालों में भी आयुष इलाज की सुविधा लोगों के लिए शुरू की गई है। लेकिन हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम का फायदा मिलने में उनको परेशानी होती है। मंत्रालय की कोशिश है कि ज्यादातर इंश्योरेंस कंपनियां इस मुहिम से जुड़े जिससे आयुष इलाज की पहुंच भी ज्यादातर लोगों तक पहुंच सके।

आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा का कहना है कि इसके लिए इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डिवेलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (IRDAI) और आयुष अस्पतालों के मालिकों को एक मंच पर लाकर किसी आम राय पर पहुंचा जाएगा। बहुत से मेडिकल संस्थानों में आयुष इलाज में इंश्योरेंस का फायदा मिल रहा है। इनमें नैशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स एंड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स (एनएबीएच) से जुड़े करीब 500 आयुष अस्पताल भी शामिल हैं। लेकिन पूरे देश में हेल्थ कवरेज के लिए सार्वजनिक और निजी आयुष अस्पतालों को सूचीबद्ध करने पहल की जा रही है। कोटेचा का कहना है कि सोमवार को एम्स, नई दिल्ली में होने वाली बड़ी बैठक में जनरल इंश्योरेंस कंपनियों के लोग भी होंगे। इसमें वैज्ञानिक आधार पर मरीजों को इंश्योरेंस को लेकर बातचीत होगी। अभी मरीजों को आयुष सेक्टर में 45 से ज्यादा पैकेज ऑफर हो रहे हैं। उनका कहना है कि अब भारत में विदेशों से आयुष का इलाज करवाने वालों की संख्या में इजाफा हो रहा है, जिनके पास उनके देश का हेल्थ इंश्योरेंस होता है। मंत्रालय विदेशी इंश्योरेंस कंपनियों से भी बात कर रही है।

NBT Lens
समझिए खबरों के अंदर की बात

आयुष अस्पतालों में कैशलेस इलाज पर मंथन

अभी बहुत से आयुष अस्पतालों में कैशलेस इलाज नहीं होता और बाद में रीइंबर्समेंट करवाना होता है। आयुष मंत्रालय का यह मंथन कैशलेस इलाज को लेकर भी होगा। इसके अलावा अस्पताल में भर्ती होने के साथ-साथ ओपीडी में इलाज करवाने वालों को भी इसका कैसे फायदा मिल सकता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल जनता के लिए आयुष उपचारों की पहुंच को बढ़ाना है बल्कि आयुष इलाज के साथ इंश्योरेंस सेक्टर का जुड़ाव भी मजबूत करना है। अब एम्स समेत कई बड़े प्राइवेट अस्पतालों में भी पारंपरिक और आधुनिक चिकित्सा से गंभीर बीमारियों का इलाज किया जा रहा है।

thsti BRIC a DBT Organization
ब्रिक–ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान
(जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान और नवाचार परिषद का एक संस्थान, भारत सरकार)
एनसीआर बायोटेक साइंस क्लस्टर, तीसरा माइलस्टोन, फ़रीदाबाद–गुरुग्राम एक्सप्रेसवे, पी.ओ. बॉक्स नंबर 04, फ़रीदाबाद – 121001
भर्ती सूचना सं. टीएसएस/आरएन/21/2024
एचएसटीआई ने टीएचएसटीआई की परियोजनाओं के तहत निम्नलिखित पदों को भरने का प्रस्ताव रखा है: 1. प्रोजेक्ट मैनेजर 2. क्लिनिकल कोऑर्डिनेटर 3. हेड नर्स/सीनियर स्टडी नर्स 4. प्रोजेक्ट टेक्निकल ऑफिसर (फील्ड सुपरवाइजर) 5. ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट 6. स्टाफ नर्स 7. तकनीशियन (क्लिनिकल/फील्ड/लैब) 8. फील्ड वर्कर/टेलीकाउंसलर 9. मल्टी–टास्किंग स्टाफ 10. सीनियर प्रोजेक्ट एसोसिएट 11. कंप्यूटर प्रोग्रामर ग्रेड बी 12. डाटा एंट्री ऑपरेटर ग्रेड सी 13. सीनियर टेक्निकल असिस्टेंट 14. प्रोजेक्ट एसोसिएट–II, 15. प्रोजेक्ट साइंटिस्ट–I, 16. डेटा मैनेजर/पीएस–II.
विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट www.thsti.res.in पर जाएं।

गर्मी से अकोला में लगाई धारा 144

■ भाषा, अकोला : महाराष्ट्र का अकोला जिला पिछले दो दिन में राज्य का सबसे गर्म शहर रहा है, जहां अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। लू की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन ने शनिवार को 31 मई तक धारा 144 लागू कर दी है। आईएमडी के आंकड़ों के मुताबिक, महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में स्थित अकोला में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 45.8 डिग्री सेल्सियस और शनिवार को 45.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह इस महीने शहर में इस मौसम का सबसे अधिक तापमान है। पिछले कुछ दिनों से विदर्भ क्षेत्र के कई हिस्सों में तापमान बढ़ रहा है। अकोला 26 मई 2020 को 47.4 डिग्री सेल्सियस तापमान था।

तंबाकू के खतरों पर 'वॉक द टॉक'

जिनीवा में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने तंबाकू के खतरों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए 'वॉक द टॉक' में भाग लिया।

पंजाब में हेरोइन तस्करी में 7 अरेस्ट

■ भाषा, चंडीगढ़ : पंजाब पुलिस ने फाजिल्का जिले में मादक पदार्थ की तस्करी के अंतरराष्ट्रीय 'मॉड्यूल' का भंडाफोड़ करते हुए सात लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 5.47 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तान स्थित तस्कर के संपर्क में थे। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ संयुक्त अभियान के दौरान पुलिस ने 1.70 लाख रुपये नकद और 40 कारतूस भी बरामद किए।

Rahat® HERBAL
1939 से देश की सेवा में समर्पित
भारत की सर्वाधिक लोकप्रिय औषधि
नैनी का मशहूर
नूरानी तेल®
बहुमूल्य जड़ी बूटियों से निर्मित
जोड़ो का दर्द, कमर व गुठनों का दर्द, बदन व पीठ का दर्द व चोट-मोच एवं बच्चों व बूढ़ों की रोज़ाना मालिश में लाभदायक
"नूरानी तेल ने मेरी ज़िन्दगी बदल दी, सिर्फ एक सप्ताह इस्तेमाल करने के बाद मेरे जोड़ो का दर्द बहुत कम हो गया जिससे मुझे बिना दर्द अपने रोज़ाना के काम में बहुत मदद मिली और मैं लोगों को नूरानी तेल का इस्तेमाल करने की सलाह देता हूँ।"
मनीष कुमार
जिला–सहारनपुर (यू.पी.)
RAHAT HERBAL INDUSTRIES
Roorkee, Haridwar Uttrakhand Email : care@rahatgroup.com
Sales Enquiry - Kamlesh Singh, (Sales Manager) 9935019690 (10 am to 6 pm)

GS गृहशान्ति®
धूप अगरबत्ती एवं कोन
रामलला® धूप • अगरबत्ती
राम जी की महक आपके द्वार...
3 IN ONE DHOOP • AGARBATTI
GOVINDA
Mfg. BHUSHAN ENTERPRISES
C-109 Durga Industrial Park, Near Major Mohit Sharma. Metro St. Ghaziabad- 201001
For Distributor Queries :- + 91 9250904070 | www.grahshantidhoop.com

हडको hudco
नवरत्न कंपनी
विकसित भारत के लिए परिसंपत्तियों का वित्तपोषण
कर उपरांत लाभ में 24% की बढ़ोत्तरी (साल दर साल)
लाभांश 41.50%
लोन बुक 15% की बढ़ोत्तरी (साल दर साल)

31 मार्च, 2024 को लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों (एकल तथा समेकित) का सार (₹ करोड़ में)

विवरण	एकल					समेकित				
	समाप्त तिमाही			समाप्त वर्ष		समाप्त तिमाही			समाप्त वर्ष	
	31.03.2024 (लेखापरीक्षित)	31.12.2023 (अलेखापरीक्षित)	31.03.2023 (लेखापरीक्षित)	31.03.2024 (लेखापरीक्षित)	31.03.2023 (लेखापरीक्षित)	31.03.2024 (लेखापरीक्षित)	31.12.2023 (अलेखापरीक्षित)	31.03.2023 (लेखापरीक्षित)	31.03.2024 (लेखापरीक्षित)	31.03.2023 (लेखापरीक्षित)
प्रचालनों से कुल आय (शुद्ध)	2,065.22	2,012.66	1,852.38	7,784.29	7,049.46	2,065.22	2,012.66	1,852.38	7,784.29	7,049.46
अवधि का शुद्ध लाभ (कर पूर्व एवं अपवादात्मक मदें)	943.12	696.09	864.31	2,843.44	2,289.41	943.12	696.13	864.26	2,843.39	2,289.22
अवधि का कर पूर्व शुद्ध लाभ (अपवादात्मक मदों के उपरांत)	943.12	696.09	864.31	2,843.44	2,289.41	943.12	696.13	864.26	2,843.39	2,289.22
अवधि का कर उपरांत शुद्ध लाभ (अपवादात्मक मदों के उपरांत)	700.16	519.19	639.19	2,116.74	1,701.62	700.16	519.23	639.14	2,116.69	1,701.43
अवधि की कुल समेकित आय (अवधि का लाभ (कर उपरांत) तथा अन्य समेकित आय (कर उपरांत) को मिलाकर)	713.63	523.15	658.20	2,136.52	1,726.36	713.63	523.19	658.15	2,136.47	1,726.17
प्रदत्त साम्य शेयर पूंजी (अंकित मूल्य ₹10/– प्रति)	2,001.90	2,001.90	2,001.90	2,001.90	2,001.90	2,001.90	2,001.90	2,001.90	2,001.90	2,001.90
अन्य साम्य (पुनर्मूल्यांकन आरक्षण को छोड़ कर)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	14,612.40	13,443.35	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	14,610.66	13,441.66
प्रतिभूति प्रीमियम खाता	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	1.26	1.26	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	1.26	1.26
निवल मूल्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	16,614.30	15,445.25	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	16,612.56	15,443.56
प्रदत्त उधार पूंजी/बकाया उधार*	-	-	-	74,032.21	62,947.90	-	-	-	74,032.21	62,947.90
उधार साम्य अनुपात	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	4.05	3.96	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	4.05	3.96
प्रति शेयर अर्जन (अंकित मूल्य ₹10/– प्रति) (तिमाही का ईपीएस वार्षिककृत नहीं है)										
(i) मूल	3.50	2.59	3.19	10.57	8.50	3.50	2.59	3.19	10.57	8.50
(ii) डायल्यूटिड	3.50	2.59	3.19	10.57	8.50	3.50	2.59	3.19	10.57	8.50
डिबेंचर मोचन आरक्षण** (वर्ष के अंत में)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	2,726.11	2,896.95	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	2,726.11	2,896.95

*इन्डएएस समायोजन को छोड़कर बकाया उधार **क्रमशः 31 मार्च, 2024 और 31 मार्च, 2023 को डिबेंचर मोचन आरक्षण
टिप्पणियां:
1. कंपनी के उपर्युक्त वित्तीय परिणामों की समीक्षा लेखापरीक्षा समिति द्वारा की जा चुकी है और तदुपरांत इसे 24 मई, 2024 को आयोजित निदेशक मंडल की बैठक में अनुमोदित किया गया। यह वित्तीय परिणाम कंपनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा भी लेखापरीक्षित किये गए हैं।
2. निदेशक मंडल ने वार्षिक आम बैठक में अनुमोदन की शर्त पर 10 रुपये प्रति शेयर पर 2.65 रुपये की दर से अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। कंपनी ने 1.50 रुपये प्रति शेयर की दर पर अंतरिम लाभांश भी अदा किया है। अतएव वित्त वर्ष 2023–24 का कुल लाभांश 830.79 करोड़ रुपये अर्थात् शेयरों के अंकित मूल्य का 41.50% है।
3. उपर्युक्त विवरण सेबी (सूचीकरण दायित्व एवं प्रकटन अर्हता) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 तथा 52 (4) के अंतर्गत, स्टॉक एक्सचेंज में दर्ज किये गये तिमाही/वार्षिक अवधि के वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रपत्र का सार है। वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रपत्र बीएसई लिमिटेड (URL:www.bseindia.com/corporates), नेशनल एक्सचेंजऑफ इंडिया लिमिटेड (URL:www.nseindia.com/corporates), तथा कंपनी की वेबसाइट (URL:www.hudco.org.in) पर भी उपलब्ध है।
4. मौजूदा लेखांकन नीति में बदलाव एवं विस्तार हुआ है, जो केवल स्पष्टीकरण प्रकृति के हैं और इससे कंपनी के वित्तीय विवरणों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से
हस्ता./–
संजय कुलश्रेष्ठ
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 24 मई, 2024

उत्पादों और सेवाओं की विस्तृत श्रृंखला
वित्तपोषण परामर्श क्षमता निर्माण
हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हडको)
(भारत सरकार का उपक्रम)
पंजीकृत कार्यालय: हडको भवन, कोर 7ए, इंडिया हैबीटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली–110003
CIN: L74899DL1970GOI005276 | GSTIN: 07AAACH0632A1ZF | www.hudco.org.in | हमें फॉलो करें:

नवभारत टाइम्स

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली। सोमवार, 27 मई 2024

नियमों पर अमल हो

गुजरात के राजकोट में एक एम्यूजमेंट पार्क के अंदर गेमिंग जोन में लगी आग की लपटें अभी ठीक से बुझी भी नहीं थीं कि शनिवार देर रात राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बच्चों के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में आग लगने की खबर आ गई। दोनों ही घटनाओं में हताहत होने वालों में ज्यादातर छोटे बच्चे हैं। निश्चित रूप से ये हादसे हैं, लेकिन जिस तरह के हालात में ये घटनाएं हुईं वे बताती हैं कि मानवीय जिम्मेदारी वाले पहलू को अनदेखा नहीं किया जा सकता।

जांच के आदेश | यही वजह है कि दोनों ही मामलों में तत्काल जांच के आदेश दे दिए गए। मगर आम तौर पर ऐसे आदेश घटना से उपजे असुविधाजनक सवालों की ओर से लोगों का ध्यान हटाने भर का काम करते हैं। जांच पूरी होने तक मामला ठंडा हो चुका होता है और फिर इस बात की ओर किसी का ध्यान नहीं जाता कि रिपोर्ट का क्या निष्कर्ष रहा और उस पर किस तरह की कार्रवाई हुई।

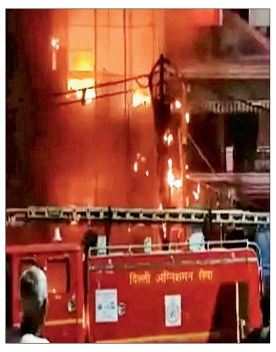
बच्चे बने विक्टिम

शक का आधार | इन दोनों मामलों में शुरुआती सूचनाएं ही संदेह का पुख्ता आधार प्रदान कर रही हैं। मसलन, यह बताया गया कि राजकोट के प्राइवेट एम्यूजमेंट पार्क में चल रहे गेमिंग जोन को फायर NOC नहीं मिला था। इसके बावजूद यह गेमिंग जोन धड़ल्ले से चल रहा था, बड़ी संख्या में बच्चे यहां महंगे टिकर लेकर आ रहे थे और अगर आग लगने की यह घटना न होती तो पता नहीं कब तक सब कुछ ऐसे ही चलता रहता। क्या स्थानीय प्रशासन को इस बात का अंदाजा नहीं होना चाहिए कि उसके कार्यक्षेत्र में किस तरह के व्यवसाय कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए चलाए जा रहे हैं?

घटनाओं की पुनरावृत्ति | दिल्ली वाली घटना में आग लगने की वजहों का पता लगाने की कोशिश हो रही है। फिलहाल स्वाभाविक ही प्रशासन की प्राथमिकता घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने पर है। लेकिन राजधानी में प्राइवेट संस्थानों में आग लगने और बेकसूर लोगों के मारे जाने की घटनाएं कोई नई या चौंकाने वाली बात नहीं है। कभी कोई फैक्ट्री इस वजह से सुर्खियों में आती है तो कभी कोचिंग संस्थान। घटना के बाद पता चलता है कि वे संस्थान तमाम कानूनी प्रक्रियाओं को ताक पर रखते हुए चलाए जा रहे थे।

लापरवाही स्वीकार्य नहीं | यह स्थिति स्वीकार नहीं की जा सकती। हालांकि रातोंरात इसे बदला नहीं जा सकता। न तो घने बसे इलाकों में पहले से बनी इमारतों की संरचना एक झटके में बदली जा सकती है और न ही यहां चल रही व्यावसायिक गतिविधियां पूरी तरह बैन की जा सकती हैं। इनसे हजारों लोगों की आजीविका भी जुड़ी हुई है। मगर नियम-कानूनों को हलके में लेने की आदत सही नहीं मानी जा सकती। न ही इन्हें लागू करने में किसी तरह का भेदभाव बर्दाश्त किया जाना चाहिए।

चक्र-व्यू

रुकी हुई रेल

राहुल पाण्डेय

पदम भाई पुराने मित्र हैं, दिल्ली में रहते हैं। दिल्ली की गरमी का तो सबको पता ही है कि कैसी पड़ रही है। इसी झुलसाती धूप में द्वारका कोर्ट जाते हुए अक्सर उन्हें एक अधेड़ युवक दिखता था। बीच डिवाइडर पर बैठा। न कोई ओट, ना कोई छांव। आता-जाता ट्रैफिक भी न देखता। पास एक कॉपी थी। उसी पर लिखता मिलता। कई दिनों तक तो पदम भाई ने उसे वॉच किया। कल गाड़ी रोकी। पूछा 'क्या लिखते रहते हो भाई?' उसने मुंह तक ना उठाया। पूछा, कौन हो? फिर चुप। फिर पूछा, 'जवाब नहीं देना चाहते?' पहली बार उसने रिएक्शन दिया, वो भी ना में। अपनी कॉपी में वह कुछ अजीब सा लिख रहा था। एकबारगी पदम भाई को लगा कि शायद रामनाम लिख रहा होगा! राम जी का नाम मैंने लोगों को भक्ति में ही नहीं, शिकायत के लिए भी लिखते देखा है। मुरादाबाद के मेरे एक मित्र अपने एक प्रिय भांजे की असमय मौत के बाद जाने कितने दिनों तक कॉपी में राम जी का नाम लिखकर उनसे शिकायत करते रहे। उनकी अटकी हुई घड़ी मेरे पास है। जाते-जाते पदम भाई ने पूछा कि फोटो ले लूं? इस बार उसने हां बोली। पदम भाई ने उसकी कॉपी की फोटो खींची। फिर पूछा, क्या लिख रहे हो? उसने बताया, Poem लिख रहा हूं। वह फोटो दिखाकर पदम भाई ने चैलेंज किया कि पढ़कर दिखाओ। अब यह तो सब जानते ही हैं कि कविता कैसी भी हो, मैं पढ़ लेता हूं! पहले मैंने AI को उस टास्क पर लगाया। नाम नहीं लूंगा, मगर सब की सब टांय-टांय फिस्स ही निकलीं। तपती धूप में जलते डिवाइडर पर बैठकर अनजानी तंद्रा में तराशे गए शब्दों को पढ़ना मशीन को अभी और सीखना होगा। खैर, मैंने डायरी का पन्ना ध्यान से पढ़ना शुरू किया। हैरानगी की हद यह कि एक-एक शब्द खूबसूरत। जैसे कैलिग्राफी की गई हो। लहरों को छोड़ दें तो लगभग सब पढ़ने में आ रहा था। लिखा था- *'ना मौत चले, ना जीवन की रेल। मीर बावला रेल हूं मैं।'* कविता में 90 फीसदी से अधिक दोहराव था, मगर मैंने पूरी पढ़ी। कवि पागल ही क्यों ना हो, पर कविता अपने पूरे पागलपन में भी कुछ कहकर या बताकर ही जाती है। इसीलिए कवि कितने भी खराब हों, पसंद किए जाते रहे हैं। डिवाइडर पर बैठे उस कवि की रेल एक जगह पर अटक चुकी है। मर नहीं पा रहे हैं, जी भी नहीं पा रहे हैं। इसलिए कविता में गाना गा रहे हैं। खामोश दुख में अटकी दास्तानें ऐसी ही होती हैं। डिवाइडर पर अटकी उस आदमी की जाने कब तक के लिए डीरेल हो चुकी रेल की तरह। जब-जब चलने को सीटी मारती है, कवि कॉपी में लिखता है- *'मर-मर जी-जी मौत जी रेला हूं। तू चल अपन भी आ रेला हूं..'*

एकदा

नरगिस के फूल

उर्दू-फारसी के महान शायर मीर तकी मीर आज होते तो पूरे तीन सौ साल के होते। लेकिन अगर होते तो दो बातें जरूर होतीं। एक तो उनकी शायरी, दूसरी उनकी बदमिजाजी। लेकिन कहते हैं ना कि हर बदमिजाज का दिल किसी नर्म फाहे सा होता है। वह प्रेम भी बहुत करते थे। बात तब की है, जब मीर के पिता बीमार होकर बिस्तर पकड़ चुके थे। एक दिन उन्होंने मीर को बुलाया और बोले, बेटा, मेरी जान जितनी भी बची है, अब सिर्फ ईश्वर का प्रसाद है। जिस्म घुला जाता है। कुछ खाने का मन नहीं होता। खाता हूं तो भारीपन रहता है।

AI Image

जी का हाल तो ऐसा कि कभी जी में रहता ही नहीं है। हकीम दवा देता है, वह भी मेदे में सुबह तक बैठी रहती है। चाहता हूं कि मौत आने तक खाना छोड़ दूं। एक काम करो, बाजार जाओ और वहां से नरगिस के फूल ले आओ। बची जिंदगी उन्हीं को सूंघकर काम चला लूंगा। मीर बाजार पहुंचे। नरगिस के दस्ते ले आए। पिता आंख खोलते, दस्ता हाथ में लेकर सूंघते और फरमाते, खुदा का शुक्र है, सैर हो गई। जब भोजन छोड़ दिया तो पिता बेहद कमजोर हो गए। हाथ-पैर हिलाना मुश्किल हो गया। करवट बदलने के लिए भी मीर को ही आवाज देते। दिन कुछ ऐसे आ गए कि बिस्तर पर ही सब कर्म होने लगे। जाहिर है, उनका वक्त नजदीक आ चला था। मीर कुछ कर भी नहीं पा रहे थे, क्योंकि हकीम जो कुछ भी देते, पिता उसे फेंक देते या छूने तक से इनकार कर देते। पिता के जीवन का बुझता चिराग देख मीर ने कहा, *'शाम से कुछ बुझा सा रहता हूं/ दिल हुआ है चराग मुफ्लिस का/ दाग आंखों से खिल रहे हैं सब/ हाथ दस्ता हुआ है नरगिस का।'*

संकलन : **जमील गुलरेज**

बाकी देश से हमेशा अलग रही है पंजाब की सियासी राह, यहां नहीं चलती किसी की हवा

पंजाब क्या फिर अलग रास्ते पर चलेगा

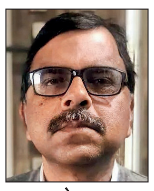
आशुतोष कुमार

देश के हर राज्य में चुनाव के लिए अलग विकल्प हैं और अलग राजनीतिक दल हैं। ऐसे में कहा जा सकता है कि हर सूबा एक छोटा लोकतंत्र है। इसी वजह से चुनावों को समझने के लिए राज्य सबसे बेहतर विश्लेषण इकाई हैं। पंजाब में बाकी राज्यों से बहुत समानता है, फिर भी कुछ बातें हैं जो इसे दूसरों से अलग बनाती हैं।

कांग्रेस से दूरी | पहली वजह है कि आजादी के बाद के शुरुआती बरसों में भी पंजाब में 'कांग्रेस सिस्टम' नहीं था। दूसरे राज्यों की तुलना में यहां कांग्रेस को अकाली दल और जनसंघ से कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ा। यही वजह है कि 1966 में राज्य पुनर्गठन के बाद पंजाब में गठबंधन सरकार का बनना आम रहा।

राजनीतिक ताकत | ज्यादातर राज्यों में पिछले साढ़े तीन दशकों में मध्यम और निचली जातियों का राजनीतिक ताकत के रूप में उदय हुआ है। हालांकि पंजाब इस मामले में अलग है। यहां की एक तिहाई आबादी अनुसूचित जाति है। इसके बाद भी राजनीतिक शक्ति जाट सिख किसानों के हाथों में है, जिनके पास जमीन है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली विफलता से भी यह बात जाहिर होती है। कांग्रेस ने तब सत्ता विरोधी लहर से बचने के लिए आखिरी वक्त पर दलित मुख्यमंत्री बना दिया था, पर चुनाव में उसे इसका फायदा नहीं मिला। राज्य में कांग्रेस अपनी सरकार नहीं बचा पाई थी।

कमजोर बीजेपी | पंजाब में BJP ने 1997 से 2021 तक अकाली दल के साथ गठबंधन किया। बावजूद इसके पार्टी अभी तक सीटों या वोट पर्सेंटेज के लिहाज से अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज नहीं करा पाई है। यह बात पंजाब को उन दूसरे राज्यों से अलग करती है, जहां पहले कभी BJP कमजोर हुआ करती थी। उन जगहों पर पहले उसने ताकतवर क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन किया और फिर खुद ही एक जीतने वाली पार्टी बन गई। ओडिशा, बंगाल, बिहार और कर्नाटक इसके उदाहरण हैं।

सबसे हटकर
- क्षेत्रीय दल लगातार कमजोर हुए
- BJP नहीं बना सकी है मजबूत जगह
- आम चुनाव में भी स्थानीय मुद्दे हावी

स्थानीय मुद्दे हावी | पंजाब कभी भी देश में चल रही लहर के प्रभाव में नहीं आया, न तो कांग्रेस के समय और न अब BJP के दौर में। BJP आर्टिकल 370, समान नागरिक संहिता, देश की सुरक्षा और विश्व मंच पर भारत के बढ़ते कद जैसे राष्ट्रीय मुद्दों पर चुनाव लड़ने की कोशिश कर रही है, लेकिन पंजाब में इसका बहुत असर होता नहीं दिख रहा। यहां लोकसभा चुनावों में भी स्थानीय मुद्दे निर्णायक रहे हैं।

AI Image

AAP की मजबूती | पंजाब एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां आम आदमी पार्टी अभी तक कोई लोकसभा सीट जीतने में सफल हो सकी है। 2014 के आम चुनाव में AAP दो साल पुरानी पार्टी थी और तब उसने पंजाब की 13 लोकसभा सीटों में से चार पर जीत दर्ज की थी। 2017 के विधानसभा चुनावों में वह मुख्य विपक्षी पार्टी बन गई। फिर 2022 में 117 में से 92 विधानसभा सीटों पर कब्जा जमाया। इस आम चुनाव में भी आम आदमी पार्टी मुकाबले में है।

बदलाव से दूरी | पूरे देश में राइट विंग की तरफ वैचारिक बदलाव होता दिख रहा है। मैदानों से लेकर पहाड़ों तक यह चेंज आ रहा। बड़ी हिंदू आबादी होने के बावजूद पंजाब इससे भी अछूता है। अमृतपाल सिंह वाले एपिसोड और संगरूर लोकसभा उपचुनाव में सिमरनजीत मान की जीत के बाद भी सिख समुदाय में कट्टरपंथी विचारों के फिर से उभरने के कोई संकेत नहीं हैं।

अकाली दल का उतार । एक और बात जो पंजाब को बाकी राज्यों से अलग करती है, वह है कि यहां क्षेत्रीय दल भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे। दूसरी ओर कई राज्यों में क्षेत्र विशेष राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक अजेंडे वाली पार्टियां बड़े-बड़े दिग्गज दलों को चुनौती दे रही हैं। पंजाब में अकाली दल सौ साल से भी ज्यादा पुरानी पार्टी है। ब्रिटिश राज के दिनों से इसने राज्य का पॉलिटिकल अजेंडा तय किया था। लेकिन, अब यह लगातार गिरावट पर है। उसकी ऐसी स्थिति BJP के कारण नहीं, बल्कि अपनी रणनीतिक गलतियों और संगठन से जुड़े मुद्दों के कारण है।

किसान आंदोलन | पंजाब पर ताकतवर किसान समुदाय का प्रभाव है। ऐसे में हरित क्रांति के बाद राज्य में कृषि क्षेत्र पर आया गंभीर संकट बेहद चिंता का विषय है। किसान तीन महीने से ज्यादा समय से सिंधु बॉर्डर पर डटे हुए हैं। इससे 2020 के किसान आंदोलन की याद आ जाती है, जो तीन कृषि कानूनों के विरोध में हुआ था।

मोदी मैजिक | अब बड़ा सवाल यही है कि क्या 2024 के लोकसभा चुनाव में पंजाब बाकियों से अलग बना रहेगा। 27 साल के लंबे गैप के बाद BJP राज्य में अकेले इलेक्शन लड़ रही है। उन सीटों पर पार्टी का प्रदर्शन देखना दिलचस्प होगा, जहां वह पहली बार चुनाव लड़ रही है और जहां हिंदुओं की अच्छी-खासी आबादी है। इनमें खासतौर पर लुधियाना और जालंधर की सीटें हैं। इसी तरह वे लोकसभा क्षेत्र भी हैं, जहां पार्टी अतीत में अकाली दल के साथ मिलकर जीत हासिल कर चुकी है। मसलन, गुरदासपुर और होशियारपुर में पांच बार, जबकि अमृतसर में तीन बार जीत मिली है। यह भी देखना रोचक होगा कि पंजाब में आखिरकार पीएम नरेंद्र मोदी का जादू चलता है या नहीं।

(लेखक पंजाब यूनिवर्सिटी में पॉलिटिकल साइंस के प्रफेसर हैं)

सोलो ट्रैवलिंग ज़िंदगी जीने की ट्रेनिंग देती है

हर सफर के पीछे कोई वजह होती है। इडा लॉरा फाइफर के लिए भी थी। दुनिया देखनी थी उन्हें, जानना था उसे। लेकिन, वह जिस दुनिया में सांस ले रही थीं, उसमें किसी महिला के लिए अकेले घर से बाहर निकलने की यह कोई वजह नहीं थी। उनके देश ऑस्ट्रिया और तकरीबन पूरे ही यूरोप में 19वीं सदी में महिलाओं का सुदूर यात्रा पर जाना अपवाद हुआ करता था। उसमें भी अकेले निकलने का तो सवाल ही नहीं। लॉरा ने बहाना बनाया कि वह अपनी एक सहेली से मिलने जा रही हैं। उन्होंने डेन्यूब नदी पार की, काले सागर की लहरों को झेला, इजिप्ट के रेगिस्तान से गुजरीं। वह जहां भी गईं, उन्हें घूरती निगाहों का सामना करना पड़ा, जिनमें एक अकेली महिला के सफर पर निकलने को लेकर कई सवाल थे। फिर भी लॉरा चलती रहीं। तब उनके चलने को बगावत माना गया था, लेकिन आज वह उपलब्धि है। लॉरा की गिनती शुरुआती महिला travellers में होती है।

AI Image
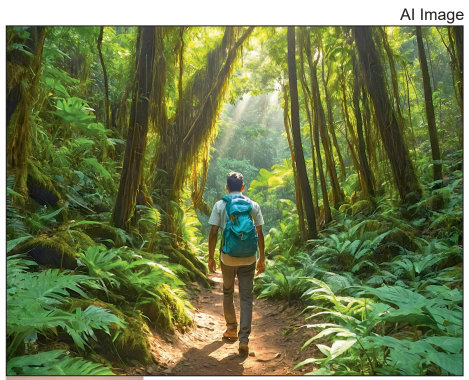

जीवन आनंद

कहते हैं कि अगर साथ चलने वाला सही हो, तो सफर का पता नहीं चलता। लेकिन, अगर सफर के जरिये ही सब जानना-पहचानना हो, तो अकेले चलना ही बेहतर है। सोलो ट्रैवलिंग का सबसे बड़ा आनंद है आजादी। वहां हर फैसला हमारा होता है। हर रास्ता हम खुद चुनते हैं। आगे बढ़ने के लिए किसी का इंतजार नहीं होता और ठहरने के लिए किसी से पूछना नहीं पड़ता। अपनी घड़ी और कदम किसी और से मिलाने नहीं पड़ते। यह आजादी मौका देती है उन जगहों से जुड़ने की, जहां से हम गुजरते हैं। नए लोगों से मिलने और नई संस्कृतियों को जानने का अवसर मिलता है। अकेलापन हमें प्रेरित करता है अधिक सामाजिक होने के लिए, नए दोस्त बनाने के लिए। उनसे बातें करने के लिए, उन्हें समझने के लिए।

हम सभी किसी न किसी लेवल पर एक कंफर्ट जोन में फंसे हुए हैं। सुरक्षित होने का अहसास वहां से बाहर ही नहीं निकलने देता। लेकिन, यह जोन एक गोलचक्कर की तरह है, जहां आकर जीवन बार-बार एक ही रास्ते पर घूम रहा है। सोलो ट्रैवलिंग निकालती है इस कंफर्ट जोन से। वह नई राह पर ढकेलती है। नई जगह, नई चुनौतियों से लड़ना सिखाती है। तैयार करती है और भी मुश्किल चीजों के लिए। और अगर तैयारी है भी नहीं, तो क्या फर्क पड़ता है! जिंदगी में हर चीज तो प्लान के हिसाब से होती नहीं। कई बार हालात को देखकर तुरंत कोई निर्णय लेना होता है। सोलो ट्रैवलिंग में इस तरह के हालात कई बार आ सकते हैं। इसे जीवन की ट्रेनिंग समझ लीजिए।

यह दुनिया बहुत बड़ी है और कई रंग लिए हुए। जरूरी नहीं कि कहीं चलने के लिए आपको सही साथी मिल ही जाए। तो, इंतजार में किसी के कब तक बैठा जाए। अगर लॉरा ने सही वक्त और सही साथी का इंतजार किया होता, तो क्या वह देख पातीं कि अरब में गर्म हवा किस तरह रेत के बवंडर बनाती है या फिर लाल सागर का नीला पानी कितना खूबसूरत लगता है? अगर सही वक्त के लिए रुकते तो क्या राहुल सांकृत्यायन के पास 'अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा' के लिए वक्त बच पाता?

अनजानापन हमें डराता है और यह अनदेखा संसार अनजानी चीजों से भरा पड़ा है। लेकिन, जब तक निकलेंगे नहीं, तब तक जानेंगे कैसे? परिचय कैसे होगा अनजाने से? यात्रा घर से दूर जाना नहीं, बल्कि सच के करीब आना है। सोलो ट्रैवलिंग में हमारे पास पूरा समय होता है खुद से बात करने का। अपनी क्षमताओं, कमजोरियों, इच्छाओं और सपनों को समझने का। अपने बारे में समझ साफ हो जाए, तो बहुत कुछ आसान हो जाता है।

शेयर करें अपने अनुभव
जीवन की दिनचर्या के अनुभवों में आप कैसे आनंद महसूस करते हैं, हमें बताएं nbtreader@timesgroup.com पर, और सब्जेक्ट में लिखें- **'जीवन आनंद'**

शिखर पर चढ़कर कैसा लगता है

मृत्युंजय राय

वो देखो, हिमालय की रेंज। कहां? वो जो पहाड़ की चोटी पर बर्फ दिख रही है, उंगली के इशारे से सिक्किम यात्रा के दौरान ड्राइवर के साथ गाइड की भूमिका निभा रहे सुनील राई ने मुझे दिखाया था। पहला तजुर्बा था हिमालय को देखने का, भले ही दूर से ही सही। हिमालय का यह भौतिक अनुभव था, जिसका अपना एक आध्यात्मिक संसार भी है। जिसने ना जाने कितने लोगों को इस आस में अपने यहां बुलाया है कि वहां जाकर वे खुद को समझ लेंगे।

AI Image

विचार विंडो

मगर खुद को समझने के लिए और अपनी इच्छाओं पर विजय पाते हुए मंजिल तक पहुंचना हिमालय को सिर्फ आध्यात्मिक जगत से ही नहीं जोड़ता। भौतिक दुनिया में ऐसा ही सबक पर्वतारोहियों को भी हिमालय देता है। तभी तो एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नॉरगे के 1953 में माउंट एवरेस्ट पर कदम रखने को इतनी बड़ी उपलब्धि माना गया। उससे पहले 145 पर्वतारोही इस काम में नाकाम हो चुके थे। 1924 में तो ब्रिटिश पर्वतारोहियों की एक टीम एवरेस्ट से सिर्फ 250 मीटर दूर रह गई थी, लेकिन दो सदस्यों के लापता होने के कारण उन्हें शिखर पर कदम रखे बगैर लौटना पड़ा। मगर वक्त के साथ हिमालय पर जीत पाना आसान होता गया है।

1994 से 2003 के बीच जितने लोग एवरेस्ट को जीतने पहुंचे, उनमें से 24% को कामयाबी मिली। यह पिछले दशक के मुकाबले कामयाबी की दोगुनी दर है। 2004 से 2013 के बीच तो कामयाबी की दर 51% हो गई। इसके बाद इसमें और बढ़ोतरी हुई है। यह कमाल है तकनीक का। जिस तरह से दुनिया के बाकी काम तकनीक ने आसान किए हैं, वैसे ही पर्वतारोहियों का जीवन भी इससे आसान हुआ है। ऑक्सिजन टैंक की क्षमता पहले से दोगुनी हो चुकी है। सूट और ग्लव्स हाई क्वॉलिटी के होते हैं और डबल इंसुलेटेड बूट्स पर्वतारोहियों के पांव गर्म रखते हैं। मौसम की सटीक भविष्यवाणी से भी पर्वतों की मुश्किल चढ़ाई आसान हुई है। इन सबके बावजूद पर्वतारोहण एक मुश्किल चीज है। मुश्किल इस कदर कि इसे पुरुषों का शगल बताया जाता रहा है। 'Time on Rock' इस भ्रम को दूर करने की पहल करती है। इस किताब को लिखा है Anna Fleming ने। एक तरह से किताब उनकी पर्वतारोहण के जीवन से रीडर्स को रूबरू कराती है। किस तरह से पहले पहल जब उन्होंने पहाड़ों पर चढ़ने का प्रयास शुरू किया तो उन पर क्या गुजरती थी। अंदर क्या चलता था। और किस तरह 30 की उम्र पार करते-करते वह चैंपियन पर्वतारोही बन गईं। कैसे यह स्पोर्ट किसी इंसान को पर्वतों के मोहपाश में बांध देता है, यह जानकारी भी Anna Fleming के जरिये रीडर्स तक पहुंचती है। वह बताती हैं कि कैसे यह उनके लिए एक शौक के रूप में शुरू हुआ और फिर उनकी जिंदगी के केंद्र में आ गया।

Anna Fleming की किताब यह तो बताती ही है कि पुरुषों के दबदबे वाले पर्वतारोहण में एक महिला पर्वतारोही होने का क्या मतलब है, साथ ही वह अलग-अलग चट्टानों की खूबियों से भी रीडर्स को वाकिफ कराती हैं। वह लिखती हैं कि दूर से देखने पर जो चट्टान एक जैसे लगते हैं, पास जाकर पता चलता है कि वे एक दूसरे से कितने अलग हैं। और कैसे ये चट्टान ही पर्वतारोही को मंजिल तक पहुंचाने का जरिया बनते हैं। Anna Fleming यह भी बताती हैं कि किसी पर्वत से शिखर तक पहुंचना एक क्षण की खुशी का सबब नहीं होता। मंजिल तक पहुंचने से पहले आप जिस प्रॉसेस से गुजरते हैं, वह एक अनूठा अहसास दिलाता है। Anna Fleming जैसे लोगों के लिए यहां भौतिक जगत आध्यात्मिक संसार से मिलता है।

'कोयता' की मार

प्रणव प्रियदर्शी

महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में बाल विवाह का एक नया रूप चलन में है, जो इस मायने में पहले से ज्यादा क्रूर है कि इसमें कम उम्र की लड़कियों पर घर-परिवार की ही जिम्मेदारी नहीं पड़ती, गन्ने के खेतों और मिलों में काम का बोझ भी वहन करना पड़ता है। इसे 'गेट कैन वेडिंग' कहा जा रहा है क्योंकि इसका गहरा नाता गन्ने की फसल की कटाई से है।

पिछले दिनों आई यूनिवर्सिटी ऑफ कैंब्रिज सेंटर फॉर जेंडर स्टडीज से जुड़ी रीतिका सुब्रमण्यम की एक रिपोर्ट इस चलन के अलग-अलग पहलुओं पर विस्तार से रोशनी डालती है। यह शादी अमूमन गुपचुप ढंग से और जल्दबाजी में की जाती है। इस इलाके में सामान्य पारंपरिक शादी में लगभग ढाई लाख रुपये का खर्च आता है जबकि इस रीति में शादी 10 हजार रुपये में निपट जाती है। दूसरी बात यह कि इस शादी के लिए करीब एक लाख रुपये अडवांस में मिल जाते हैं। शादी के ठीक बाद यह कपल संयुक्त रूप में गन्ने के खेतों में काम करके इस रकम की सूद समेत भरपाई करता है। ऐसे कपल को यहां 'कोयता' कहते हैं, जिसका शाब्दिक मतलब वह हंसिया है जिससे गन्ने की कटाई की जाती है। इस सबके केंद्र में होता है मुकादम जो खेत-मजदूरों में ठेकेदार और स्थानीय ग्रामीण समाज में जोड़े बनाने वाले (मैचमेकर) की दोहरी भूमिका निभाता है। अपने शरीर और मन के साथ हर जुल्म बर्दाश्त करती लड़कियों की कीमत पर यह प्रथा जारी है। मगर कई बार अपवाद भी यह संकेत देते हैं कि नियम की जंजीरें कसमसाती आकांक्षाओं की भेंट चढ़ने वाली हैं। ऐसा ही एक अपवाद बनी ज्योति, जिसने खुद इस प्रथा का शिकार होने के बाद ठान लिया कि अपनी छोटी बहन मनीषा को इससे हर कीमत पर बचाएगी। परिवार, समाज और प्रशासन तीनों स्तरों पर सही सोच के लोगों के सहयोग से ज्योति ने यह सुनिश्चित किया कि थोरात परिवार की छठी बेटी की शादी 18 साल की होने के बाद और पारंपरिक ढंग से हो और उसे 'कोयता' की चोट न सहन करनी पड़े।

AI Image

आधी दुनिया

THE SPEAKING TREE
और पढ़ने के लिए देखें
hindi.speakingtree.in

Original बने रहने में ही जीवन का सच्चा सुख

निर्मल जैन

अपने लिए हमें कपड़ा pure cotton या pure silk ही चाहिए। घी देसी, शुद्ध दूध, पानी और सभी खाद्य सामग्री पूर्ण गुणवत्ता और मर्यादा की होनी चाहिए। सारे उपकरण भी 'original' हों। जब हमें अपने लिए सब कुछ शुद्ध और original ही चाहिए, तो हमसे भी उम्मीद की जा सकती है कि हम भी अपने आपको अपने मौलिक स्वरूप (original और genuine) में ही प्रस्तुत करें। हमारे स्वभाव, विचारों में कोई बनावट या मिलावट न हो।

सबकी अपनी एक अनोखी मौलिकता होती है। यह मौलिकता ही हमारी सफलता का पहला कदम है। सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि हम अपनी natural originality को हमेशा बनाए नहीं रखते। कभी मन की कल्पनाओं के हिसाब से काम करते हैं, या लोगों से व्यवहार करते हैं। कभी दूसरों की देखा-देखी अपने आपको इतना अधिक बदल डालते हैं कि हमारा मूल स्वरूप ही पूरी तरह खत्म हो जाता है। किसी दूसरे के घोड़े पर सवार होने वाले को देर-सबेर उससे उतरना ही पड़ता है और घोड़े को वापस उसके मालिक को सौंप देना होता है। पराए विचारों पर अपनी जीन मत कसिए, अपने लिए original thought खोजिए।

न जाने किस भ्रम में हमने अपनी मौलिकता, अपनी खूबी और ज्ञान को अधूरा मानकर पश्चिमी शिक्षा-दीक्षा और चकाचौंध को महान सत्य समझ लिया है। फिर अपनी दिशा और नजर छोड़कर दूसरों के चश्मे से संसार को देखना शुरू कर दिया है। अपनी natural originality को त्यागकर western culture से जुड़ते जा रहे हैं। इससे कर्म का सिद्धांत खो गया और भोग का नजरिया इतना हावी हो गया कि हमने भौतिक विकास को ही असली विकास मान लिया।

हम जैसे हैं, वैसे ही रहें, वैसे ही दिखें। जितना हम बनावट और दिखावट से दूर रहेंगे, उतना सुखी महसूस करेंगे। अंदरूनी खुशी साधनों-सुविधाओं से नहीं, बल्कि अच्छे विचार और जीने के सरल अंदाज से आती है। हमारा जीवन जितना सरल होगा, हमारे आसपास की दुनिया उतनी ही आसान हो जाएगी। दुनिया तभी तक कठिन है जब तक हम जटिल हैं। सादगी से प्रकृति और अपने आसपास के लोगों को समझना आसान हो जाता है।

हवा के साथ बहना सीखें। पंछियों के साथ गीत गाएं। जमीन पर नंगे पांव चलते हुए महसूस करें कि हम ही पूरी धरती हैं। हम जितने हैं, उतने में खुद को पूरा मानना ही आजादी है। जीवन की सारी दौड़ केवल extra के लिए ही है। अतिरिक्त पैसा, पहचान, शोहरत, इज्जत- अगर यह extra पाने का लालच न हो, तो जीवन एकदम निश्छल और मौलिक स्वरूप धारण कर लेगा।

जीवन की भागमभाग, महान और अमर होने की कोशिश। इनको छोड़ अगर हम सहज रूप में जिएं, भूत या भविष्य की ओर देखने के बजाए वर्तमान को सुंदर और सार्थक बनाएं तो जीवन शायद ज्यादा उपयोगी हो जाएगा। व्यवहार में जितनी सादगी होगी, जितनी सरलता होगी, लोग हमारे उतने ही करीब आएंगे। हमारा साधारण, सहज, सरल और शांत होना ही अपने आप में बहुत असाधारण उपलब्धि है।

रीडर्स मेल
www.edit.nbt.in

हक की है ये लाइन
20 मई को प्रकाशित लेख 'देश में सब बराबर, बताती है वोटिंग लाइन' पढ़ा। भारत में वोटिंग लाइन लोकतंत्र के मूल्य को बखूबी दर्शाती है। लंबी कतारों में खड़े लोग धूप की परवाह न करते हुए अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए बेसब्री से इंतजार करते हैं। ये कतारें सिर्फ वोट डालने की नहीं, बल्कि अपने हक और अपने भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए लगती हैं। इन कतारों में खड़े लोग जानते हैं कि उनका वोट ही उनकी आवाज है, उनकी ताकत है, उनकी भागीदारी है। ये वोट उनके अधिकारों को बचाएंगे, उनके विकास में योगदान देंगे, और उन्हें एक बेहतर भविष्य देंगे।
रश्मि खरे, अंकुर विहार

भविष्य के भागीदार
जीवन आनंद कालम में 20 मई को प्रकाशित जॉर्ज बर्नार्ड शॉ का यह कथन कि जब आप मतदान नहीं करते तो शिकायत करने का अधिकार खो देते हैं, लोकतंत्र की सचाई उजागर करता है। मतदान सिर्फ एक अधिकार नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है जो हमें अपने भविष्य को आकार देने का मौका देती है। जब हम मतदान करते हैं, तो इसका अर्थ है कि हम अपनी आवाज उठाते हैं, अपने विचार प्रकट करते हैं, और अपने देश के भविष्य को आकार देने में भागीदार बनते हैं।
सोना मौर्या, लक्ष्मी नगर

एशिया में बढ़ता तनाव
25 मई का संपादकीय 'चीन के क्या हैं इरादे' पढ़ा। ताइवान में नए राष्ट्रपति के आने के बाद चीन के सैन्याभ्यास को लेकर तनाव का माहौल है। इस मसले पर जाहिर है कि अमेरिका भी चुप नहीं बैठने वाला। चीन का यह कदम अंतरराष्ट्रीय समुदाय में तनाव पैदा कर सकता है। आसपास के देश भी इस घटना से प्रभावित हो सकते हैं और अपनी सुरक्षा के लिए कदम उठा सकते हैं। यह स्थिति बहुत ही नाजुक है और इसमें सावधानी की आवश्यकता है।
शोभित खन्ना, राजौरी गार्डन

nbtedit@timesgroup.com पर अपनी राय नाम-पते के साथ मेल करें।

अंतिम पत्र
घूमने के लिए गूगल मैप का कर रहे थे इस्तेमाल, नदी में जा गिरी कार- एक खबर
किस्मत अच्छी थी कि गूगल मैप ने खाई में गिरने से बचा लिया!
कौशल जायसवाल

आर.एन.आई. नं. 510/57© सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति के बिना संपूर्ण या आंशिक पुनर्प्रकाशन पूर्णतः प्रतिबंधित। स्वत्वाधिकारी बैनेट, कोलमैन एण्ड कम्पनी लिमिटेड के लिए राजीव यादव द्वारा, 7 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित तथा **टाइम्स ऑफ इंडिया प्रेस, साइट IV, औद्योगिक क्षेत्र साहिबाबाद** और प्लॉट नंबर 7-8, सेक्टर M-11, ट्रांसपोर्ट हब, इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप, मानेसर, हरियाणा से मुद्रित। फोन : 23302000 फैक्सः 23492047, पंजीकृत कार्यालय : दादाभाई नौरोजी रोड, मुंबई-400001। विमान सेवा शुल्क : 1 रु. प्रति कॉपी। नेपाल में कुल मूल्य : सोमवार से शनिवार : नेपाली 5 रु. ; रविवार : नेपाली 6 रु.
संपादक (दिल्ली मार्केट) : आशीष पांडे (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी)

चुनावी मुद्दों की बरसात के बीच फिर से है हैटट्रिक लगाने की उम्मीद

ऐतिहासिक विजय के बाद प्रतिष्ठा का है सवाल

ग्राउंड जीरो से
अमनदीप सिंह
पंजाब

■ **पंजाब की** सभी 13 लोकसभा सीटों पर लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण में एक जून को मतदान होगा। इस बार पंजाब में मुकाबला चार पार्टियों में नजर आ रहा है। पंजाब में राजनीतिक दलों ने गठबंधन नहीं किया है। हर सीट पर AAP, अकाली दल, BJP, कांग्रेस और BSP ने उम्मीदवार उतारे हैं। विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक विजय हासिल करने वाली AAP की प्रतिष्ठा दांव पर है तो BJP को मोदी के मैजिक से उम्मीद है।

लोकल बनाम नैशनल मुद्दे: माझा, मालवा और दोआबा...तीनों बेल्ट में इस बार नैशनल मुद्दे बैकसीट पर हैं। फ्रंट में लोकल मुद्दे हैं। पंजाब के लोग चाहते हैं कि राज्य का विकास हो। यहां के बड़े शहरों में आईटी हब बनें, बड़े अस्पताल जैसे एम्स स्थापित किए जाएं, इलाज सस्ता हो, टोल कम किया जाए साथ ही सड़कों की मेंटिनेंस सही तरीके से हो। लुधियाना में टेक्सटाइल इंडस्ट्री और व्यापारी काफी ज्यादा हैं। वे GST में राहत चाहते हैं। दबी जुबान में कई वोटरों ने बताया कि जब से GST आया है धंधा करना मुश्किल हो गया है। ऐसे में जो भी सरकार आए यहां लोगों को इस पॉइंट पर जरूर राहत दे। दूसरी सीटों पर पिंडों में सस्ते इलाज के लिए अस्पताल हों, स्कूल खुलें, सड़कें हों, बसों की फ्रीक्वेंसी शहर की तरह हो और बिजली आती रहे ये सब मुद्दे हैं। कैंडिडेट्स को लोग लोकल मुद्दों पर घेर रहे हैं।

पिंड वालों के दिल में कौन है? पंजाब के नाराज किसान BJP को सबसे बड़ा नुकसान कर सकते हैं। राज्य में करीब 22 लाख छोटे-बड़े किसान परिवार बताए जाते हैं। सभी पार्टियों ने किसानों के लिए अलग-अलग घोषणाएं की हैं। उनकी नाराजगी झेलने का खतरा कोई पार्टी नहीं उठा सकती। पिंडों (गांव) में किसकी हवा है इस बात को भी जानना जरूरी है। 13 सीटों पर कई सीटों की जीत का रास्ता यहीं से गुजरता है। माझा ब्लॉक (अमृतसर, गुरदासपुर, खडूर साहिब) तो पूरा पिंड वालों के सहारे ही है। यहां लोगों में किसान आंदोलन की आग आज भी जिंदा है। दूसरा अलगाववादी कहलाना किसी को मंजूर नहीं, क्योंकि हर पिंड से एक बच्चा भारतीय आर्मी में है। ऐसे में पिंड वालों के दिल में कौन है इसका अंदाजा यहां के मुद्दों से ही पता चल जाता है। राज्य में सत्तासीन AAP और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के बीच मुकाबला कड़ा है। अकाली दल का अपना काडर है। मगर, बेअदबी की घटनाओं के बाद से अकालियों का राज्य में प्यार कम हुआ है। अकाली दल यहां से BJP के वोटों पर सेंध लगा सकता है।

नशे का हल चाहिए

पंजाब में बॉर्डर पार से ड्रोन के जरिए नशा घर-घर तक पहुंच रहा है। बेरोजगारी भी काफी बढ़ गई है। युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही है। वह नशे की गिरफ्त में हैं। सस्ती गोलियां और टीकों ने पंजाब की जवानी बर्बाद कर दी है। ऐसे में उनके घर वाले अपने लिए नहीं बल्कि बच्चों की सेहत के लिए उम्मीदवारों की तरफ देख रहे हैं। बेरोजगारी के बाद नशा पंजाब में बड़ा मुद्दा बन गया है। नशे ने राज्य की कई सीटों पर सभी समीकरण फेल कर दिए हैं। लोग अब चाहते हैं कि जिनको वे वोट दें, उनकी आवाज सुनी जाए। नशे की रोकथाम के लिए केंद्र के अलावा राज्य सरकार ने भी कई कदम उठाए हैं। ऐसे में जो पार्टी इन कदमों को लोगों तक पहुंचाएगी उसकी जीत पक्की है। लोग 2024 के चुनाव में नशे की समस्या का स्थायी समाधान चाहते हैं।

उम्मीदवारों पर है दारोमदार

पंजाब में 13 लोकसभा सीटें हैं। जालंधर में **AAP**, कांग्रेस, **BJP**, अकाली के अलावा **BSP** मैदान में है। पांचों कैंडिडेट रविदासिया कम्युनिटी से हैं। वहीं खडूर साहिब में असम के जेल में बंद अलगाववादी नेता अमृतपाल सिंह मैदान में हैं। खडूर साहिब में मामला पार्टियां बनाम अमृतपाल है। बाकी अन्य सीटों पर भी इस बार किसी एक सिंबल पर वोटिंग नहीं होने की उम्मीद है। मोदी का नाम सिर्फ चर्चा में है। उम्मीदवार काफी आगे निकल चुके हैं। अबकी बार सिर्फ उम्मीदवारों के चेहरे पर ही दारोमदार है। 4 जून को जब नतीजे आएंगे इस बात पर मुहर लग जाएगी कि इस बार पंजाब ने किसी एक दल को नहीं बल्कि उम्मीदवारों के वादों और विजन को देखते हुए वोट डाला है।

2027 पर है सभी पार्टियों की नज़र

तीन बार के सांसद रवनीत बिट्टू और चार बार सांसद रहीं परनीत कौर कांग्रेस छोड़कर लोकसभा चुनाव में **BJP** के उम्मीदवार बन गए हैं। **AAP** के सुशील कुमार रिंकू जालंधर उपचुनाव में जीते। वह लोकसभा में पार्टी के इकलौते सांसद बने। पार्टी ने उन्हें इस बार दोबारा टिकट दिया लेकिन आखिरी समय में उन्होंने भी **BJP** जॉइन कर ली। चुनाव भले ही लोकसभा का हो, लेकिन सभी पार्टियों की नजर 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव पर है। 2024 के जरिए 2027 पर निशाना साधने के कारण ही इस लोकसभा चुनाव में सबसे अधिक तोड़फोड़ देखने को मिल रही है।

महेंद्र, वीरेंद्र, सत्येंद्र की लड़ाई में 'X-फैक्टर'

ग्राउंड जीरो से
प्रेमशंकर मिश्र
चंदौली, उत्तर प्रदेश

■ **इलिया मोड़** के पास रोहित गुप्ता की पान की दुकान है। तापमान के असर को कुंद करने के लिए कोल्ड ड्रिंक मांगी तो उनकी सलाह थी, 'पान खाइए हमारे हाथ का, तरोताजा हो जाएंगे। मगही है बढ़िया।' (मगही मगध क्षेत्र में उगने वाला पान का पत्ता होता है। इसे खास तरीके से प्रोसेसिंग के बाद हरे से सफेद में बदल दिया जाता है।) पान की राय के बदले मैंने गुप्ताजी से चुनाव पर राय मांगी। बात रखने से पहले मुंह में घुल रहे पान की पीक को उन्होंने उसी तरह से व्यवस्थित करने का जतन किया, जैसे नेता जमीन पर समीकरण ठीक करते हैं। बोले, 'यहां महेंदर, वीरेंदर और सतेंदर चुनाव में हैं।' माहौल क्या रहेगा? हल्की मुस्कराहट के साथ जवाब आया, 'ये तो नरेंदर ही तय करेंगे।'

1997 में वाराणसी से काटकर चंदौली जिला बना था। यहां की सियासत का टोन तय करने में वाराणसी की भूमिका अहम होती है। इसे ऐसे भी समझ लीजिए कि समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी वीरेंद्र सिंह और BSP के प्रत्याशी सत्येंद्र कुमार मौर्य बनारस के ही रहने वाले हैं। BJP के महेंद्र नाथ पांडेय मूलतः गाजीपुर के हैं, लेकिन उनका घर बनारस में ही है। 2014 में नरेंद्र मोदी की वाराणसी में दावेदारी के साथ ही 16 साल बाद चंदौली में BJP की वापसी हुई। इस बार पार्टी हैटट्रिक लगाने के लिए मैदान में है। इससे पहले भी यहां एकमात्र हैटट्रिक BJP के ही आनंद रतन मौर्य ने 1991 से 98 तक लगाई थी।

पड़ोस की हवा, BJP के लिए 'दवा': BJP की पूरी उम्मीदों का भार पीएम नरेंद्र मोदी के कंधों पर है। लेकिन, चंदौली में सांसद मोदी की मेहनत भी कमाल दिखाती है। पिछले हफ्ते वाराणसी में हुए महिला सम्मेलन में नरेंद्र मोदी के साथ मंच पर महेंद्र नाथ पांडेय को भी जगह मिली थी। शिवपुर के राजभर बहुल क्षेत्र आशापुर के विनोद राजभर कहते हैं, 'यहां मोदी का ही माहौल है।' वह मोती की लड़ी बना रहीं आरती राजभर कहती हैं, 'मांग बढ़ी है तो काम भी बढ़ गया है। सड़क, बिजली भी ठीक हो गया है। और क्या चाहिए?' हालांकि, इसी क्षेत्र के रणंजय सिंह कहते हैं, 'वीरेंद्र सिंह यहीं से 2017 में चुनाव लड़े थे, 54 हजार वोट मिला था। उनका और SP का भी यहां वोट है।' अजगरा के अहिरान के शिवभूषण यादव कहते हैं, 'पीएम का असर तो यहां जरूर है, लेकिन बेरोजगारी, आरक्षण जैसे मसलों पर SP को भी वोट जा रहा है।'

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चंदौली के उम्मीदवार महेंद्र नाथ पांडेय के लिए रविवार को रैली की।

'मालिक महान, लोग चमचों से परेशान'

चंदौली के मुगलसराय में पूर्व पीएम लाल बहादुर शास्त्री जन्मे थे। पूर्व सीएम कमलापति त्रिपाठी का यह क्षेत्र रहा है। पूर्व सीएम और मौजूदा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का भी गृह जनपद है। जब बात विकास योजनाओं की आती है तो जुबां पर लोगों के नाम कमलापति त्रिपाठी का ही आता है। जीटी रोड पर मिल गए आकाश वर्मा नई बनी सड़कों, पुलों, मेडिकल कॉलेज का जिक्र करते हुए दावा करते हैं, 'कमलापति के बाद क्षेत्र में अगर किसी ने काम किया है तो महेंद्र पांडेय ने ही किया है।' हालांकि, मुगलसराय के ही अभिनव सोनकर और दुलारी देवी इन दावों को खारिज करती हैं। दुलारी कहती हैं, 'काम का करिअहं, सकल ना देखे क मिलअल उनकअ पांच साल! (काम क्या करेंगे, उनकी शक्ल भी नहीं दिखी पांच साल)'। BSP ने यहां मौर्य उम्मीदवार दिया है। लगभग ढाई लाख दलितों के अलावा पौन दो लाख मौर्य और इससे जुड़ी बिरादरियों के वोट हैं।

अंतिम व्यक्ति का इंतज़ार

चंदौली में यादव, ठाकुर, ब्राह्मण और वैश्य वोट भी प्रभावी हैं। सकलडीहा विधानसभा में SP की पकड़ खासतौर मजबूत दिखती है। अघोर पंथ के संस्थापक बाबा कीनाराम का मठ भी यही हैं। गंजा ख्वाजा के देव प्रताप सिंह SP का पलड़ा भारी बताते हुए BJP उम्मीदवार पर ही जातीय पक्षधरता का ठीकरा फोड़ते दिखे। दौला के बृजेश यादव और मेराज ने भी उनके सुर में सुर मिलाया। हालांकि, सैयदराजा के पारस पांडेय गिनाते हैं, 'जिलाध्यक्ष ठाकुर, सैयदराजा से विधायक सुशील सिंह, राज्यसभा सदस्य साधना सिंह किसने इतनी भागीदारी दी है?' फिलहाल, SP के कोर वोटरों से इतर ठाकुर बहुल गांवों में BJP ने खासी सक्रियता बढ़ाई है। चंदौली के मुगलसराय का नाम बदलकर दीनदयाल उपाध्याय नगर हो चुका है। BJP इनके 'अंत्योदय' के विचार को अपना आदर्श बताती है। लेकिन, सुविधाओं तक 'अंतिम व्यक्ति' की पहुंच का सवाल अब भी बना है। सैयदराजा नगर पंचायत में पशु अस्पताल के सामने अंकित कुमार का परिवार दो दशक से झोपड़ी डाल कर रह रहा है। सफाई कर्मी हैं। वह बताते हैं, 'परिवार में 10 वोट है। चुनाव के समय सब आकर झोपड़ी पर झंडा लगा जाते हैं। आधार बना है, पैन कार्ड बना है, लेकिन राशन कार्ड नहीं बन पा रहा। पशु अस्पताल का गेट बंद हो तो पीने के पानी के भी लाले होते हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष, विधायक सबसे गुहार लगा चुके। कहा जा रहा है लोकतंत्र का उत्सव है, तो हम क्या केवल जमूरे हैं?'

फटाफट खबरें

रैली में फिर फिसली नीतीश की ज़ुबान

■ **आईएएनएस, पटना :** बिहार के CM नीतीश कुमार की चुनावी भाषणों में लगातार जुबान फिसल जा रही है। रविवार को एक बार फिर एक सभा में नीतीश कुमार की जुबान फिसल गई और उन्होंने पीएम मोदी को मुख्यमंत्री बनाने की कामना कर दी। रविवार को पटना साहिब लोकसभा क्षेत्र में बीजेपी प्रत्याशी रविशंकर प्रसाद के समर्थन में एक जनसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंच पर भाषण दे रहे थे।

वर्क फ्रॉम जेल पहली बार सुना : राजनाथ

■ **भाषा, चंडीगढ़:** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को पंजाब के फतेहगढ़ साहिब के खन्ना में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। BJP कैंडिडेट गेजा राम वाल्मीकि के लिए वोट मांगने पहुंचे रक्षा मंत्री ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, वर्क फ्रॉम होम के बारे में तो सुना है, लेकिन वर्क फ्रॉम जेल के बार में पहली बार सुन रहा हूं।

RJD दलदल पार्टी है : जे. पी. नड्डा

■ **भाषा, जहानाबाद:** BJP के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को बिहार के जहानाबाद में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। NDA प्रत्याशी चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी के लिए वोट मांगने नड्डा पहुंचे थे। रैली में उन्होंने कहा, RJD का मतलब राष्ट्र विरोधी-रिश्वतखोर, जंगलराज और दलदल पार्टी है। RJD लालटेन युग में ले जाना चाहती है।

EVM से भरा ट्रक पहुंचने पर हड़कंप

■ **आईएएनएस, जौनपुर :** जौनपुर में शनिवार को मतदान समाप्त होने के बाद वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल यूनिवर्सिटी में बने स्ट्रॉन्ग रूम में उस समय हड़कंप मच गया जब EVM से भरा एक मिनी ट्रक यहां पहुंचा। SP उम्मीदवार बाबू सिंह कुशवाहा के समर्थकों ने ट्रक को रोका और पूछताछ शुरू की। ड्राइवर और अधिकारी ने बताया कि ये रिजर्व EVM हैं, जो गलती से यहां आ गईं।

राजनीति में आई नहीं, सिर्फ चुनाव लड़ रही हूं : कंगना

BJP ने हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से फिल्म ऐक्ट्रेस कंगना रनौत को उम्मीदवार बनाया है। वह पहली बार चुनाव के मैदान में उतरी हैं। मंडी सीट को लेकर उनका क्या विजन है और चुनाव लड़ना कितनी बड़ी चुनौती है, इस तरह के तमाम मुद्दों पर कंगना रनौत से बात की पूनम पाण्डे ने :

Q सितारों की गैलेक्सी से राजनीति में आने का सफर कैसा रहा?

अभी तो मैं प्रत्याशी हूं। अभी मैं संघर्षरत हूं। राजनीति में अभी आई नहीं हूं सिर्फ चुनाव लड़ रही हूं। राजनीति तो आप तब कहेंगे जब मैं सांसद बन जाती हूं और इस फील्ड में काम करती हूं। अभी तो मेरे लिए संघर्ष ही है।

Q अगर आप जीतती हैं तो पांच साल मंडी का प्रतिनिधित्व करेंगी। यहां के क्या मुद्दे हैं और आप क्या सोचती हैं?

यहां बहुत सारे विकास के काम करने हैं। हमारे प्रधानमंत्री जी ने विकास का रथ पूरे देश में चलाया है उसमें सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं पर काम किया जाएगा। साथ ही जितनी भी योजनाएं हैं, चाहे वह सूर्यघर योजना से फ्री बिजली दिलाना, चाहे हमारी बहन-बेटियों को लखपति दीदी बनाना, चाहे वह आयुष्मान की योजना हो, यह सुनिश्चत करना कि लाभार्थी हमारे हिमाचल प्रदेश में हों। सांसद एक तरह से प्रधानमंत्री के एजेंट होते हैं और सेंटर से सारी सुविधाएं और योजनाएं क्षेत्र तक पहुंचाते हैं।

Q राजनीति में आने को लेकर कभी सोचा था। चुनाव लड़ने के बारे में कब सोचा?

नहीं, मैंने नहीं सोचा था। मैंने नहीं सोचा था कि कभी राजनीति में आऊंगी। मैंने तो कभी यह भी नहीं सोचा था कि मैं एक ऐक्ट्रेस बनूंगी। कभी यह भी नहीं सोचा था कि फिल्म मेकर बनूंगी। कोई कहता था कि तुम्हें डायरेक्शन करनी चाहिए तो मैं सोचती थी कि इतनी आफत वाला काम कोई क्यों करेगा। फिर मैंने डायरेक्ट किया तो मुझे लगा कि जीवन को बहने देना चाहिए और मैंने वही हमेशा किया है।

Q आपको सबसे ज्यादा चैलेंजिंग क्या लगा, ऐक्ट्रेस बनना, फिल्म मेकर बनना या फिर अब चुनाव लड़ना?

जो चीज आती नहीं है वह चैलेंजिंग हो जाती है। जो आती है वह चैलेंजिंग नहीं होती। अब मैंने जो पकड़ फिल्मों में अभिनेत्री के तौर पर या डायरेक्टर के तौर पर... मणिकर्णिका मैंने डायरेक्ट की उसने 100 करोड़ से ज्यादा बिजनेस किया, अब मैंने इमरजेंसी डायरेक्ट की है। उम्मीद है कि वह भी ब्लॉकब्लस्टर रहेगी। अब उस काम में पकड़ आ गई है तो आसान हो गया है।

Q आपके सामने जो प्रतिद्वंद्वी हैं वह एक राजनीतिक पृष्ठभूमि से आते हैं और आप इस क्षेत्र में नई हैं। आपको यह कितना टफ चैलेंज लग रहा है?

मोदी जी का चुनाव है और लोगों ने अपना मन बना लिया है कि मोदी जी को ही वोट देना है। उनके नाम पर चुनाव हो रहा है। मंडी में उनकी रैली में जनता उमड़ी थी मात्र उनका दर्शन करने के लिए तो इस बात में कोई दो राय नहीं है कि मोदी जी विजयी रहेंगे।

Q कई सिलेब्रिटी पहले भी संसद पहुंचे हैं, लेकिन ज्यादातर ने वक्त नहीं दिया। आपने क्या सोचा है?

हमेशा मुझे कहा जाता था कि फिल्म ऐक्ट्रेस का करियर तीन-चार साल का होता है। दो चार गाने करके निकल जाती हैं। मैंने 2006 में शुरू किया और करीब-करीब 20 साल का करियर रहा। फिल्मों के जरिए महिला सशक्तीकरण का काम हो या चाहे जेंडर बायस के खिलाफ लड़ाई हो मेन स्ट्रीम ऐक्ट्रेस होकर मैंने जितना एक्टिविजम किया है शायद ही किसी ने किया हो। मैं ये नहीं सोचती कि दूसरों ने क्या किया। मैं अपना रास्ता खुद बनाती हूं।

Q अगर आप जीतती हैं तो हर सत्र में दिखेंगी?

बिल्कुल।

Q बेरोजगारी एक बड़ा मुद्दा है। आप खुद युवा हैं कैसे इसे देखती हैं खासकर अपने क्षेत्र में आप कैसे काम करेंगी?

अभी बेरोजगारी का अगर डेटा आप देखें तो यह ऑलटाइम लो पर है। देश में विकास हो रहा है। 2014 से पहले मात्र 2-3 स्टार्टअप थे अब लाखों की संख्या में हैं, तो रोजगार किसको मिल रहा है। IIT, IIM, एम्स जैसे इंस्टिट्यूट्स यहां लाना और केंद्रीय विद्यालय, कॉलेज, मेडिकल कॉलेज यह सब काम BJP ने ही किया है। ऐसे काम अगर हो रहे हैं तो काम युवा ही कर रहे हैं। दो टर्म में जितना हो सकता है उससे बहुत ज्यादा किया है, आगे भी करेंगे, जा तो कहीं नहीं रहे हैं।

Q मतलब आपकी जीत मोदी जी की जीत?

मोदी जी की जीत मेरी जीत।

दिल्ली के बाद AAP का फोकस पंजाब पर

IANS

दिल्ली के CM अरविंद केजरीवाल ने रविवार को होशियारपुर में रोडशो किया।

■ **विशेष संवाददाता, नई दिल्ली**

दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटों पर शनिवार को मतदान हो गया और अब पंजाब की सभी 13 सीटों पर सातवें और आखिरी चरण में एक जून को मतदान होगा। पंजाब में AAP की सरकार है और राज्य में लोकसभा चुनाव पार्टी के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पंजाब में चुनाव प्रचार के लिए पहुंच गए हैं, जहां अगले कुछ दिनों में उनकी एक के बाद एक कई रैलियां और रोड शो होंगे। बताया जा रहा है कि केजरीवाल 30 मई तक पंजाब में ही रहेंगे।

अरविंद केजरीवाल पहुंचे पंजाब, 30 मई तक वहीं रहेंगे

AAP संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए अब वह पंजाब में ही रहेंगे। उन्होंने रविवार को फिरोजपुर में टाउनहॉल में अपनी बात रखी। होशियारपुर की जनता के साथ रोड शो भी किया। इससे पहले उन्होंने केंद्र सरकार पर हमला बोला। केजरीवाल ने एक और ट्वीट में कहा कि केंद्र ने पंजाब का 9000 करोड़ रुपये रोका है। इस पैसे से गांव-गांव में सड़कें बननी थीं, मोहल्ला क्लिनिक बनने थे। केजरीवाल ने सवाल उठाते हुए अपने ट्वीट में कहा कि केंद्र सरकार पंजाब के लोगों से इतनी नफरत क्यों करती है? पंजाब के लोगों का हक क्यों रोका हुआ है, BJP को इसका जवाब देना चाहिए। उन्होंने रोड शो के दौरान जनता से अपील करते हुए कहा कि इस बार पंजाब की सभी 13 सीटों पर AAP के उम्मीदवारों को जितवा दें, इससे मुख्यमंत्री भगवंत मान मजबूती से केंद्र सरकार से लड़ सकेंगे।

चुनाव के आखिरी चरण में इन नेताओं की किस्मत है दांव पर

Manjari.Chaturvedi
@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली :** एक जून को लोकसभा चुनाव-2024 का आखिरी चरण का मतदान होगा। सात राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की कुल 57 लोकसभा सीटों पर चुनाव होना है। इस चरण में पंजाब की सभी 13 सीटों, हिमाचल प्रदेश की सभी चार सीटों के अलावा उत्तर प्रदेश की 13, बिहार की आठ, पश्चिम बंगाल की नौ, ओडिशा की छह सीटों, झारखंड की तीन और केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ की एक सीट पर चुनाव होना है। आखिरी चरण की सबसे हाई-प्रोफाइल सीट वाराणसी की है, जहां से खुद पीएम नरेंद्र मोदी चुनाव लड़ रहे हैं। दूसरा सबसे आकर्षण का केंद्र मंडी है, जहां से BJP की ओर से ऐक्ट्रेस कंगना रनौत और कांग्रेस के विक्रमादित्य सिंह के बीच मुकाबला है।

पीएम को वाराणसी से हैटट्रिक का इंतजार है। वाराणसी में उनका मुकाबला I.N.D.I.A. के संयुक्त उम्मीदवार के तौर पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय से होने जा रहा है। पिछली दोनों बार भी राय ने पीएम को यहां से चुनौती दी थी। उत्तर प्रदेश में वाराणसी के अलावा महाराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव, घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, मिर्जापुर और रॉबर्ट्सगंज में भी वोटिंग होनी है। उनमें से दो सीटों मिर्जापुर और रॉबर्ट्सगंज में BJP के घटक अपना दल मुकाबले में है। मिर्जापुर से अनुप्रिया खुद मैदान में हैं, जबकि रॉबर्ट्सगंज से रिंकी कोल चुनाव लड़ रही हैं। घोसी सीट से NDA की तरफ से ओमप्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी चुनाव लड़ रही है। यहां से उनके बेटे अरविंद राजभर मैदान में हैं। I.N.D.I.A. की ओर से उत्तर प्रदेश की 13 सीटों में से चार पर कांग्रेस, एक पर TMC और बाकी आठ सीटों पर समाजवादी पार्टी मैदान में है। पिछली बार इन 13 सीटों में से 11 पर BJP और दो पर उसकी सहयोगी अपना दल जीती थी। इस चरण के प्रमुख नामों में BJP के टिकट पर पूर्व पीएम चंद्रशेखर के बेटे नीरज शेखर बलिया से, रवि किशन गोरखपुर से तो वहीं चंदौली से BJP के नेता और केंद्रीय मंत्री महेंद्रनाथ पांडेय मैदान में हैं। SP ने गाजीपुर से मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी को टिकट दिया है। पूर्वी उत्तर प्रदेश BJP का मजबूत गढ़ है। SP उसमें सेंध लगाने में लगी है।

नरेंद्र मोदी वाराणसी से हैटट्रिक लगाने के लिए मैदान में उतरे हैं।

अभिषेक बनर्जी

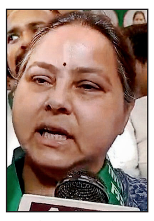

मीसा भारती

विक्रमादित्य सिंह

अनुराग ठाकुर

आमने-सामने की टक्कर है हिमाचल प्रदेश में

हिमाचल प्रदेश की सभी चारों सीटों पर BJP और कांग्रेस के बीच टक्कर है। मंडी सीट पर कंगना रनौत और विक्रमादित्य सिंह के बीच मुकाबला है। हमीरपुर से सीट से केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर मैदान में हैं। कांगड़ा सीट से आनंद शर्मा चुनावी मैदान में हैं।

बिहार में NDA के लिए सीटें बचाने की चुनौती

बिहार में आखिरी चरण में नालंदा, पटना साहिब, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर, सासाराम, काराकाट, जहानाबाद में चुनाव होना है। पिछली बार उनमें से तीन सीटें JDU ने और पांच BJP ने जीती थीं। रविशंकर प्रसाद, मीसा भारती, आर. के. सिंह जैसे चेहरे मैदान में हैं।

क्या ममता बनर्जी BJP को रोक पाएंगी?

पश्चिम बंगाल में दमदम, बारासात, बशीरहाट, जयनगर, मथुरापुर, डायमंड हार्बर, जादवपुर, कोलकाता दक्षिण, कोलकाता उत्तर में वोटिंग होनी है। TMC और ममता बनर्जी के लिए यह बेहद अहम चरण है। BJP ने ममता के गढ़ को तोड़ने के लिए पूरी ताकत लगाई है। ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी भी मैदान में हैं।

ओडिशा में बची हैं 6 सीटें

ओडिशा में छह सीटों मयूरभंज, बालासोर, भद्रक, जाजपुर, केंद्रपाड़ा और जगतसिंहपुर में चुनाव होना है। अहम चेहरों में केंद्रपाड़ा से BJP के बैजयंत पांडा चुनाव में हैं, जो पिछली बार हार चुके हैं। इस बार BJD ने उनके खिलाफ एक इंजीनियर और उद्यमी अंशुमान मोहंती को उतारा है।

झारखंड में सोरेन परिवार की बहू पर रहेंगी निगाहें

झारखंड में तीन सीटों राजमहल, दुमका और गोड्डा में चुनाव होना है। अहम चेहरों में गोड्डा से BJP सांसद निशिकांत दुबे शामिल हैं। दुमका से BJP ने सोरेन परिवार की बड़ी बहू सीता सोरेन को उतारकर चुनौती दी है।

मोदी ने सरकार चुराने की कोशिश की : राहुल गांधी

IANS

राहुल ने हिमाचल में रैली की।

■ **भाषा, शिमला :** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 10 साल में 22 लोगों का 16 लाख करोड़ रुपये कर्ज माफ कर दिया, लेकिन वह पिछले साल मॉनसून में बारिश के कारण आई आपदा से निपटने के लिए हिमाचल प्रदेश को 9,000 करोड़ रुपये नहीं दे सके। गांधी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की मदद करने के बजाय मोदी ने राज्य की चुनी हुई सरकार को 'चुराने' का प्रयास किया। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी रैलियों के दौरान 'खुले तौर पर ऐलान' किया कि वह 'भ्रष्टाचार और धनबल' के जरिए हिमाचल प्रदेश सरकार को गिरा देंगे।

5 बार ही ऐसा हुआ है जब आईपीएल के फाइनल में चेन्नै सुपरकिंग्स या मुंबई इंडियंस दोनों में से कोई एक टीम शामिल नहीं रही है। सीजन 2009, 2014, 2016, 2022 के बाद 2024 में ऐसा हुआ

खूब भालो... कोलकाता तीसरी बार आईपीएल चैंपियन

गेंदबाजों के ऐक्शन पैक प्रदर्शन से एकतरफा फाइनल में हैदराबाद को आठ विकेट से दी शिकस्त

■ **NBT स्पोट्र्स, नई दिल्ली:** सीजन की सबसे कंसिसटेंट टीम कोलकाता नाइटराइडर्स ने अपने शानदार बोलिंग अटैक के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ फाइनल मुकाबले को एकतरफा बनाते हुए खिताब पर कब्जा जमा लिया। उसने हैदराबाद को सिर्फ 113 रन के टोटल पर ऑल आउट किया जोकि आईपीएल फाइनल का लोएस्ट टोटल था। इस सामान्य से लक्ष्य को वेंकटेश अय्यर (52* रन, 26 बॉल, 4 फोर, 3 सिक्स) की ताबड़तोड़ पारी और बौना बना दिया। टीम ने 10.3 ओवर में 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर तीसरी बार आईपीएल का खिताब अपने नाम किया। खास बात यह रही कि तीनों ही बार गौतम गंभीर केकेआर के डग आउट में मौजूद रहे। पिछली दो बार (2012, 2014) गौती ने कप्तान के तौर पर केकेआर को चैंपियन बनाया था और इस साल मेंटर के तौर पर टीम के साथ थे। कोलकाता ने 2012 में चेपक में ही अपना पहला आईपीएल खिताब जीता था और एक बार फिर उसके लिए चेपक का मैदान लकी साबित हुआ।

हैदराबाद का सरेंडर: लीग राउंड में सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल इतिहास का हाईएस्ट टोटल (287/3) बनाने के अलावा छह बार 200 प्लस स्कोर बनाया था। ऐसे में आईपीएल 2024 में जब वे टॉस जीतकर पहले बैटिंग के लिए उतरे तो एक और हाई स्कोरिंग मैच की उम्मीद थी, लेकिन कोलकाता नाइटराइडर्स के बोलर्स के आगे हैदराबादी टीम ने सरेंडर कर दिया। मिचेल स्टार्क ने अपने पहले ओवर में ही विकेट निकाला और फिर वैभव अरोड़ा, आंद्रे रसेल, हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती ने भी पहले ओवर में ही विकेट निकालने के सिलसिले को जारी रखते हुए धुआंधार बल्लेबाजी के लिए मशहूर सनराइजर्स हैदराबाद की कमर तोड़ दी। पहली बार फाइनल में कोई टीम ऑल आउट हो गई।

सनराइजर्स हैदराबाद VS कोलकाता नाइटराइडर्स

स्टार्क का खौफ कर गया काम: अमूमन स्ट्राइक लेने वाले हेड ने युवा अभिषेक शर्मा को खतरनाक स्टार्क के सामने कर दिया। अभी तक बाकी बोलर्स के छक्के छुड़ाता आ रहा यह युवा बल्लेबाज स्टार्क की स्विंग से खौफजदा दिखा और आखिरकार स्टार्क की एक खूबसूरत गेंद ने उनकी गिल्लियां उड़ा दीं। अभी हेड थे जो अकेले दम पर मैच बना सकते थे, लेकिन वह एक बार फिर कोलकाता के खिलाफ खाता नहीं खोल सका। वैभव अरोड़ा की गेंद पर वह गोल्डन डक बने। कोलकाता के खिलाफ इस सीजन पिछली टक्कर में भी हेड अपना खाता नहीं खोल सके थे।

IPL फाइनल के पांच लोएस्ट टोटल

स्कोर	टीम	खिलाफ	सीजन
113/10	SRH	KKR	2024
125/9	CSK	MI	2013
128/6	RPS	MI	2017
129/8	MI	RPS	2017
130/9	RR	GT	2022

19 विकेट गंवाए थे हैदराबाद ने लीग स्टेज के 13 मैचों के पावरप्ले में। प्लेऑफ के सिर्फ तीन मैच में पावरप्ले के दौरान उन्होंने 10 विकेट गंवा दिए

2 बार आईपीएल फाइनल में विकेट-मेडन ओवर डाला गया है। साल 2019 में दीपक चाहर ने ऐसा किया था और अब इस फाइनल में हर्षित राणा ने किया

4 पिछले मैचों में तीसरी बार ट्रेविस हेड अपना खाता नहीं खोल सके। इस दौरान दो बार कोलकाता के खिलाफ जीरो पर आउट हुए

AFP

संडे को चेन्नै के चेपक स्टेडियम में जीत का जश्न मनाते कोलकाता नाइटराइडर्स के प्लेयर्स

प्रेशर मैच का बिग प्लेयर स्टार्क

मिचेल स्टार्क ने 24.75 करोड़ की रेकॉर्ड बोली के साथ इस सीजन आईपीएल में वापसी की थी। हालांकि, इस ऑस्ट्रेलियाई पेसर की वापसी अच्छी नहीं रही। आईपीएल के शुरुआती मुकाबलों में जिस तरह से अनकैप्ड प्लेयर्स ने भी उन पर प्रहार किया था वह हैरान करने वाला था। लीग राउंड में वह सिर्फ 12 विकेट निकाल पाए थे। पावरप्ले में ही स्ट्राइक करने वाला यह पेसर लीग राउंड के पावरप्ले में डाले 23 ओवर्स में सिर्फ छह विकेट निकाल पाया था। इस दौरान उनकी इकॉनमी भी 11.1 की रही। इन सबके बावजूद टीम मैनेजमेंट ने उन पर भरोसा बनाए रखा और प्लेऑफ में मिचेल अपने रंग में लौट आए। उन्होंने प्लेऑफ के दो मैचों के पावरप्ले में छह ओवर्स डाले और इस दौरान सिर्फ छह की इकॉनमी के साथ पांच विकेट निकालकर बता दिया कि वह बिग मैच प्लेयर हैं।

स्कोरकार्ड

सनराइजर्स हैदराबाद: अभिषेक शर्मा बो स्टार्क 2, ट्रेविस हेड कॉ गुरबाज बो अरोड़ा 0, राहुल त्रिपाठी कॉ रमनदीप बो स्टार्क 9, एडेन मार्कराम कॉ स्टार्क बो रसेल 20, नीतीश कुमार रेड्डी कॉ गुरबाज बो हर्षित 13, हेनरिक्स क्लासेन बो हर्षित 16, शाहबाज अहमद कॉ नरेन बो वरुण 8, अब्दुल समद कॉ गुरबाज बो रसेल 4, पैट कमिंस कॉ स्टार्क बो रसेल 24, जयदेव उनादकट एलबीडब्ल्यू बो नरेन 4, भुवनेश्वर कुमार नॉट आउट 0 **एक्स्ट्राज:** 13 **टोटल:** 18.3 ओवर्स में 113 रन **विकेट:** 1-2, 2-6, 3-21, 4-47, 5-62, 6-71, 7-77, 8-90, 9-113, 10-113 **बोलिंग:** मिचेल स्टार्क 3-0-14-2, वैभव अरोड़ा 3-0-24-1, हर्षित राणा 4-1-24-2, सुनील नरेन 4-0-16-1, आंद्रे रसेल 2.3-0-19-3, वरुण चक्रवर्ती 2-0-9-1

कोलकाता नाइटराइडर्स रहमानुल्लाह गुरबाज एलबीडब्ल्यू बो शाहबाज 39, सुनील नरेन कॉ शाहबाज बो कमिंस 6, वेंकटेश अय्यर नॉट आउट 52, श्रेयस अय्यर नॉट आउट 6 **एक्स्ट्राज:** 11 **टोटल:** 10.3 ओवर्स में दो विकेट पर 114 रन **विकेट:** 1-11, 2-102 **बोलिंग:** भुवनेश्वर कुमार 2-0-25-0, पैट कमिंस 2-0-18-1, टी नटराजन 2-0-29-0, शाहबाज अहमद 2.3-0-22-1, जयदेव उनादकट 1-0-9-0, एडेन मार्कराम 1-0-5-0

फटाफट खबरें

श्रीहरि को सिल्वर

■ **नई दिल्ली:** भारतीय तैराक श्रीहरि नटराज ने फ्रांस में चल रहे 30वें मेयर नोस्ट्रम स्विमिंग टूर में 50 मीटर बैकस्ट्रोक में सिल्वर मेडल जीता। तोक्यो ओलिंपिक्स खेल चुके नटराज ने 25.50 सेकंड का समय निकालकर हंगरी के एडम जास्जो के बाद दूसरा स्थान हासिल किया। ब्रिटेन के स्कॉट गिब्सन को ब्रॉन्ज मेडल मिला।

जामवाल, देव जीते

■ **बैंकॉक:** भारतीय मुक्केबाजों ने पैरिस ओलिंपिक्स के लिए क्वॉलिफायर्स में अपना दबदबा जारी रखा। अविनाश जामवाल (63.5 किग्रा) और निशांत देव (71 किग्रा) ने आसानी से अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की। जामवाल को दूसरे क्वॉलिफायर में शिव थापा की जगह टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने पहले राउंड में लिथुआनिया के एंड्रीजस लावरेनोवास को 5-0 से हराया। देव ने भी गिनी-बिसाऊ के अरमांडो बिगफा पर 5-0 से जीत हासिल की।

महिला हॉकी टीम हारी

■ **एंटवर्प:** भारतीय महिला हॉकी टीम का एफआईएच प्रो-लीग के बेल्जियम चरण में हार का सिलसिला जारी रहा। उसे अर्जेंटीना से 0-3 से पराजय मिली। अर्जेंटीना ने पहले ही मिनट में बढ़त बना ली जब डि सैंटो ने ग्रेनाटो के शॉट पर गोल दागा। भारतीय महिला हॉकी टीम अब लंदन में 1 जून को अपने अगले मैच में जर्मनी से भिड़ेगी।

शा ने किया कमाल

■ **यूजीन:** दुनिया की सबसे तेज महिला धाविका अमेरिका की शा' कैरी रिचर्डसन ने पैरिस ओलिंपिक्स की तरफ अपने कदम बढ़ाने जारी रखे। रिचर्डसन ने प्री-फॉन्टेन क्लासिक मुकाबले में महिलाओं की 100 मीटर की रेस 10.83 सेकंड में पूरी कर ली। दूसरी ओर, केन्या की बीट्राइस चेबेट ने चैंपियनशिप के 10000 मीटर में नया वर्ल्ड रेकॉर्ड दर्ज करते हुए 28 मिनट 54.14 सेकंड में रेस पूरी की।

मेडल से चूकीं दीपिका

■ **येचियोन:** मां बनने के बाद इंटरनेशनल लेवल पर वापसी कर रहीं दीपिका कुमारी आर्चरी वर्ल्ड कप में लगातार दूसरे मेडल से चूक गईं। दीपिका दुनिया की दूसरे नंबर की तीरंदाज लिम सिहियोन और तीसरे नंबर की अलेजांद्रा वालेंशिया से मुकाबला गंवा बैठीं।

भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर अमेरिका में भी है काफी उत्साह

Social Media

भारतीय टीम के खिलाड़ियों का पहला जत्था टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने के लिए रविवार को न्यूयॉर्क पहुंच गया। रवाना होने से पहले मुंबई में टीम के खिलाड़ी उत्साहित अंदाज में नजर आए

■ **एजेंसियां, न्यूयॉर्क:** न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत (कांउसल जनरल ऑफ इंडिया) बिनय श्रीकांत प्रधान ने कहा है कि अमेरिका में टी20 वर्ल्ड कप ऐतिहासिक टूर्नामेंट होगा। उन्होंने कहा कि इसे लेकर भारतवंशियों के साथ अमेरिकी लोगों में भी काफी उत्साह है और क्रिकेट को देश में मुख्यधारा में लाने में यह अहम भूमिका निभाएगा। प्रधान ने कहा,'पहली बार अमेरिकी धरती पर क्रिकेट का वर्ल्ड कप खेला जा रहा है। इसे लेकर भारी उत्साह है। भारतवंशियों में ही नहीं बल्कि अमेरिका के लोगों में भी।' उन्होंने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस सदस्य, सेनेटर, जनप्रतिनिधि सभी इसके बारे में बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा,'भारतीय टीम पहली बार अमेरिका की टीम से खेलेगी। यह बड़ा पल होगा।' भारत-पाकिस्तान मैच के बारे में उन्होंने कहा,'इसे लेकर काफी उत्साह है। कई जानी-मानी हस्तियां इसे देखने पहुंचेंगी। बाकी मैच भी महत्वपूर्ण हैं लेकिन भारत-पाकिस्तान मैच हमेशा चर्चा का केंद्रबिंदु रहता है।' टी20 वर्ल्ड कप अमेरिका और वेस्टइंडीज में 2 से 29 जून तक खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट टीम 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ यहां नसाउ काउंटी स्टेडियम में अपने अभियान का आगाज करेगी। भारत और पाकिस्तान का मैच यहां 9 जून को होना है।

टी20 वर्ल्ड कप 2024

होल्डर की जगह मैकॉय

एंटीगुआ: वेस्टइंडीज टीम ने रविवार को आगामी टी20 वर्ल्ड कप के लिए जेसन होल्डर के रिप्लेसमेंट के तौर पर ओबेड मैकॉय के नाम की घोषणा की। होल्डर को काउंटी चैंपियनशिप के दौरान हुई इंजरी के कारण वर्ल्ड कप से बाहर होना पड़ा है। वेस्टइंडीज क्रिकेट ने हालांकि होल्डर की चोट के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी और कहा कि उन्हें रिकवरी पीरियड की जरूरत है और उनकी पूरी तरह रिकवरी में टीम का मेडिकल स्टाफ उन्हें हर तरह की मदद मुहैया कराएगा। बाएं हाथ के मीडियम पेसर मैकॉय 33 टी20I खेल चुके हैं।

इंग्लैंड का प्लेयर्स को बुलाना गलती : वॉन

■ **एजेंसियां, चेन्नै:** माइकल वॉन का मानना है कि पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज खेलने के लिए अपने क्रिकेटरों को आईपीएल से वापस बुलाकर इंग्लैंड ने गलती की। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान वॉन के मुताबिक, इससे इन खिलाड़ियों को प्लेऑफ में दबाव के हालात में खेलने का अनुभव नहीं मिल सका जो टी20 वर्ल्ड कप में उनके काम आता। इंग्लैंड ने कप्तान जोस बटलर, फिल सॉल्ट और विल जैक्स को स्वदेश वापस बुला लिया गया था। वॉन ने एक पॉडकास्ट में कहा,'इंटरनैशनल क्रिकेट पहले है, लेकिन आईपीएल में दबाव उससे कम नहीं। इंग्लैंड ने खिलाड़ियों को बुलाकर उस दबाव के अनुभव से वंचित कर दिया। आईपीएल प्लेऑफ के प्रेशर, दर्शकों के प्रेशर से तैयारियां पाकिस्तान के खिलाफ टी20 खेलने से कहीं बेहतर होती।'

माइकल वॉन

सिंधु का खिताबी जीत का इंतज़ार बढ़ा

■ **एजेंसियां, कुआलालंपुर:** पीवी सिंधु का पिछले दो साल से चला आ रहा खिताब का इंतजार और लंबा हो गया। उन्हें मलयेशिया मास्टर्स के फाइनल में रविवार को वर्ल्ड रैंकिंग्स में सातवें स्थान पर काबिज चीन की वांग झी यी से हार का सामना करना पड़ा। ओलिंपिक्स में दो बार की मेडलिस्ट सिंधु तीन गेम तक चले 79 मिनट के मुकाबले के निर्णायक गेम में 11-3 की बड़ी बढ़त बनाने के बावजूद 21-16, 5-21, 16-21 से हार गईं। वांग ने शानदार वापसी करते हुए आखिरी 23 में से 18 अंक जीत कर खिताब अपने नाम किया। यह एक वर्ष से अधिक समय में किसी बीडब्ल्यूएफ टूर पर उनका पहला फाइनल था।

Social Media

"मैंने निर्णायक गेम में बढ़त बनाई हुई थी। मुझे इसे जीतना चाहिए था। वैसे इस मैच में काफी सकारात्मक चीजें रहीं बल्कि पूरे टूर्नामेंट में काफी पॉजिटिव चीजें रहीं। -पीवी सिंधु

NBT Lens समझिए खबरों के अंदर की बात

तब भी वांग थीं सामने

दिलचस्प है कि सिंधु ने दो साल पहले अपना पिछला फाइनल सिंगापुर ओपन में वांग झी यी के खिलाफ ही जीता था। वह हालांकि पिछले साल आर्कटिक ओपन में वांग से हार गई थीं। हालांकि, उन्होंने इससे पहले तीन मुकाबलों में चीन की खिलाड़ी को दो बार हराया था। यहां भी सिंधु मैच में अधिकांश समय मौजूदा एशियन चैंपियन वांग के खिलाफ दबदबा बनाने में सफल रहीं पर हार गईं।

ओसाका, रुबलेव को पहले राउंड में मिली कड़ी टक्कर

■ **एजेंसियां, पैरिस:** जापान की नाओमी ओसाका ने मातृत्व अवकाश के 15 महीने के ब्रेक के बाद वापसी करते हुए फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में पहले राउंड की बाधा पार कर ली है। नाओमी ने रविवार को टूर्नामेंट के शुरुआती दिन विमिंस सिंगल्स में इटली की लूसिया ब्रॉन्जेटी को तीन सेट तक चले मुकाबले में 6-1, 4-6, 7-5 से शिकस्त देते हुए दूसरे राउंड में जगह बना ली। पुरुषों के वर्ग में नंबर छह सीड आंद्रे रुबलेव ने जापान के टैरो डेनियल को 6-2, 7-6, 6-3, 7-5 से हराकर दूसरे राउंड में जगह बनाई। यह मैच तीन घंटे 11 मिनट चला।

फ्रेंच ओपन 2024

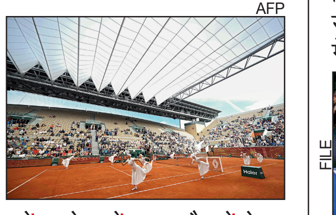

AFP

फ्रेंच ओपन में अब 'सुजैन लेंग्लेन कोर्ट' को भी बारिश से बचाने के लिए 'रिट्रैक्टेबल रूफ' हो गई है लॉन्च

गोल्ड जीत दीपा ने रचा इतिहास

■ **एजेंसियां, ताशकंद:** भारतीय जिम्नैस्ट दीपा करमाकर ने एशियन सीनियर चैंपियनशिप में विमिंस वॉल्ट में गोल्ड मेडल जीता। सीनियर लेवल पर इस एशियन चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाली वह देश की पहली जिम्नैस्ट बन गईं। दीपा ने वॉल्ट फाइनल में 13.566 का औसत स्कोर बनाया। नॉर्थ कोरिया की किम सोन हयांग (13.466) और जो क्योंग ब्योल (12.966) ने क्रमशः सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

FILE

दीपा करमाकर

आगामी प्रतियोगिता से एहतियातन हटे नीरज

नीरज चोपड़ा ने कहा, चोटिल नहीं हुआ हूं

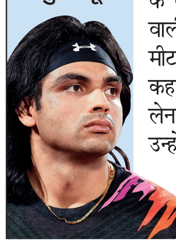

■ **एजेंसियां, नई दिल्ली:** ओलिंपिक्स गोल्ड मेडलिस्ट जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने रविवार को स्पष्ट किया कि वह चोटिल नहीं हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में अभ्यास के दौरान मांसपेशियों में 'कुछ महसूस' होने के बाद उन्होंने एहतियात के तौर पर चेक रिपब्लिक में 28 मई को होने वाली ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2024 ऐथलेटिक्स मीट में भाग नहीं लेने का फैसला किया। नीरज ने कहा कि ओलिंपिक्स वर्ष में वह कोई जोखिम नहीं लेना चाहते थे लिहाजा इस टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'हाल ही में एक थ्रोइंग सेशन के बाद मैंने ओस्ट्रावा में नहीं खेलने का फैसला किया क्योंकि मुझे 'एडक्टर' मांसपेशी में कुछ महसूस हुआ।'

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr
काफी समय से कुछ निजी और घरेलू मसले आपके लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। अभी तक आप अपनी आमदनी और आय के स्रोत मजबूत करने में जुटे हुए थे। अब आत्मनिर्भर हो जाने के बाद ये सबसे जरूरी है कि शादी-ब्याह के उन मामलों को देखें, जिसकी घर के छोटे सदस्यों को जरूरत है।

TAURUS 20 Apr - 19 May
आपकी चिंताओं के कुछ बहुमुखी आयाम हैं। एक ओर आप अपने स्वास्थ्य को लेकर परेशान हैं तो दूसरी तरफ जमीन-जायदाद और अन्य लेनदेन के मसले भी पेंडिंग पड़े हैं। संतान या भाई-बहन के लिए भी कुछ सोच विचार करना है, तो अभी से ही करना शुरू करें।

GEMINI 21 May - 21 Jun
इस वक्त आपको अपने घटे हुए कोष को लेकर चिंता हो रही है। अनाप-शनाप खर्च करने से आपकी देनदारी बढ़ सकती है। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें और अपने को दाता साबित करने के लिए उधार नहीं दें, हो सकता है आपको वापस ना मिले। दिन आपका सामान्य है।

CANCER 22 Jun - 22 July
आप काफी समय से अपने कामकाज या कारोबार को लेकर परेशान हैं, तो इस वक्त आपको जो मौका मिल रहा है उसे ना गवाएं। किसी न किसी व्यवसाय या अनुबंध से जुड़े रहेंगे तो भाग्य भी आपका साथ देता रहेगा। किसी के कहने पर कोई कार्य करने से पहले उसके बारे में जांच जरूर कर लें।

LEO 23 July - 22 Aug
हो सकता है कि आज आप किसी कानूनी विवाद या दूसरे किस्म के कोर्ट-कचहरी के चक्कर से निकलना चाहते हों। अपने सभी जरूरी और महत्वपूर्ण कागज पत्रों को संभालकर रखें। दोपहर बाद कुछ ज्यादा ही मेहनत करनी पड़ सकती है। दिन आपका मिलाजुला रहेगा।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep
यह अच्छी बात है कि किसी नेतृत्व के मामले में लोग आपको आगे करना चाहते हैं। लेकिन आप जहां तक हो सके वाद विवाद और बहसबाजी से दूर ही रहें। यदि इस प्रकार के नेतृत्व का श्रेय किसी और को मिलता है तो भी आप यहां से अभी अलग हो जाएं। दिन सामान्य रहेगा।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct
आज के दिन आपका व्ययभार यानि निजी खर्च बढ़ेगा। परिवार के किसी अहम मुद्दे को लेकर घर में बहसबाजी हो सकती है। कुछ हद तक लोगों की भी आपको चिंता करनी होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बनाने के लिए भी इस प्रकार खर्च करने जरूरी हैं। किसी पुराने मित्र से आज आपकी मुलाकात हो सकती है। दिन आपका मिलाजुला रहने वाला है।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov
किसी मामले में अगर आप कुछ ज्यादा बोल जाते हैं, तो लोगों को आपकी पीठ पीछे आलोचना करने का अवसर मिल जाता है। बेहतर होगा आप कम बोलें और कामकाज के सिस्टम को अपनी नजर में रखें। जल्दी ही इसका सुपरिणाम निकलने लगेगा। दिन आपका उत्तम रहने वाला है।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec
आप हमेशा ही मध्यस्थता करने में सफल माने जाते हैं। आज भी किसी महत्वपूर्ण जगह पर आपका बीच में बोलना सफल हो जाए। अपने खर्च के लिए स्व अर्जित धन का ही प्रयोग करें। कार्यक्षेत्र में बदलाव के संकेत हैं, अतः कोई भी काम सोच-समझकर आगे बढ़ाएं।

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan
आज आप अपने कार्यस्थल पर आने वाले सभी प्रकार के पत्रों का जवाब दें। एक तरफ आपकी जिम्मेदारियां बढ़ रही हैं, तो दूसरी तरफ लाभ के नए-नए ऑफर भी आपको मिल रहे हैं। किसी प्रकार की एजेन्सी या वितरण केन्द्र के लिए अपनी सहमति देना फायदेमंद रहेगा।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb
आज जब कभी भी किसी काम को समय पर करने में कटिबद्ध रहते हैं, तो उसे पूरा करके ही दम लेते हैं। लोगों के बीच आपकी छवि भी एक काम के आदमी की तरह है। आज भी आप ऐसे प्रस्ताव के लिए तैयार रहें। आज का दिन आपका उत्तम रहने वाला है।

PISCES 19 Feb - 20 Mar
काफी समय बाद आज आप राहत और प्रसन्नता अनुभव करेंगे। आपका बिगड़ा स्वास्थ्य भी कुछ हद तक ठीक से चलता नजर आएगा। कार्यक्षेत्र की स्थिति शांत और अपने काम में लगी हुई नजर आएगी। अपने आपको प्रभावशाली बनाए रखने में कुछ विचार करना होगा या फिर वस्त्रों और अन्य जरूरी चीजों पर खर्च करना होगा।

क्या कहते हैं आपके नंबर

(27 मई 2024 - 2 जून 2024)

(आचार्य नंदिता पांडे)

● **मूलांक 1**
(जन्म तिथि 1, 10, 19, 28)
आर्थिक दृष्टिकोण से समय अनुकूल रहेगा एवं धन आगमन के शुभ संयोग बनते जाएंगे। संयम के साथ किए गए निवेश आपके लिए शुभ परिणाम लेकर आएंगे। प्रेम संबंध में सुकून रहेगा एवं लव लाइफ में खुशियां दस्तक देंगी। कार्यक्षेत्र में किसी समाचार को प्राप्त कर मन दुखी हो सकता है।

● **मूलांक 2**
(जन्म तिथि 2, 11, 20, 29)
इस सप्ताह आपको संयम के साथ किसी भी निर्णय पर पहुंचने की आवश्यकता है तभी जीवन में सुकून प्राप्त करेंगे। कार्यक्षेत्र में अहम के टकराव से बचेंगे तो बेहतर होगा, अन्यथा कोई आपको इस सप्ताह धोखा भी दे सकता है। व्यय रहेंगे एवं विशेषकर व्यर्थ की यात्राओं द्वारा भी खर्च अधिक रहेंगे। प्रेम संबंध में भावनात्मक तौर पर मन बेचैन रहेगा।

● **मूलांक 3**
(जन्म तिथि 3, 12, 21, 30)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी एवं बिजनेस ट्रिप्स द्वारा फायदे होंगे भले ही वह आपकी अपेक्षा से थोड़ा कम ही क्यों ना हों। आर्थिक मामलों में इस सप्ताह व्यय अधिक हो सकते हैं एवं व्यर्थ के निवेशों से बचेंगे तो बेहतर होगा। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होगा।

● **मूलांक 4**
(जन्म तिथि 4, 13, 22, 31)
आर्थिक मामलों में समय अनुकूल है एवं धन लाभ की स्थितियां बनती जाएंगी। इस सप्ताह निवेशों द्वारा अच्छे फायदे होते जाएंगे। प्रेम संबंध में अगर लापरवाही नहीं बरतेंगे तो जीवन में खुशियां दस्तक देंगी। कार्यक्षेत्र में बातचीत द्वारा मामलों को सुलझाएंगे तो बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

● **मूलांक 5**
(जन्म तिथि 5, 14, 23)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी एवं मान-सम्मान भी बढ़ेगा। इस सप्ताह आप अपने ऑफिस की साज-सज्जा में भी खास रुचि ले सकते हैं। प्रेम संबंध में बंधन महसूस कर सकते हैं एवं आपके साथ आपकी काफी अटेंशन चाहेंगे। आर्थिक मामलों में धन लाभ आहिस्ता-आहिस्ता होगा। सप्ताह के अंत में साधारण स्थितियां रहेंगी।

● **मूलांक 6**
(जन्म तिथि 6, 15, 24)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी एवं साझेदारी में किए गए प्रोजेक्ट आपके लिए शुभ परिणाम सामने लेकर आएंगे। किसी एक्सपर्ट की मदद मिल सकती है, जिनकी वजह से आपके प्रोजेक्ट उन्नति के मार्ग में आगे बढ़ते जाएंगे। धन लाभ काफी होंगे एवं आप अपने निवेश को लेकर इस सप्ताह काफी बिजी रहेंगे एवं उनके द्वारा फायदे भी रहेंगे। प्रेम संबंध में लव लाइफ में खुशियां दस्तक देंगी।

● **मूलांक 7**
(जन्म तिथि 7, 16, 25)
प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होगा एवं लव लाइफ में सुखद अनुभव रहेंगे। आप अपने साथी के साथ कहीं घूमने-फिरने का मन भी बना सकते हैं। कार्यक्षेत्र में किए गए वादे इस सप्ताह पूरे नहीं होंगे अन्यथा कष्ट में रह सकते हैं। आर्थिक मामलों में आहिस्ता-आहिस्ता सुधार होंगे एवं धन आगमन धीरे-धीरे होता जाएगा। सप्ताह के अंत में किसी समाचार को प्राप्त कर मन दुखी हो सकता है।

● **मूलांक 8**
(जन्म तिथि 8, 17, 26)
इस सप्ताह संयम के साथ किसी भी निर्णय पर पहुंचेंगे तो बेहतर परिणाम सामने आएंगे। कार्यक्षेत्र में आपके प्रोजेक्ट इस सप्ताह ढिलाई बरतेंगे एवं उन्हें पूरा होने में समय अधिक लगेगा। व्यय भी अधिक हो सकते हैं एवं इस तरफ ध्यान देने की आवश्यकता है, अन्यथा कष्ट बढ़ेंगे। प्रेम संबंध में किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय को टाल दें तो बेहतर होगा। हालांकि यह स्थितियां क्षणिक रहेंगी एवं सप्ताहांत में एक नई शुरुआत होगी।

● **मूलांक 9**
(जन्म तिथि 9, 18, 27)
प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होगा। बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद रहेगा एवं जीवन में सुखद अनुभव रहेंगे। आर्थिक मामलों में इस सप्ताह भविष्य के बारे में सोच कर निर्णय लेंगे तो बेहतर परिणाम सामने आएंगे। कार्यक्षेत्र में कष्ट बढ़ सकते हैं। इस सप्ताह आपको प्रोजेक्ट में रुकावटें महसूस हो सकती हैं।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

शुक्र नेपचून और चन्द्रमा ग्रह इस वर्ष के संयुक्त रूप से स्वामी हैं। मई महीने के शेष समय जहां ख्यातिवर्धक एवं जोखिम भरे कार्यों के संपादन में सफलता देने वाला होगा, वहीं आगामी जून से लेकर जुलाई माह के अंत तक पर्याप्त मनोरंजक भी होंगे। अगस्त से लेकर सितंबर माह तक की बात करें तो कुछ जातकों के समृद्धि के द्वार खुलेंगे। अक्टूबर आपके भाग्यांक में सहायक होगा। नवंबर और दिसंबर के महीने में अविवाहित जातकों के विवाह की योजना बनेगी। जनवरी से लेकर फरवरी 2025 के अंत तक भाग्योदय होगा। मार्च के महीने में धन-धर्म की वृद्धि और मनोरथ सिद्धि होगी। अप्रैल से लेकर मई माह के प्रथम सप्ताह तक पुराने विवाद और झगड़े समाप्त हो जाएंगे। महिलाओं के लिए यह वर्ष आर्थिक समृद्धि और दाम्पत्य सुख बढ़ाने वाला होगा। विद्यार्थियों का आत्मबल बढ़ेगा। -**आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा**

कल का पंचांग (मंगलवार, 28 मई 2024)

राष्ट्रीय मिति ज्येष्ठ 07, शक संवत 1946, ज्येष्ठ, कृष्णा पंचमी, मंगलवार, विक्रम संवत 2081। सौर ज्येष्ठ मास प्रविष्टे 15, जिल्काद 19, हिजरी 1445 (मुस्लिम) तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 28 मई सन 2024 ई। सूर्य उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म ऋतु। राहुकाल अपराह्न 03 बजे से 04 बजकर 30 मिनट तक। पंचमी तिथि अपराह्न 03 बजकर 24 मिनट तक उपरांत षष्ठी तिथि का आरंभ। उत्तराषाढ़ नक्षत्र प्रातः 09 बजकर 34 मिनट तक उपरांत श्रवण नक्षत्र का आरंभ। ब्रह्म योग अर्धरात्रोत्तर 02 बजकर 06 मिनट तक।

सुडोकू

9			5		3			4
4		3				2		1
	8						9	
		8	7		4	5		
	5						6	
		2	3		6	4		
	2						7	
6		1				8		9
5			9		8			3

TELEVISION

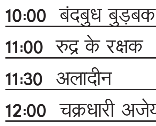

big magic

09:00 बबलू डबलू
10:00 बंदबुध बुड़बक
11:00 रुद्र के रक्षक
11:30 अलादीन
12:00 चक्रधारी अजेय कृष्णा
13:30 भ से भड़े
14:30 हम पांच
15:00 अजब देश की गजब कहानी
16:30 प्यार मौहब्बत हैपी लकी
18:30 रुद्र के रक्षक
21:00 चीख

गर्मी की छुट्टियों में कल्चर के साथ निखारें हुनर

एक से 21 जून तक देशभर में लगाए जाएंगे गुरमत कैंप

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

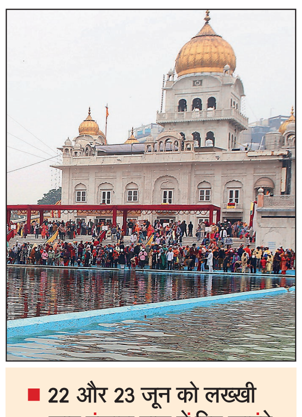

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी के धर्म प्रचार विभाग की ओर से हर साल की तरह इस बार भी गर्मी की छुट्टियों में बच्चों के लिए पंजाबी सिखलाई और इतिहास की जानकारी देने के लिए गुरमत कैंप का आयोजन किया जा रहा है। देश भर में 1 से 21 जून तक गुरमत कैंप लगाए जाएंगे और 22 और 23 जून को लक्खी शाह बंजारा हॉल मे सभी प्रतियोगियों और टीचर्स को भी सम्मानित किया जाएगा।

दिल्ली कमिटी के धर्म प्रचार के चेयरमैन जसप्रीत सिंह करमसर ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले कैंपों की अपार सफलता के बाद देशभर से कैंप लगाने के लिए मांग की जा रही है, जिसके चलते कमिटी ने फैसला लिया है कि दिल्ली के साथ-साथ हरियाणा, पंजाब, आगरा, रायपुर, बंगाल, पटना, लखनऊ सहित अन्य कई स्थानों पर कैंप का आयोजन किया जाएगा।

- 22 और 23 जून को लक्खी शाह बंजारा हाल में दिए जाएंगे सम्मान पत्र
- 20 हजार से अधिक बच्चों के कैंप में भाग लेने की उम्मीद

उन्होंने बताया कि इस बार कैंप में 20 हजार से अधिक बच्चों के भाग लेने की उम्मीद की जा रही है। वहीं 600 से अधिक टीचर्स बच्चों को मां बोली पंजाबी और गुरु इतिहास की जानकारी देने के इच्छुक हैं, उनकी अर्जियां धर्म प्रचार विभाग में पहुंच चुकी हैं। जसप्रीत सिंह करमसर ने जानकारी देते हुए बताया कि कमिटी की ओर से बच्चों के लिए किताबें और अन्य स्टेशनरी भी तैयार करवाई गई है, जिससे बच्चों को मां बोली सिखाने में मददगार साबित होंगे।

यहां समर कैंप में सीख रहे मिथिला कला की बारीकियां

Rousha.Jha@timesgroup.com

AI Image

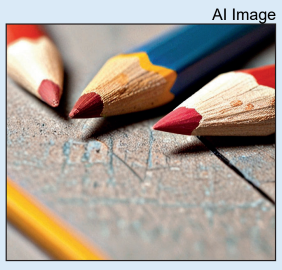

■ **नई दिल्ली:** मधुबनी पेंटिंग्स, मैथिली लोकनृत्य और मैथिली नाटक में अगर दिलचस्पी है तो आप समर कैंप में हिस्सा लेकर इसकी बारीकियां सीख सकते हैं। मंडावली के चेरी पब्लिक स्कूल में 12 मई से समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है, जो 15 जून तक चलेगा। 'मिथिकर्म' के अंतर्गत चलाए जा रहे इस कैंप में 10 साल से ऊपर का कोई भी व्यक्ति मात्र 100 रुपये रजिस्ट्रेशन फीस देकर अपना नामांकन करवा सकता है।

15 तक लोक नृत्य, मिथिला पेंटिंग्स, और नाटक की होगी वर्कशॉप

इस कैंप के आयोजन में प्रमुख भूमिका निभाने वाले काश्यप कमल ने कहा कि तीनों कैंप रोजाना अलग-अलग समय पर आयोजित किया जाता है। पेंटिंग्स के लिए शाम 4 से 6 बजे, डांस के लिए 5:30 से 7:30 बजे और नाटक के लिए 7:30 से 9:30 बजे का समय निर्धारित किया गया है। पेंटिंग्स कार्यशाला में मैथिली यूथ परिषद की ओर से, मैथिली लोक नृत्य में अछिञ्जल की ओर से और द्वारा जबकि रंग अभ्युदय की ओर से मैथिली नाट्य कार्यशाला का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मधुबनी चित्रकला की बारीकियां सुमित कुमार, जबकि लोक नृत्य की बारीकियां संतलाल झा सिखा रहे हैं।

मिथिलाक्षर सीखने का भी मौका: दूर्वाक्षत संस्था की ओर से 1 जून से उत्तम नगर में मिथिलाक्षर सिखाने के लिए समर कैंप का आयोजन किया जाएगा। मिथिलाक्षर संस्था के संस्थापक पंडित कौशल झा ने कहा कि वैसे तो ऑनलाइन माध्यम से हर महीने लोगों को मिथिलाक्षर सिखाने का काम किया जा रहा है, लेकिन इस बार गर्मी की छुट्टियों में कैंप के माध्यम से भी जानकारी दी जाएगी।

कुमाऊंनी और गढ़वाली सीखने का मिलेगा मौका

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

AI Image

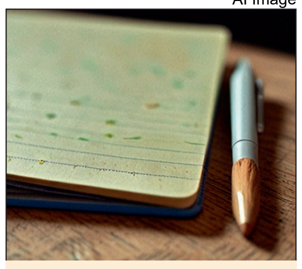

गर्मियों की छुट्टी में गढ़वाली, कुमाऊंनी भाषाएं सीखने का मौका एक बार फिर आ गया है। उत्तराखंड लोक भाषा साहित्य मंच ने 26 मई से एक बार फिर दिल्ली एनसीआर में ग्रीष्मकालीन गढ़वाली, कुमाऊंनी भाषा की क्लास शुरू कर दी हैं। मंच के संयोजक दिनेश ध्यानी ने बताया कि पिछले साल दिल्ली एनसीआर में लगभग तीस केंद्रों पर गढ़वाली, कुमाऊंनी भाषा शिक्षण कक्षाओं का आयोजन किया था। इसके अलावा देहरादून और श्रीनगर गढ़वाल में भी क्लास चलाई गई थीं। इस साल दिल्ली एनसीआर में लगभग पचास केंद्रों पर भाषा क्लासेज होंगी। इनका आयोजन मंच की ओर से दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट के सहयोग से किया जा रहा है।

मंच के संरक्षक डॉ विनोद बछेती ने बताया कि हमारी कोशिश है कि नई पीढ़ी के मन में भाषा, संस्कृति और सामाजिक सरोकारों के प्रति अनुराग बढ़े। समन्वयक अनिल कुमार पंत ने बताया कि मंच गढ़वाली, कुमाऊंनी भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए भी लगातार प्रयास कर रहा है। इससे पहले गढ़वाली, कुमाऊंनी भाषाओं को सिखाने के लिए दो दिवसीय पाठ्यक्रम पुस्तक निर्माण कार्यशाला का आयोजन 19 मई को पंचकुइयां रोड स्थित गढ़वाल भवन में किया गया। इसका आयोजन उत्तराखंड लोक-भाषा साहित्य मंच की ओर से ही किया गया। कार्यशाला में मंच के संयोजक दिनेश ध्यानी ने बताया कि इसमें उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारियों का संक्षिप्त परिचय समेत भाषा व्याकरण और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी होगी।

- रविवार से शुरू हुई क्लासेज, 50 सेंटरों पर मिलेगी ट्रेनिंग
- कोशिश है कि नई पीढ़ी के मन में भाषा, संस्कृति और सरोकारों के प्रति अनुराग बढ़े

मैती भेंट के लिए 8 हज़ार फीट की ऊंचाई तक जाएगी यात्रा

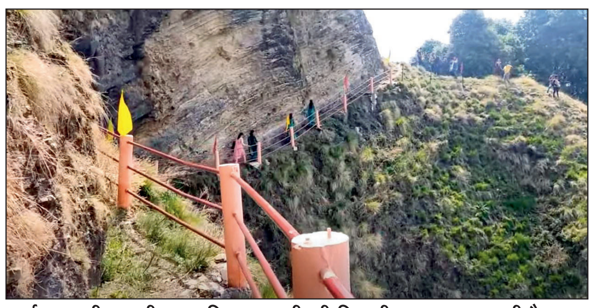

दुर्गम पहाड़ी पर श्रीगुरु माणिकनाथ जी की सिद्धपीठ गुफा तक जाती है यात्रा

Poonam.Bisht@timesgroup.com

■ **उत्तराखंड में** गर्मियों के मौसम में सिर्फ चारधाम नहीं, बल्कि ग्राम देवता, ईष्ट देवता के पूजन के लिए भी बड़ी यात्राएं निकलती हैं। इन्हीं में से एक है टिहरी गढ़वाल के भिलंगना ब्लॉक में लगभग 8000 फुट की दुर्गम पहाड़ी पर स्थित श्रीगुरु माणिकनाथ जी की सिद्धपीठ गुफा के लिए होने वाली पालकी यात्रा। इसे मैती भेंट मेला भी कहते हैं। 28 को हो रहे मैती भेंट मेले का यह नौवां साल है।

इस यात्रा का प्रबंधन कर रही श्रीगुरु माणिकनाथ सर्वजन कल्याण सेवा संस्था, दिल्ली से जुड़े लखपत सिंह भंडारी बताते हैं कि श्रीगुरु माणिकनाथ जी 13वीं शताब्दी में टिहरी के कोटी गांव के पास प्रकट हुए थे। वह यहां एक दुर्गम जगह पर बनी गुफा में रहते थे। वह कहां से आए थे, कहां विलुप्त हो गए, किसी को पता नहीं। माना जाता है कि वह नाथ परंपरा के थे।

उनके दर्शन करने गढ़वाल के राजा के सेनापति माधे सिंह भंडारी के पिता कालो सिंह भंडारी भी गुफा तक आए थे। उन्होंने ही गुफा के अंदर मूर्ति स्थापित की। गुफा बहुत ऊंचाई पर है और हर साल 28 मई को यहां पूजा होती है। इसके लिए इस बार 27 मई को सभी शहरों से भक्तजन हरिद्वार के रास्ते देहरादून पहुंचेंगे, जहां हवन के बाद उत्सव मूर्ति की पूजा होगी। इसे पालकी पर सवार कर भानियावाला, राणीपोखरी, देवल घाटी, पौंखाल के रास्ते कोटी गांव के श्री माणिकनाथ मंदिर पहुंचते हैं। यहां रात्रि विश्राम और पूजा के बाद गुफा के लिए ढाई किमी की चढ़ाई शुरू होती है।

28 मई को श्रीगुरु सिद्धपीठ गुफा पहुंचेगी यात्रा

Cannes फिल्म फेस्टिवल पहुंची पहली बार कोई भोजपुरी फिल्म

■ एनबीटी न्यूज, नई दिल्ली

हाल ही में फ्रांस में हुए Cannes फिल्म फेस्टिवल (14 मई से 25 मई तक) 2024 में हॉलिवुड लेकर से बॉलिवुड के कई स्टार्स पहुंचे। पहली बार भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की धमक Cannes फिल्म फेस्टिवल तक देखने को मिली है। जाने-माने भोजपुरी एक्टर प्रदीप पाण्डेय उर्फ चिंटू कांस के रेड कारपेट पर नजर आए। उनकी तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं। इस फेस्टिवल में उनकी अपकमिंग फिल्म 'अग्निसाक्षी' की स्क्रीनिंग हुई।

प्रदीप की नई फिल्म 'अग्निसाक्षी' की स्क्रीनिंग भी हुई

इस फिल्म में उनके साथ भोजपुरी क्वीन अक्षरा सिंह दिखाई देंगी। फिल्म के निर्देशक राजकुमार आर. पाण्डेय हैं। प्रदीप उर्फ चिंटू डायरेक्टर राजकुमार आर. पाण्डेय के बेटे हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'दीवाना' से की थी। इसके अलावा वो दुलारा, मोहब्बत जैसी कई फिल्मों में नजर आ चुके हैं। भोजपुरी सिनेमा की गतिविधियों पर नज़र रखने वाले समीक्षकों का कहना है कि यह भोजपुरी के लिए गौरव की बात है।

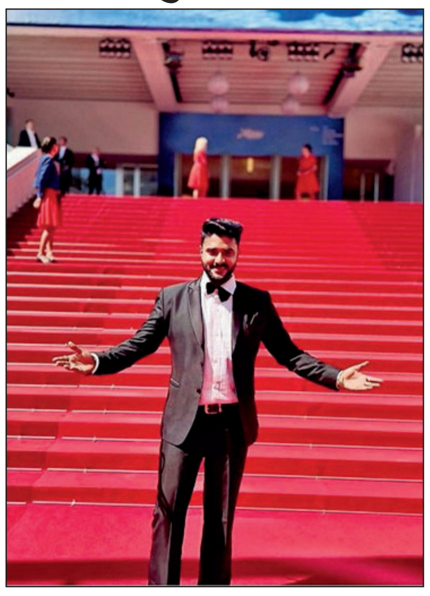

रेड कारपेट पर चलने वाले पहले भोजपुरी एक्टर बने प्रदीप

हिमालयी बुद्धिजीवियों को किया सम्मानित

■ **विस, नई दिल्ली:** बीजेपी हिमालय परिवार की ओर से शुक्रवार को सांसद मनोज तिवारी के आवास पर हिमालयी क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने 'नमो संग हिमालयी जन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में अतिविशिष्ट अतिथि सैल्यूट तिरंगा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश कुमार झा थे और अध्यक्षता पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल एएस रावत ने की। अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में टीएचडीसी के पूर्व कार्यकारी निदेशक राकेश खरे, पूर्व जीएसटी कमिश्नर विनोद सिंह, कैलाश हॉस्पिटल ग्रुप के निदेशक डॉ दिनेश शर्मा और और बीजेपी दिल्ली प्रदेश शिक्षा प्रकोष्ठ की संयोजिका और डीयू प्रोफेसर जसपाली चौहान उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में बीजेपी के वरिष्ठ नेता वीरेंद्र दत्त सेमवाल, श्याम लाल मजेड़ा और राजेश्वर पैन्यूली मौजूद रहे।

'नमो संग हिमालयी जन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया

इस मौके पर सत्य प्रकाश गौड़, बृजेश श्रीवास्तव, नरेश शर्मा, व्योमेश जुगरान, संजीव बड़थ्वाल, पार्थसारथी थपलियाल, राकेश धस्माना, मनोज कुमार कैन, अर्जुन प्रसाद चौधरी, सुभाष प्रधान, सोहन सिंह भंडारी और रमेश थपलियाल को हिमालयी बौद्धिक प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया।

हेमकुंट साहिब में भी रील्स पर लगा बैन

Amandeep.Singh2
@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली:** आज-कल रीयल लाइफ को दिखाने और सोशल मीडिया पर पल-पल की अपडेट देने के लिए रील बनाने का नशा युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। जहां भी नई उम्र के ये यूथ जाते हैं, बिना जगह की मर्यादा का खयाल रखे रील बनाने लगते हैं। वहीं, लेकिन चार धामों के साथ ही अब हेमकुंट साहिब में भी रील्स और विडियोग्राफी पर प्रतिबंध रहेगा। हेमकुंट साहिब के कपाट शनिवार को अरदास के बाद श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। श्रद्धालु बर्फ के बीच बने आस्था पथ से चलकर गुरुद्वारे में मत्था टेकने पहुंच रहे हैं। पहले दिन 3200 श्रद्धालु पहुंचे थे।

23 अप्रैल से मार्ग से बर्फ हटाने का काम शुरू हुआ था

हेमकुंट साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा ने बताया कि गुरुद्वारे के इर्द-गिर्द किसी भी प्रकार की रील्स और विडियोग्राफी नहीं की जाएगी। अभी हेमकुंट साहिब और आस्था पथ पर काफी बर्फ है, लिहाजा बुजुर्ग, छोटे बच्चे और बीमार व्यक्ति कुछ समय के लिए यात्रा से परहेज करें। जानकारी के मुताबिक, जो श्रद्धालु हेमकुंट साहिब आने में असमर्थ हैं, उनके लिए टीवी चैनल पर गुरुद्वारे से लाइव प्रसारण किया जा रहा है।

हेमकुंट साहिब के आस्था पथ पर पिछले एक महीने से बर्फ हटाने में जुटे सेना की 418-स्वतंत्र इंजीनियरिंग कोर के सैन्य अफसरों और जवानों को हेमकुंट साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट की ओर से शॉल और कृपाण भेंट कर सम्मानित किया गया। यात्रा मार्ग घांघरिया से दो किमी आगे अटलाकोटी ग्लेशियर प्वाइंट से हेमकुंड साहिब (चार किमी) तक बर्फ से ढका हुआ था। 23 अप्रैल से हेमकुंड साहिब मार्ग से बर्फ हटाने का काम शुरू हुआ। सेना के 35 जवानों और सेवादारों द्वारा एक महीने के भीतर आस्था पथ से बर्फ हटा ली गई।

हेमकुंट साहिब के कपाट शनिवार को अरदास के बाद श्रद्धालुओं के लिए खोले गए

NBT
। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली
Front Page-2
सोमवार, 27 मई 2024

UN की एजेंसी का कहना है कि पापुआ न्यू गिनी में हुए भूस्खलन से 670 लोगों की मौत होने की आशंका है। 150 से ज्यादा मकान दब गए हैं, पहले 60 के दबने का ही अनुमान था। दबे हुए लोगों को ढूंढने का अभियान जारी है।

माउंट एवरेस्ट पर बर्फ का हिस्सा टूटने से लंबा जाम लग गया। 2 पर्वतारोही नीचे गिर गए। इस साल अब तक 5 की मौत हो चुकी है, 3 गुम हैं। दुनियाभर के पर्वतारोही अप्रैल से मई के सीजन में यहां जुटे हैं।

चक्रवात का असर: बंगाल में भारी बारिश, एयरपोर्ट बंद, ट्रेनें थमीं, नौसेना भी है तैयार

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

चक्रवात 'रेमल' को देखते हुए पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के तटीय इलाकों से लोगों को निकालना शुरू कर दिया गया है। यह इस साल का पहला चक्रवात है। बांग्लादेश में करीब 8 लाख लोगों को प्रभावित इलाकों से निकालकर शेल्टर्स में भेजा गया है। देश के तीन बंदरगाह और दूसरे सबसे बड़े शहर चटगांव में एयरपोर्ट बंद है। पश्चिम बंगाल में 1 लाख 10 हजार लोगों को प्रभावित इलाकों से हटाया गया है। NDRF-SDRF की 16 बटालियन तैनात हैं। कोलकाता एयरपोर्ट रविवार दोपहर से 21 घंटे के लिए बंद कर दिया गया। इस दौरान कुल 394 उड़ानें ऑपरेट नहीं होंगी। एहतियातन पूर्वी रेलवे ने कई ट्रेन सेवाओं को रविवार रात 11 बजे से सोमवार सुबह 6 बजे तक सस्पेंड कर दिया। बंगाल ही नहीं 27 और 28 मई को असम, मेघालय, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा में भी चक्रवात के असर से भारी बारिश होगी। भारतीय नौसेना ने मदद पहुंचाने के लिए तैयारी पूरी कर ली है। दो जहाजों को राहत तैयार रखा गया है। सी किंग और चेतक हेलिकॉप्टर्स, डोर्नियर विमान, गोताखोर टीम और बाढ़ राहत टीम भी तैयार हैं। मौसम विभाग ने कहा कि बंगाल के उत्तर और दक्षिण 24 परगना जिलों में 100 से 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चक्रवात की तैयारियों और इसके प्रभाव से निपटने के लिए रविवार को अधिकारियों के साथ बैठक की। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि रेमल सुपर साइक्लोन अम्फन से कम नुकसान पहुंचाएगा। 2020 में अम्फन ने बंगाल में काफी ज्यादा नुकसान पहुंचाया था।

AFP

प. बंगाल के अलावा पड़ोसी बांग्लादेश पर इस चक्रवात का ज्यादा असर होगा।

ओडिशा में भारी बारिश की चेतावनी दी गई

मौसम विभाग ने ओडिशा के चार जिलों के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। भद्रक, बालासोर, केंद्रपाड़ा और मयूरभंज जिलों में 7 से 11 सेमी तक भारी बारिश हो सकती है। चारों जिलों के कलेक्टरों ने तैयारियों का जायजा लिया है। लगभग 20,000 मछली पकड़ने वाली नौकाओं को सुरक्षित किया गया है। ओडिशा के तटीय जिलों में रविवार सुबह ही बारिश शुरू हो गई थी। चक्रवात की वजह से यह और तेज हो जाएगी।

केरल में भारी बारिश जारी, कई जिलों में येलो अलर्ट

केरल में जारी भारी बारिश से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने रविवार को केरल में 29 मई तक भारी बारिश जारी रहने की भविष्यवाणी की है। पथानामथिट्टा, अलप्पुझा, कोट्टायम और एर्नाकुलम जिलों में 'येलो अलर्ट' जारी किया है। कुछ जगहों पर 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। मछुआरों को अगले आदेश तक समुद्र में न जाने की चेतावनी दी गई है। लगातार हो रही बारिश के कारण 13 लोगों की मौत हो चुकी है। **(आईएएनएस)**

त्रिपुरा में रेड अलर्ट, स्कूल भी बंद

त्रिपुरा सरकार ने रविवार को चक्रवात 'रेमल' के मद्देनजर चार जिलों- दक्षिण, धलाई, खोवाई और पश्चिम में रेड अलर्ट जारी किया। बताया गया कि इन जिलों में बिजली चमकने के साथ आंधी, 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं और भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इसलिए, रेड अलर्ट जारी किया गया है। बाकी जिलों के लिए 27 और 28 मई के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया गया है। दो दिन स्कूलों में छुट्टियां रहेंगी।

युवाओं के लिए सेना में भर्ती ज़रूरी करूंगा: सुनक

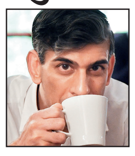

■ **भाषा, लंदन :** ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि अगर कंजर्वेटिव पार्टी चुनाव में जीतती है तो वह युवाओं के लिए सेना में सर्विस जरूरी करने के लिए एक नई रूपरेखा पेश करेंगे। यह सुनक की पहली बड़ी चुनावी घोषणा है। इसके तहत 18 साल के युवाओं को 12 महीने के लिए सैन्य नियुक्ति का विकल्प दिया जाएगा या एक साल तक हर महीने एक वीकेंड वॉलंटियर कर सकते हैं।' देश के गृह मंत्री ने कहा कि सर्विस में जुड़ने से मना करने वाले युवाओं को जेल में नहीं भेजा जाएगा।

फटाफट खबरें

टिफिन टॉप, चाइना पीक जाने पर फीस

■ **भाषा, देहरादून :** नैनीताल में इको-टूरिज्म प्लेस 'टिफिन टॉप' और 'चाइना पीक' में एंट्री के लिए चार्ज लगेगा। एक व्यक्ति की एंट्री पर 50 रुपये चार्ज होगा। अधिकारियों का कहना है कि लोगों ने कूड़े की शिकायत की है। बेहतर प्रबंधन के लिए चार्ज लगाया है।

एयर टर्बुलेंस: फ्लाइट में सवार 12 घायल

■ **एपी, लंदन :** दोहा से डबलिन जा रही कतर एयरवेज की फ्लाइट में सवार 12 लोग एयर टर्बुलेंस की वजह से रविवार को घायल हो गए। प्लेन डबलिन में सुरक्षित लैंड कर गया। सवार लोगों में 6 यात्री और 6 क्रू मेंबर्स थे। इससे पहले सिंगापुर एयरलाइंस में ऐसा ही हुआ था। एक बुजुर्ग यात्री की मौत हो गई थी।

हमास ने इस्राइल पर दागे रॉकेट, रफाह से हमला

Israel
Rafah

■ एपी, गाजा पट्टी

चार महीने में पहली बार हमास ने रविवार को गाजा से इस्राइल (Israel) पर बड़े पैमाने पर रॉकेट हमले किए। इस्राइली सेना का कहना है कि दक्षिणी गाजा के रफाह क्षेत्र से कम से कम आठ रॉकेट लॉन्च किए गए। कई को रोक दिया गया। किसी नुकसान की सूचना नहीं है। रफाह (Rafah) शहर में ही इस्राइली सेना सैन्य अभियान चला रही है। इस्राइल के तेल अवीव शहर के साथ ही हर्जलिया और पेटा टिकवा समेत कई शहरों में रॉकेट सायरन बजने लगे। इस बीच, राहत सामग्री से भरे ट्रकों ने दक्षिणी इस्राइल से गाजा में रविवार को एंट्री की। यह साफ नहीं है कि क्या मानवीय सहायता समूह इलाके में जारी लड़ाई के कारण मदद पहुंचा सकेंगे। इजिप्ट (Egypt) ने रफाह क्रॉसिंग के अपनी ओर के हिस्से को फिर से खोलने से इनकार कर दिया है।

AFP

खुद को बचाने की कोशिश में महिला।

समझौते पर बातचीत के लिए तैयार इस्राइल

इजिप्ट, कतर, अमेरिका की मध्यस्थता में बंधक समझौते पर हमास से बातचीत फिर से शुरू करने पर इस्राइल सहमत हो गया है। यह अगले हफ्ते हो सकती है। शुक्रवार को पैरिस में एक बैठक हुई। इसमें इस्राइली खुफिया एजेंसी मोसाद के चीफ, CIA के डायरेक्टर और कतर के PM शामिल थे। उधर, इस्राइल में प्रदर्शनकारियों-पुलिस के बीच शनिवार को भी झड़पें हुईं।